SUPREME SUPERSPECIALITY HOSPITAL | SUPREME HEART CARE
आयुष्मान भारत (PMJAY)
महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना (MJPJAY)
और
मुख्यमंत्री वैद्यकीय सहायता निधि (CMRF)
की सुविधा अब सुप्रीम हॉस्पिटल गोंदिया में उपलब्ध
Vivekanand Colony, Hadditoli Gondia (Maharashtra) 441601
www.supremehospital.org
0718223221, 7378738884
7507716433, 8624920084

बालाघाट, सिवनी, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..
जग प्रेरणा
बालाघाट - 04 जुलाई 2026 | दिन - शनिवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 157 | मूल्य - 5 रुपये

7 Years
SAHAYOG HOSPITAL
निःशुल्क एंजियोग्राफी शिविर
6 मार्च - 30 जून 2026
आयुष्मान भारत योजना (PMJAY) एवं MJPJAY के अंतर्गत निःशुल्क एंजियोप्लास्टी की सुविधा उपलब्ध
91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

जहां सोने, चांदी, हीरे जड़ित आभूषणों की हर कृति में मिलता है..
समय का स्पर्श और हर आभा में वंश की गरिमा..
परंपरा और भरोसे के 38 साल
शांति ज्वेलर्स..
नया सराफा, मेन रोड, बालाघाट

सावधान! बालाघाट में 4 से 6-7 जुलाई तक भारी से अति भारी वर्षा की चेतावनी..

जगप्रेरणा बालाघाट। बालाघाट जिले में 4 से 6-7 जुलाई 2026 के दौरान भारी बादलों के साथ भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है। इस अवधि में बिजली गिरने, आंधी-तूफान तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी आशंका जताई गई है। जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केंद्र बडग़ांव के वैज्ञानिक डॉ धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि जारी पूर्वानुमान के अनुसार इस अवधि में अधिकतम तापमान 27 से 28 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 22 से 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। सुबह के समय वायुमंडल में 95 से 99 प्रतिशत तथा दोपहर में 80 से 82 प्रतिशत तक आर्द्रता अनुमानित है। आगामी दिनों में दक्षिण दिशा से 7 से 11 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चल सकती हैं। केंद्र ने किसानों को सलाह दी है कि मौसम की स्थिति देख कृषि कार्य सावधानीपूर्वक करें। बारिश और बिजली गिरने की संभावना के दौरान खुले खेतों में कार्य से बचें तथा कृषि यंत्रों और बीज-उर्वरकों को सुरक्षित स्थान पर रखें। खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें।

अब आगरा की रूबी ने पति को मारकर बाथरूम में टाइल्स के नीचे दफनाया

सोनम-सिया के बाद आगरा की रूबी के कारनामे का 45 दिन बाद खुला राज, मिला कंकाल..

आगरा।

सोनम, सिया के बाद अब आगरा की रूबी ने भी अपने पति की हत्या कर अपने ही घर के बाथरूम में दफ्ना दिया। इस घटना को छुपाने के लिए उसने उस पर टाइल्स भी लगवा दी और फिर 45 दिन तक पति के लापता होने

का नाटक करती रही। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे पुलिस वेरिफिक्रेशन करने पहुंची, तो रूबी घबरा गई। पुलिस ने जब पत्नी से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। घटना का खुलासा होने के बाद बड़ी संख्या में इलाके के लोग मौके पर पहुंच गए। सनसनीखेज वारदात से कॉलोनी के लोग हैरत में हैं। मामला थाना सिकंदरा के प्राक्षी टावर चौकी क्षेत्र का है। मूलरूप से भरतपुर के रंजीत नगर के रहने वाले 40 वर्षीय सुरेंद्र कुमार शर्मा सिकंदरा में दहतोरा के रेणुका धाम कॉलोनी में रहते थे। घर में उनकी पत्नी रूबी, मां कमला और 2 बेटियां भी साथ रहती थीं। सुरेंद्र 18 मई से लापता थे। वारदात वाले दिन रूबी ने बड़ी ही सोची-समझी साजिश के तहत दोनों बेटियों को जेठ के घर भेज दिया था। इसके बाद उसने रात के खाने में सुरेंद्र के लिए विशेष रूप से खीर बनाई और उसमें भारी मात्रा में नींद की गोलियां मिला दीं। खीर खाने के बाद जब सुरेंद्र बेहोश हो गया तो रूबी ने उसकी हत्या कर दी। अगली सुबह उसने सबूत छिपाने के उद्देश्य से पति के शव को घर के अंदर बने बाथरूम में गड्ढा खोदकर दफ्ना दिया। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद रूबी सामान्य रूप से रहने लगी। वह घरवालों और आसपास के लोगों से भी लगातार पति के लापता होने की बात कहती रही। इस बारे में 26 मई को रूबी ने ही गुमशुदगी दर्ज कराई थी। शुक्रवार को पुलिस एक पुराने मामले में सत्यापन और पूछताछ के लिए जब घर पहुंची, तो रूबी का व्यवहार संदिग्ध लगा। वहीं, सुरेंद्र के भाई ने भी पुलिस को महत्वपूर्ण सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस ने घर की गहन जांच कराई। इस दौरान पुलिस को बाथरूम की फर्श पर संदेह हुआ। इसके बाद बाथरूम की खुदाई कराई गई, जहां से सुरेंद्र का कंकाल बरामद हुआ। शुरुआती जांच में सामने आया है कि हत्या के बाद शव को बाथरूम में दफ्नाकर ऊपर से प्लास्टर और टाइल्स लगवा दी गई थीं, जिससे किसी को शक न हो। पुलिस का मानना है कि इस वारदात में किसी अन्य व्यक्ति की भी भूमिका हो सकती है। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही रूबी से पूछताछ कर हत्या के कारणों और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अफ्सरों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुजारीटोला बांध से पानी छोड़े जाने की संभावना, नदी किनारे न जाने की अपील..

जगप्रेरणा गोंदिया। लगातार बारिश के कारण पुजारीटोला बांध का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसे देखते हुए एहतियातन सूचना जारी करते हुए प्रशासन ने बताया कि आज (3 जुलाई) रात 9 बजे के बाद जलाशय संचालन योजना अनुसार बांध के दो गेट 0.30 मीटर तक खोले जा सकते हैं। इस दौरान लगभग 43.19 क्यूमेक (1,525 क्यूसेक) पानी अगले 5 से 6 घंटे तक छोड़ा जा सकता है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ऐसे में लोगों से नदी के किनारे या नदी के पात्र में जाने से बचने की अपील की गई है। बांध की वर्तमान स्थिति के अनुसार जलाशय का जलस्तर 318.82 मीटर दर्ज किया गया है। वहीं उपयोगी जल भंडारण 34.251 मिलियन घनमीटर है, जो कुल क्षमता का 78.69 प्रतिशत है। जिला प्रशासन ने सभी विभागों एवं स्थानीय प्रशासन को पूरी सतर्कता बरतने तथा समय रहते सूचना देने के निर्देश दिए हैं। किसी भी आपात स्थिति या सहायता के लिए केंद्र के दूरभाष 07182-230196 एवं मोबाइल 9404991599 पर संपर्क कर सकते हैं।

महाराष्ट्र गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष शेखर मुंदड़ा का आज गोंदिया आगमन..

जगप्रेरणा गोंदिया। महाराष्ट्र राज्य गौसेवा आयोग द्वारा संपूर्ण महाराष्ट्र में 'राज्यमाता गौमाता संवाद यात्रा 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में महाराष्ट्र राज्य गौसेवा आयोग के अध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) श्री शेखर मुंदड़ा का आज 4 जुलाई 2026, शनिवार को प्रातः 10:30 बजे श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा, पांजरापोल, गोंदिया में आगमन हो रहा है। इस अवसर पर गौसंवर्धन, गौसेवा, प्राकृतिक खेती, गौशाला विकास तथा भारतीय संस्कृति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन एवं संवाद होगा। श्रीकृष्ण गौरक्षण सभा द्वारा सभी गौभक्तों एवं गौप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता दर्ज करने की अपील की गई है।

निरंतर 65 वर्षों से विश्वसनीय प्रतिष्ठान
Lucky Apparels
आपके अपने विजय भैय्या का
20% To 50%
SAREES
GHAGRA CHUNNI
LACHA
INDO WESTERNS
MONSOON SALE 20% TO 50% OFF
FOLLOW US ON :
हमारी अन्य कहीं भी कोई शाखा नहीं है..
गोरेलाल चौक, मेन रोड, गोंदिया

SONO VIEW
DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist
DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ
SONOGRAPHY | X-RAY | CT SCAN
FACILITIES AVAILABLE
SONOGRAPHY
Color Doppler, Power Doppler Imaging, B-flow Imaging, Tissue Harmonic Imaging, Transrectric & TV Sonography, Pediatric Sonography, Orbital Sonography, Breast, Thyroid, Scrotal Sonography, Neonatologist Neurosonogram, 2 D Echo Cardiography, Foetal Echo, Whole Body Ct Scan, Digital X-ray Digital Radiography System, M.R.I.
DIGITAL X-RAY
2D, 3D/4D High Resolution Sonography
2D Echo
Colour Doppler
Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan
राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन
तुरकर क्लिनिक SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN
सिव्हिल लाईन, गोंदिया
फोन - 07182- 231149, 234198, 236391
E-mail : sonoview@gmail.com

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...
सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेदा
मुळव्याध (बवासीर), फिशर भगंदर व अन्य गुदारोग चिकित्सा व आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र
कमर का दर्द • घुटनों का दर्द • पित का दर्द • गर्दन व कंधों का दर्द • आमवात, गठीया वात एवं सायटिका
अत्याधुनिक सुविधा युक्त पंचकर्म चिकित्सा कक्ष
शास्त्रशुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त स्वनिर्मित औषधियों का प्रयोग
रोगी एवं व्याधी अनुरूप पंचकर्म सुविधा
डॉ. अर्पणा खोब्रागडे
B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक
7620340356
साकेत पब्लिक स्कुल रोड़, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

SARDAR PATEL UNIVERSITY
BALAGHAT (M.P.)
ADMISSION OPEN 2026-27
ENGINEERING
POLYTECHNIC
B.TECH | M.TECH
Part Time / Full Time | AICTE Approved
Civil Engg. • Mechanical Engg. • Electrical Engg. • Mining Engg. • Computer Sc. & Engg. • Mining & Mine Surveying
छात्रवृत्ति SC/ST/OBC छात्रों को शासन के योजनानुसार
B.Tech. (AI & ML)
100% Job Oriented Program
PHARMACY
PCI Approved
D. PHARMACY • B. PHARMACY • M. PHARMACY
Pharmacology / Pharmaceutics
MBA PHARMACEUTICAL MANAGEMENT
AGRICULTURE
B.Sc. (Hons.) • M.Sc.(Ag.) • B.Tech (Agril) • Diploma
ABM AGRI BUSINESS MANAGEMENT
LAW
B.A. LL.B. • LL.B. • LL.M.
BCI Approved
MANAGEMENT
BBA (Hons.) • MBA • BHM
BAMS SARDAR PATEL AYURVEDIC MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL
BHMS S.M. DEO HOMOEOPATHIC MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL
कैम्पस : वारासिवनी रोड, डोंगरिया, बालाघाट (म.प्र.)
9174192111, 9174202111, 9174212111

आवश्यकता है..

बालाघाट शहर के प्रसिद्ध गपशप रेस्टॉरेंट (केशर प्लाजा कॉम्पलेक्स, हनुमान चौक) में वेटर, हेल्पर की आवश्यकता है।

संपर्क 9301210805, 7000671780

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..

दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं।

कृपया संपर्क करें..
मो. 9329033433

स्वामी विवेकानन्द प्रा. आई.टी.आई.
इलेक्ट्रिशियन | फिटर
न्यूनतम शुल्क सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण
सर्वाधिक रोजगार रोजगार हेतु नियमित कैम्पस
मोती तालाब के पास, सुरभी नगर, बालाघाट
मो. 7000627847, 7000482405, 9826324832
ADMISSION OPEN 2026-27
NCVT एवं DGE&T से मान्यता प्राप्त

ग्रेसियस् कॉलेज
2026-27 ADMISSION OPEN
SC,ST, OBC वर्ग के विद्यार्थियों को म. प्र. शासन के नियमानुसार छात्रवृत्ति
नर्सिंग | फार्मेसी
बी.एस.सी. नर्सिंग 4 वर्षीय डिग्री
मान्यता : आई.एन. सी. नई दिल्ली, म.प्र. नर्सिंग रजि. काउंसिल भोपाल, राजा शंकरशाह वि. वि. छिंदवाड़ा
बी.फार्मा. 4 वर्षीय डिग्री
डी.फार्मा. 2 वर्षीय डिप्लोमा
मान्यता : पी.सी.आई. नई दिल्ली, आर.जी.पी.वी. भोपाल, डी.टी.ई. भोपाल
योग्यता : 12 वी उत्तीर्ण (जीव विज्ञान/गणित संकाय)
73820 53000 / 73820 54000
आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, वारासिवनी रोड, बरबसपुर - कायदी, बालाघाट म.प्र.

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शांति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुबेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविंदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
ज्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा

live शहर बालाघाट

● गर्रा ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

मान्यता ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।

Hero BAJAJ HONDA TVS

मनीष वर्मा
मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

दो दिनों की बारिश में टापू बन गए बालाघाट जिले के अनेक क्षेत्र..

लिंगा लोहारा मार्ग पर डूब गई कंस्ट्रक्शन साईड, अनेक नदी नाले उफान पर..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में पूरा जून का महीना भीषण गर्मी में निकल गया। चारों ओर से इस वर्ष कम वर्षा होने के दावे किये जा रहे थे, तो वहीं ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मानो इस वर्ष अकाल और सूखा दिवालिया निकालकर ही मानेगा, लेकिन अचानक

मौसम ने करवट ली, और बेहाल गर्मी से परेशान बालाघाट को बारिश की ठंडक मिल ही गई। कुछ राहत भी मिली तो वहीं गुरुवार और शुक्रवार को हुई जिले में झमाझम मूसलाधार बारिश ऐसी हुई, जिसके कारण जहां देखो वहां पानी ही पानी नजर आने लगा।

गौरतलब है कि मूसलाधार बारिश के कारण परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के घिसररी नदी में अचानक बाढ़ आ गई, जिसकी वजह से लिंगा लोहारा मार्ग पर 7 करोड़ 32 लाख की लागत से बन रहे हाई लेवल ब्रिज की कंस्ट्रक्शन साइट पूरी तरह से डूब गई। इस साइट के डूबने से कंपनी को भारीभरकम नुकसान होने की बात कही जा रही है, वहीं काम कर रहे मजदूरों का राशन पानी भी बंद हो गया है।

जानकारी के अनुसार इस नदी में काम करते मजदूरों ने बताया कि शाम तक नदी में पानी नहीं था। लेकिन रात में पहाड़ों पर हुई तेज बारिश का पानी सीधे नदी में उतरा और सुबह होते-होते कंस्ट्रक्शन साइट पूरी तरह पानी में डूब गई। बाढ़ इतनी अचानक आई कि मजदूरों और निर्माण कंपनी को संभलने का मौका ही नहीं मिला। जानकारी के अनुसार अफरा तफरी में मजदूर अपना सामान लेकर भागने पर मजबूर हुए, लेकिन सब कुछ समेट नहीं सके, जानकारी के अनुसार भारी नुकसान बताया जा रहा है।

बालाघाट शहर के निचले इलाकों में जलभराव..

गौरतलब है कि बालाघाट शहर से लेकर गांव गांव तक भारी बारिश का असर देखने में आया है। खेत खलिहान पानी से लबालब हो गए, जबकि वहीं बालाघाट शहर मुख्यालय में भी हर बार की तरह नीचले इलाकों में पानी भरने की समस्या का स्थानीय नागरिकों को सामना करना पड़ा। नगर पालिका एवं प्रशासन की ओर से समुचित व्यवस्थाओं का प्रयास भी किया गया।

रंगदारी के लिये करोड़ों के पाईप जलाने वाला भाजपा नेता भुवनेश्वर रजक और सरपंच पुलिस रिमांड पर

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के लामता थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत प्रतापपुर के राघोटोला में संचालित हो रहे सिंचाई विभाग के अंतर्गत पाईप लाईन को किसानों के खेत में पानी पहुंचाने वाली कार्यरत कंपनी के प्लांट में रंगदारी मांगने पर

धनराशि नहीं मिलने पर आगजनी करने के आरोप में गिरफ्तारी के बाद आज माननीय न्यायालय ने पुलिस रिमांड पर वापस पुलिस को सौंप दिया। गौरतलब है कि पुलिस ने भाजपा के जनपद सदस्य भुवनेश्वर रजक, प्रतापपुर सरपंच राजेश सिरसाम और राकेश दमाहे को गिरफ्तार कर किया, और उसके बाद माननीय न्यायालय में पेश किया गया। जहां से पुलिस रिमांड लिये जाने की जानकारी मिली है।

गौरतलब है कि इन आरोपियों पर प्लांट प्रबंधन से 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगने और इनकार करने पर प्लांट में आग लगाने का आरोप है। इस घटना से प्लांट को करीब 4 से 5 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। लामता पुलिस के अनुसार, यह घटना बीते 1 जुलाई को हुई थी। आरोपी जनपद पंचायत सदस्य भुवनेश्वर रजक, सरपंच राजेश सिरसाम और राकेश दमाहे एक कार से प्लांट पहुंचे थे। यहां भुवनेश्वर रजक ने अपने और सरपंच के लिए 5-5 लाख रुपए की मांग की। जब प्लांट प्रबंधन ने यह राशि देने से इनकार कर दिया, तो आरोपियों ने गाली-गलौज की और प्लांट में आग लगा दी।

सत्तापक्ष का दिखा दबाव.. निकाला जाना था जुलुस..

गौरतलब है कि इस तरह से रंगदारी नहीं देने पर आगजनी की घटना को अंजाम देने के बाद इन आरोपियों का जुलुस निकाले जाने की मांग की जा रही थी, तथा छोटे छोटे मामले में भी पुलिस की जिस तरह से सख्ती नजर आती है, उस तरह की सख्ती आरोपियों के साथ नजर नहीं आई। गौरतलब है कि जनपद सदस्य भुवनेश्वर रजक भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे का खास बताया जाता है, जबकि वहीं अन्य आरोपीयों को भी भाजपा नेताओं का संरक्षण बताया जा रहा है। सत्तापक्ष के आरोपित होने के कारण पुलिस का दोहरा रवैया नजर आने के बाद अनेक लोग तरह तरह के सवाल करते नजर आ रहे थे। गौरतलब है कि राघोटोला में संचालित प्लांट में आग लगाये जाने की शिकायत वहां के गार्ड अतुल बघेल के ओर से करायी गई है। शिकायत में कंपनी के मैनेजर अभिषेक बिरतिया सहित सिंचाई विभाग के कार्यपालन यंत्री घनश्याम मड़ावी, एसडीओ शिवराम अहिरवार ने मामले को काफी गंभीर बताते हुये सख्त कार्यवाही की मांग की थी। विधायक मधु भगत ने भी इस प्रकरण को लेकर सख्त कार्यवाही की मांग की व घटनाक्रम की आलोचना की थी। शिकायत में यही बताया गया कि आरोपितों ने दर्जन भर से अधिक की संख्या में पहुंचकर विवाद किया। अवैध तौर पर रूपये की मांग की और विवाद करते हुये गाली गलौच की गई। गार्ड के ऊपर डीजल डाल दिया गया। आरोप है कि आरोपी विवाद के कारण मैनेजर अभिषेक बिरतिया सहित अन्य वहां से चले गये थे। जिसके पश्चात आरोपितों में बीजेपी नेता भुवनेश्वर रजक, सरपंच राजेश सिरसाम और राकेश दमाहे सहित अन्य ने प्लांट में आग लगा दी। जिसके कारण प्लांट में रखे करोड़ो के पाईप, मशनरी सहित कई उपयोगी सामग्री जलकर स्वाह हो गये। शिकायत में संबंधितों ने तीनों को नामजद पहचानते हुये उनके नाम से शिकायत की है और जिनके सहयोगी में अन्य आरोपित बताये गये है। इस शिकायत के पश्चात पुलिस ने बीजेपी नेता भुवनेश्वर रजक जो कि जनपद सदस्य व जनपद पंचायत बालाघाट में लोनिवि समिति के सभापति है, सरपंच राजेश सिरसाम तथा राकेश दमाहे को आरोपित करते हुये अपनी अभिरक्षा में ले लिया था। जानकारी में आया कि आज 3 जुलाई को इन आरोपितों को पुलिस ने माननीय न्यायालय में पेश किया। जहां से उनकी रिमांड लिये जाने की जानकारी मिली है। थाना प्रभारी से इस बाबद चर्चा करने का प्रयास किया गया तो उन्होने व्यस्त होने की बात कहते हुये कोई जानकारी देने से इंकार कर दिया। हालांकि जिस समय आरोपितों को पेश किया गया उस दौरान ऐसा नजारा सामने आया जैसा कि आरोपितों ने आगजनी करने का बहुत अच्छा सराहनीय कार्य किया है।

बारिश के दौरान सभी पुल-पुलियों पर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें: कलेक्टर मृणाल मीना

निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश, गुणवत्ता और समय-सीमा पर विशेष जोर

जगप्रेरणा बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने शुक्रवार को जिले के विभिन्न निर्माण विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ सहित विभिन्न निर्माण विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत में कलेक्टर ने जिले में हुई भारी वर्षा के बाद नदी-नालों के पुल-पुलियों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश सड़क विकास प्राधिकरण (एमपीआरडीसी), प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क इकाई एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन पुल-पुलियों पर बाढ़ का पानी बह रहा हो, वहां पानी उतरने तक पूरी तरह आवागमन प्रतिबंधित रखा जाए। उन्होंने ऐसे सभी स्थानों पर बैरिकेडिंग कराने, विभागीय कर्मचारियों एवं संबंधित ग्राम के कोटवारों की ड्यूटी लगाने तथा किसी भी स्थिति में जलमग्न पुल-पुलियों से वाहनों का आवागमन नहीं होने देने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में लोक निर्माण विभाग, एमपीआरडीसी, सेतु निर्माण संभाग, लोक निर्माण विभाग पीआईयू, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क इकाई, भवन विकास निगम, पुलिस हाउसिंग, जनजातीय कार्य विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग, जल संसाधन विभाग एवं हाउसिंग बोर्ड द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री मीना ने एमपीआरडीसी के अधिकारियों को बैहर-परसवाड़ा-लामता, बालाघाट-बैहर तथा बैहर-सालेटेकरी मार्गों के सुधार एवं मरम्मत कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं स्वास्थ्य विभाग के भवनों एवं शाला भवनों के निर्माण कार्यों का संबंधित विभागों द्वारा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सेतु निर्माण संभाग के अधिकारियों को भटेरा रोड ओवरब्रिज निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा जागपुर घाट पुल निर्माण कार्य में अनावश्यक विलंब करने वाले ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

जल संसाधन विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सातनारी जलाशय परियोजना को शीघ्र पूरा कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना 25 से 30 गांवों के किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराएगी, इसलिए वन विभाग से समन्वय स्थापित कर वन क्षेत्र से जुड़े कार्यों को भी प्राथमिकता के साथ पूरा कराया जाए। जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने सहायक आयुक्त को छात्रावास भवनों के निर्माण में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं के लिए सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण छात्रावास भवन उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैठक के अंत में कलेक्टर श्री मीना ने सभी निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। पूर्ण हो चुके कार्यों के पूर्णता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर संबंधित विभागों को भवन हस्तांतरित किए जाएं तथा कार्यों में अनावश्यक विलंब करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

सनातनी मुसलमान बताने वाली नाजिया इलाही को गिरफ्तार कर रासुका लगायें..

बालाघाट में मुस्लिम समाज ने आंबेडकर चौक में नारेबाजी कर जलाया नाजिया का पुतला..

जगप्रेरणा बालाघाट।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एवं स्वयं को 'सनातनी मुसलमान' बताने वाली नाजिया इलाही खान द्वारा पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद और उम्मुल मोमिनीन हजरत आयशा सिद्दीका के संबंध में पिछले दिनों की गई आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में अब तक नाजिया इलाही पर कोई वैधानिक कार्यवाही कर उसे गिरफ्तार नही किया गया है जिससे मुस्लिम समाज मे आक्रोश बढ़ता जा रहा है, अनेक आवेदन के बाद भी नाजिया पर कोई कार्यवाही ना होने पनर आज शुक्रवार 03 जुलाई को बालाघाट में अंबेडकर चौक में एकत्र होकर मुस्लिम समाज के लोगों ने जमकर नारेबाजी की, तो वही घटना पर अपना आक्रोश जताते हुए एआईएमआईएम (एमआईएम) के बैनर तले नाजिया इलाही का पुतला दहन किया।

इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों के साथ साथ समाजिक बन्धुओ ने भी नाजिया इलाही के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर, मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने और उसे सिर्फ और सिर्फ फाँसी की सजा दिए जाने की मांग की। तो वही सीएसपी को मौके पर सौपे गए ज्ञापन में उन्होंने केंद्र सरकार से संसद में नफरती बयानों के खिलाफ नया कानून बनाए जाने की भी गुहार लगाई है।जिसमे उन्होंने किसी भी धर्म समुदाय जाती की धार्मिक भावना आहत करने वालो को सीधे फांसी की सजा दिए जाने की मांग की है। एमआईएम के बैनर तले बड़ी संख्या में समाजजन एकत्र हुए और आम्बेडकर चौक पर नाजिया इलाही का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया।

इसके बाद सीएसपी को पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपते हुए नाजिया के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि किसी भी धर्म, महापुरुष या धार्मिक आस्था के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी समाज में वैमनस्य और अशांति फैलाने का कार्य करती है। ऐसे मामलों में केवल सामान्य कानूनी कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, उन्होंने सरकार से गुहार लगाते हुए संसद में ऐसे बयानों पर कठोर कानून बनाने की मांग की, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति किसी धर्म के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने का साहस न कर सके।

रासुका लगाकर नाजिया को किया जाए गिरफ्तार, दी जाए फांसी- लियाकत अली

नाजिया खान के बयान को लेकर एमआईएम जिलाध्यक्ष सैयद लियाकत अली ने बताया कि नाजिया ने इस्लाम के पैगंबर मोहम्मद साहब की शान के खिलाफ जो बयानबाजी की है, उससे मुस्लिम समाज, अपनी धार्मिक भावनाओं पर हमला मानते हुए इसके विरोध में खड़ा है। हमारी मांग है कि शासन-प्रशासन, नाजिया रासुका के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार करें। उन्होंने बताया कि नाजिया खान अपने बयानों में हमेशा ही मुसलमान और इस्लाम के प्रति जहर उगलते आ रही है। मगर अब बात इस्लाम के आखिरी पैगंबर मोहम्मद साहब और अम्मा हजरत हजरत आयशा सिद्दीका के बारे में जो अपमानजनक और शर्मनाक बयान दिया है। उसको कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्रीमती धनश्री जैन ने कार्यालय पहुंचकर जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट का कार्यभार संभाला

शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्तापूर्ण एवं परिणाममुखी बनाने पर रहेगा विशेष फोकस..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में शिक्षा विभाग को नया नेतृत्व मिल गया है। श्रीमती धनश्री जैन ने शुक्रवार, 03 जुलाई 2026 को जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), बालाघाट का विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा जिले में संचालित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों की प्रारंभिक जानकारी ली।

कार्यभार संभालने के बाद श्रीमती जैन ने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना, विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार लाना तथा शासन की विभिन्न शिक्षा संबंधी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा विभाग की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाना सभी की साझा जिम्मेदारी है। विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं, समयबद्ध शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

श्रीमती धनश्री जैन के पदभार ग्रहण करने पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत करते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। जिले के शिक्षकों और शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों ने भी विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में बालाघाट जिले में शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा और गति मिलेगी।

नलकूप खनन पर लगा प्रतिबंध समाप्त, कलेक्टर ने जारी किए आदेश..

जगप्रेरणा बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने जिले में नलकूप (बोरवेल) खनन पर लागू प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश 03 जुलाई 2026 से प्रभावशील हो गया है। जारी आदेश के अनुसार ग्रीष्मकाल के दौरान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल स्त्रोतों के जल स्तर को बनाए रखने और पेयजल संकट से बचाव के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम के तहत नलकूप खनन पर 12 मार्च 2026 से 31 जुलाई 2026 तक प्रतिबंध लगाया गया था। वर्तमान में जिले में वर्षा ऋतु प्रारंभ होने और जल स्त्रोतों की स्थिति में सुधार को देखते हुए कलेक्टर द्वारा पूर्व में जारी प्रतिबंधात्मक आदेश को 03 जुलाई 2026 से समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही पेयजल परिरक्षण अधिनियम के तहत नलकूप खनन पर लागू रोक भी समाप्त कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश 03 जुलाई 2026 से प्रभावशील रहेगा तथा संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए इसकी प्रतिलिपि भेज दी गई है।

जाहिर आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि जिला बालाघाट की तहसील लालबर्रा के अंतर्गत मौजा ग्राम गर्रा स्थित वादग्रस्त भूमि खसरा नम्बर 327/2 रकबा 0.494 हे0, खसरा क्रमांक 556/5 रकबा 0.222 हे0 एवं खसरा नम्बर 556/6 रकबा 0.182 हे0 जो कि वर्तमान में राजस्व अभिलेखों में श्री नारायण पिता स्व. रामसिंह बोपचे निवासी वारासिवनी के नाम पर दर्ज है और जिसको क्रय करने हेतु अनुबंध दिनांक 10/03/2025 क्रेता विशाल बिसेन पिता स्व0 रमाशंकर बिसेन निवासी गर्रा जिला बालाघाट के साथ किया गया है किन्तु माननीय व्यवहार न्यायालय वारासिवनी में उक्त वादग्रस्त भूमि के संबंध में व्यवहारवाद क्रमांक आर.सी.एस. ए/83 वर्ष 2026 चल रहा है जिसके कारण अनुबंध की शर्त अनुसार उक्त भूमि का विक्रय अनुबंध पत्र के आधार पर पंजीकृत विक्रय पत्र का निष्पादन होकर क्रेता पक्ष को भूमि का स्वामित्व अंतरण होना शेष है। इस स्थिति का फायदा उठाकर अनुबंध का विक्रेता पक्ष किसी अन्य को वादगस्त भूमि विक्रय करने की फिराक में है, इसीलिए यह जाहिर आम सूचना दी जा रही है कि उक्त वर्णित भूमि को क्रय या विक्रय ना करें अन्यथा आपको कानूनी कार्यवाहियों का सामना करना पड़ेगा। वास्ते जाहिर आम सूचना प्रकाशित।

जाहिर आम सूचनाकर्ता /अनुबंधकर्ता
विशाल बिसेन, पिता स्व0 श्री रमाशंकर बिसेन
निवासी- गर्रा, तहसील- लालबर्रा,
जिला- बालाघाट (म.प्र.) मो.नं. 9407313555

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा live जिला सिवनी
बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

भोमा कटिया के जैविक कृषि प्रक्षेत्र पहुंचीं कलेक्टर नेहा मीना

पौधरोपण कर किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए किया प्रेरित..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले में पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने शुक्रवार को शासकीय

जैविक कृषि प्रक्षेत्र भोमा कटिया का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कर हरित एवं जल-संरक्षित भविष्य का संदेश दिया। साथ ही प्रक्षेत्र में संचालित बीज उत्पादन कार्यक्रम का अवलोकन कर इसकी प्रगति एवं कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। पौधरोपण के अवसर पर कलेक्टर श्रीमती मीना ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल पौधे लगाने का अभियान नहीं, बल्कि जल स्रोतों के संरक्षण, पर्यावरण संतुलन एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध कराने का जनआंदोलन है। उन्होंने अधिकारियों एवं उपस्थित कृषकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनका संरक्षण सुनिश्चित करने का आह्वान किया। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने कृषि विभाग के अधिकारियों से गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन कार्यक्रम, जैविक कृषि गतिविधियों तथा किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे तकनीकी मार्गदर्शन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियां किसानों की आय बढ़ाने के साथ जिले की कृषि को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

कलेक्टर श्रीमती मीना ने उपस्थित कृषकों से संवाद करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित खेती को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। इससे भूमि की उर्वरता संरक्षित रहती है, उत्पादन की गुणवत्ता बेहतर होती है तथा खेती की लागत भी कम होती है। उन्होंने प्रक्षेत्र में संचालित वर्मी कम्पोस्ट इकाई का निरीक्षण कर वर्मी कम्पोस्ट निर्माण की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की तथा किसानों को जैविक खाद के अधिकाधिक उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि वर्मी कम्पोस्ट मृदा स्वास्थ्य सुधारने के साथ टिकाऊ एवं लाभकारी खेती का मजबूत आधार है। भ्रमण के दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों ने प्रक्षेत्र में संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह, कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं क्षेत्र के कृषक उपस्थित रहे।

तालियां बजवाकर चंपत हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव..

दो सांसद, चार विधायक और पूर्व सांसद, विधायक भी नहीं दिला पाए जिले को कोई सौगात..

जगप्रेरणा सिवनी।

लगभग एक दर्जन बार प्रधानमंत्री मोदी के लिए और दो दर्जन बार अपनी योजनाओं के तालियां बजवाकर अभिनंदन

कराया और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण मांगें को अपनी कुटिल मुस्कान से अनदेखी कर चंपत हो गए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव। जिले में प्रदेश स्तरीय धान महोत्सव के नाम पर ग्राम मानेगांव कोहका में परहा लगाने की नौटंकी के अलावा कोई यादगार कार्यक्रम मुख्यमंत्री के जिले के प्रवास का नहीं बताया जा सकता।

पूर्व घोषित कार्यों का परंपरागत लोकार्पण भूमिपूजन को अपने विकास का प्रमाण बताकर जिले की जनता को मामू बना गए मामा के उत्तराधिकारी मोहन यादव। न जिले के जनप्रतिनिधियों की ज़बान पर एम आर वन का नाम आया न नगर निगम और ना ही संभाग। नगर पालिका के नए भवन की घोषणा कर नपा अध्यक्ष को संबोधित करते हुए बधाई अवश्य दिया गया जिसमें यह संदेश छुपा था कि नगर निगम का सपना मत देखो अभी नगर पालिका में ही दिन गुजारो। सी एम की विशेष कृपा से उस कुर्सी पर बैठे बेचारे अध्यक्ष का गला भी उस समय नगर निगम का नाम लेने से पहले ही सुख गया। राजनीति में सी एम से अधिक वरिष्ठ सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते बगल में बैठे हुए भी न तो संभाग मुख्यालय बनवाने को लेकर कुछ बोल पाए न अपनी लोकसभा के ग्राम कन्हीवाड़ा को तहसील मुख्यालय में तब्दील करने की बात कर पाए। केवलारी के विधायक रजनीश सिंह बार बार सी एम के कानों में अपना मुंह लगाकर सी एम से अपनी निकटता की नौटंकी का प्रदर्शन करने में तो सफल हो गए किंतु अपने क्षेत्र के ग्राम कन्हीवाड़ा को तहसील बनाने की घोषणा नहीं कर पाए शायद वह उनके एजेंडे में ही शामिल नहीं है। लंबी चौड़ी प्रशंसा के पुल बांधने के बाद भी सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन सिवनी के लिए कोई सार्थक काम नहीं करा पाए।

भारती पारधी से तो सिवनी के विकास की कोई आशा ही नहीं की जा सकती। कमल मर्सकोले का सिवनी से केवल निवास स्थान का संबंध है उन्हें न तो यहां के विकास की कोई चिंता है और न ही ऐसा करने की उनकी क्षमता। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री का सिवनी प्रवास जिले के विकास की दृश्य से ताली बजाओ इवेंट के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता जिसमें जनता के पसीने के करोड़ों रूपये आयोजन की व्यवस्था में पानी में बहा दिए गए।

धनौरा कॉम्प्लेक्स विवाद: शिकायतों के अंबार के बाद भी मौन हैं सरपंच..

उपसरपंच एक्टिव, तो मुखिया क्यों भाग रहे एक्शन से?

बलजीत सिंह जगप्रेरणा धनौरा।

19 लाख की सरकारी लागत से बने धनौरा मार्केट कॉम्प्लेक्स में ताले तोड़कर हुए अवैध कब्जे का मामला अब ग्राम पंचायत की आंतरिक राजनीति में भूचाल ला चुका है।

मामले में जहाँ ग्राम पंचायत के उपसरपंच अतुल जैन तत्काल एक्टिव हुए और उन्होंने जिला कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, तहसीलदार से लेकर पुलिस थाने तक लिखित शिकायतों का अंबार लगा दिया, वहीं ग्राम पंचायत के मुखिया सरपंच दिनेश कौरेती लगातार एक्शन लेने से भाग रहे हैं।

जनपद सीईओ ओंकार सिंह ठाकुर द्वारा ऑन-कैमरा यह साफ किए जाने के बाद भी कि 'शासकीय संपत्ति की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की है', सरपंच का रहस्यमयी मौन क्षेत्र में भारी चर्चा और संदेह का विषय बना हुआ है।

इस प्रशासनिक ढर्रे और पक्षपातपूर्ण रवैये पर सवाल- जवाबदेही से फरार क्यों?

जब उपसरपंच अतुल जैन ने शासकीय संपत्ति को बचाने के लिए कलेक्टर से लेकर थाने तक शिकायतों का अंबार लगा दिया, तो फिर गाँव के प्रथम नागरिक यानी सरपंच दिनेश कौरेती खुद लिखित शिकायत करने या एफआईआर (FIR) दर्ज कराने से क्यों भाग रहे हैं?

संवैधानिक मर्यादा का हनन..

जिस पंचायती राज व्यवस्था और आरक्षण के नियम से चुनकर सरपंच पद मिला, क्या उसी नियम को ताक पर रखकर मूल निवासी एससी-एसटी (SC/ST वर्ग के बेरोजगार युवाओं के हक पर डाका डालने वाले रसूखदारों को बचाना ही अब पंचायत का मुख्य उद्देश्य रह गया है?

मौन साठगांठ या राजनैतिक दबाव?

जनपद सीईओ ने साफकहा है कि यह कार्य ग्राम पंचायत का है, इसके बावजूद सरपंच द्वारा कोई दंडात्मक कार्रवाई न करना क्या यह साबित नहीं करता कि इसके पीछे कोई बड़ा गुप्त आर्थिक खेल या गहरी साठगांठ काम कर रही है?

अवैध संचालन पर रोक कब?

जब जांच अधिकारी पीसीओ आनंद कुमार उइके के सामने खुद कब्जाधारियों ने 'ताले तोड़ने' का जुर्म कबूल कर लिया है, तो फिर पंचायत प्रशासन इस पूरे परिसर को तत्काल 'लॉक एंड सील' करने का प्रस्ताव जनपद और तहसीलदार को क्यों नहीं भेज रहा?

जनता की अदालत में सवाल..

धनौरा की पीड़ित और बेरोजगार जनता जानना चाहती है कि क्या सरपंच दिनेश कौरेती शीघ्र अति शीघ्र इस कॉम्प्लेक्स को कब्जा मुक्त कराकर नियमों के तहत पारदर्शी टेंडर व आरक्षण प्रक्रिया लागू करेंगे, या रसूखदारों के आगे घुटने टेके रखेंगे?

पीजी कॉलेज सिवनी में तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन..

जगप्रेरणा सिवनी।

मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी में 1 जुलाई से 3 जुलाई 2026 तक तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह प्राचार्य डॉ रवि शंकर नाग की अध्यक्षता मेंआयोजित किया गया।

कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभाविकों ने भी सहभागिता की। प्रथम दिवस नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ मान सिंह बघेल द्वारा विद्यार्थियों को संस्थान की स्थापना, उपलब्धियां, शैक्षणिक गतिविधियों, मूलभूत नियमों एवं महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उनके द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख उद्देश्य एवं संरचना, अकादमी बैंक आफ क्रेडिट (एबीसी) बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास, इंटर्नशिप एवं रोजगारोन्मुखी अवसरों की जानकारी उपलब्ध कराई गई।

द्वितीय दिवस के अवसर पर एनसीसी अधिकारी डॉ. पवन कुमार वासनिक द्वारा देशभक्ति, जन सेवा एवं समर्पण का भाव रखने वाले समस्त नवप्रवेशित विद्यार्थियों को एनसीसी के संबंध में भर्ती प्रक्रिया, वर्ष भर होने वाली परेड एवं विभिन्न प्रकार की सामाजिक कार्यों में यूनिट के योगदान को समझाया, तथा आग्रह किया कि अधिक से अधिक नवप्रवेशित विद्यार्थी आगामी भर्ती प्रक्रिया में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ गणेश मंतारे द्वारा एनएसएस के महत्व को बताते हुए एनएसएस की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गई। कीड़ा अधिकारी डॉ. टेमरे द्वारा खेलकूद गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गई। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ सविता मसीह द्वारा युवा उत्सव, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ अन्य कार्यक्रमों से परिचय कराया गया, साथ ही एंटी रैगिंग संबंधी जानकारी, लैंगिक संवेदनशीलता, महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं छात्र आचरण के संबंध में मूलभूत जानकारी उपलब्ध कराई गई।

तृतीय दिवस समापन अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत डॉ. उमाशंकर वर्मा द्वारा विद्यार्थियों से आग्रह किया गया कि स्वास्थ्य संबंधी योग एवं ध्यान को नियमित रूप से करने से हमारे मानसिक स्थिति निश्चित रूप से मजबूत व प्रबल होती है क्योंकि स्वस्थ शरीर पर ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है, इसलिए हमें अपने शरीर एवं मस्तिष्क को स्वस्थ रखना होगा।

डॉ लिडिया कमरे द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्ति योजनाएं, गांव की बेटी, प्रतिभा किरण, मेधावी छात्रवृत्ति योजनाएं के साथ ही पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेलकूद सुविधा आदि जानकारी उपलब्ध कराई गई। प्रो. सत्येंद्र कुमार शेंडे द्वारा नव प्रवेश विद्यार्थियों को नैतिक रूप से प्रोत्साहित करते हुए कहा गया कि आप सिर्फ महाविद्यालय अध्ययन के लिए नहीं आते बल्कि अपने माता-पिता की अपेक्षा एवं आकांक्षाओं को साथ में लेकर आते हैं, अतः आपका दायित्व है कि आप उनकी अपेक्षा एवं आकांक्षाओं में खरा उतरे। डॉ रचना राय द्वारा विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, नशा मुक्ति से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए सामाजिक उत्तरदायित्व की गतिविधियों में जुड़कर जन जागरूकता लाकर हम सामाजिक बुराइयों से लड़ सकते हैं ।

कार्यक्रम संयोजक डॉ मान सिंह बघेल द्वारा प्रवेश प्रक्रिया, प्रवेश चयन, परीक्षा प्रणाली एवं कैरियर मार्गदर्शन संबंधी जानकारी विस्तृत रूप से प्रदान की गई। प्रवेश उत्सव दीक्षारंभ कार्यक्रम में नव प्रवेशित विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर के भाग लिया एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने उनसे जुड़ी हुई गतिविधियों को विद्यार्थियों की समक्ष रखा। अंत में डॉ रचना राय ने समस्त विद्यार्थियों एवं उपस्थित स्टाफ सदस्यों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उनके परिवार से जुड़े भूमि घोटाले प्रकरण के विरोध में..

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा 3 दिन का मौन सत्याग्रह प्रारंभ..

जगप्रेरणा सिवनी।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उनके परिवार से जुड़े भूमि घोटाले प्रकरण के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा पूरे प्रदेश में 3 दिन का मौन सत्याग्रह रखे जाने का निर्देश दिया गया है उसी तारतम्य में दिनांक 3 जुलाई 2026 को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन के प्रांगढ़ में पूज्य बापू महात्मा गांधी जी की प्रतिमा स्थल के सामने जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा मौन सत्याग्रह आयोजित किया गया। मौन सत्याग्रह में जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना, जिला संगठन महासचिव हनीफ अंसारी, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजा बघेल, एड़ पंकज शर्मा, ठा. जयकेशसिंह पटेल, ब्रजेशसिंह बघेल, जेपीएस तिवारी, मोहनसिंह चंदेल, विष्णु करोसिया, अतुलचंद मालू, आजम दीवान अली, तनवीर अहमद, राजिक अकील, यशपाल भलावी, अशोक नरवेती, दुपेन्द्र अमूले, उदयसिंह बघेल, आदित्य मोन्टू भूरा, विनोद यादव, नितिन डहेरिया, लोकेश ठाकुर, ठा. जयप्रकाशसिंह परिहार, डालचंद पप्पू पुसाम, सतेन्द्र बघेल, नेपालसिंह उइके, अदनान खान सहित बडी संख्या में कांग्रेस जन की उपस्थिति रही।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे मो. 9329033433

एक वृक्ष - एक मित्र अभियान के तहत निःशुल्क पौधों का वितरण जारी

जगप्रेरणा सिवनी।

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ रजवाड़ा परिवार द्वारा संचालित 'एक वृक्ष - एक मित्र' अभियान के अंतर्गत शहरवासियों को निःशुल्क पौधों का वितरण निरंतर किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना तथा प्रत्येक परिवार को प्रकृति से जोड़ना है। अभियान के तहत प्रतिदिन प्रातः 9:00 बजे से होटल द ग्रैंड रजवाड़ा, जबलपुर रोड, सिवनी में निःशुल्क पौधों का वितरण किया जा रहा है। इच्छुक नागरिक अपनी सुविधा अनुसार पौधे प्राप्त कर सकते हैं।

वितरण में पीपल, बरगद, नीम, आंवला, जामुन, अमरूद एवं तुलसी सहित अनेक पूजनीय, औषधीय एवं छायादार पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि लोग अपने घर, खेत, संस्थान एवं सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बन सकें।

रजवाड़ा परिवार के मनीष अग्रवाल, मंटू अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, विवेक अग्रवाल एवं परम अग्रवाल ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि पौधा केवल वही व्यक्ति लें, जो उसकी एक सच्चे मित्र की तरह नियमित देखभाल करने का संकल्प भी ले। वृक्ष केवल लगाने से नहीं, बल्कि उनके संरक्षण और संवर्धन से ही पर्यावरण सुरक्षित रहेगा।

रजवाड़ा परिवार ने सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों एवं युवाओं से इस अभियान में अधिक से अधिक सहभागिता निभाने तथा 'एक वृक्ष - एक मित्र' का संकल्प लेकर आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण बनाने का आह्वान किया है।

ग्राम देवरी कला में बारिश के कारण मोक्षधाम तक पहुंचना ग्रामीणों के लिए चुनौती..

जगप्रेरणा सिवनी।

छपारा विकासखंड के ग्राम देवरी कला में बारिश के कारण मोक्षधाम तक पहुंचना ग्रामीणों के लिए चुनौती बन गया है। गांव से मोक्षधाम को जोड़ने

वाला करीब 1 से 1.5 किलोमीटर लंबा मार्ग कीचड़ में तब्दील हो गया है। यहां से शवयात्रा निकालना मुश्किल हो गया है। इस मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिनमें बारिश का पानी भर जाने से पूरा रास्ता दलदल का रूप ले चुका है। फिसलन भरे इस रास्ते से गुजरना अत्यंत जोखिम भरा हो गया है।

शव वाहन भी अक्सर कीचड़ में फंस जाते..

ग्रामीणों को किसी की मौत होने पर शव को कंधे पर उठाकर इस कीचड़ भरे और फिसलन वाले रास्ते से ले जाना पड़ता है। शव वाहन भी अक्सर फंस जाते हैं या बीच रास्ते से ही वापस लौट जाते हैं, जिससे लोगों को पैदल ही शव मोक्षधाम तक पहुंचाना पड़ता है। दोपहिया वाहनों का संचालन भी जोखिम भरा हो गया है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या हर साल बरसात के मौसम में उत्पन्न होती है, लेकिन अब तक इसका कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को कई बार इस बारे में अवगत कराया गया है, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिले हैं। ग्रामीणों के अनुसार मोक्षधाम मार्ग केवल एक सड़क नहीं, बल्कि अंतिम यात्रा का सम्मानजनक रास्ता है।

मार्ग का निर्माण या मरम्मत कराने की मांग..

ग्राम के हेमंत पंचेश्वर सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल इस मार्ग का निर्माण या मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील कार्य के दौरान ऐसी परेशानी का सामना करना दुर्भाग्यपूर्ण है और यदि समय रहते सड़क नहीं बनी, तो बरसात के मौसम में समस्या बनी रहेगी।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP
डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS
मिलने का समय
सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध
पता- बड़ी ज्यारत डाल्डा फेक्ट्री रोड अकबर वार्ड सिवनी
मो.- 8817448039

सिवनी मे जगप्रेरणा समाचार पत्र के लिये संपर्क करें..
हसीब मोहम्मद 7898530101

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा
वारासिवनी, कटंगी
डोंगरमाली, रामपायली, खैरलांजी, बुदबुदा, कोचेवाही, तिरोड़ी, बोनकट्टा, महकेपार..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

तहसीलदार के आदेश और खसरा नक्शा होने के बाद भी नहीं मिल रहा न्याय, पीड़ित ने प्रशासन पर कार्रवाई में देरी का लगाया आरोप

जगप्रेरणा तिरोड़ी।

ग्राम नांदी निवासी प्रभुकुमार भूरे ने आरोप लगाया है कि आबादी भूमि पर स्थित उनके प्लॉट का राजस्व विभाग द्वारा सीमांकन किए जाने तथा तहसीलदार द्वारा मामले की जांचकर पीड़ित के पक्ष में आदेश पारित किए जाने के बावजूद आज

तक उन्हें अपनी ही भूमि पर मकान निर्माण करने का अधिकार व्यवहारिक रूप से नहीं मिल सका है। प्रभुकुमार भूरे का कहना है कि उनके पास संबंधित भूमि का खसरा,नक्शा, ड्रोन सर्वे रिकॉर्ड तथा तहसीलदार का आदेश उपलब्ध है। इन सभी दस्तावेजों के बावजूद निर्माण कार्य शुरू होते ही विवाद उत्पन्न किया गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाइश दी। इसके बाद भी स्थिति सामान्य नहीं हो सकी।

पीड़ित का आरोप है कि बाद में उनके प्लॉट पर झंडा एवं धार्मिक चित्र स्थापित कर दिए गए, जिसके कारण निर्माण कार्य पूरी तरह रुक गया। उनका कहना है कि कई दिन बीत जाने के बावजूद आज तक उक्त सामग्री नहीं हटाई गई और न ही उन्हें अपने प्लॉट पर शांतिपूर्वक निर्माण कार्य करने दिया जा रहा है।

यह है पूरा मामला

पीड़ित प्रभुकुमार भूरे कटंगी क्षेत्र के ग्राम पंचायत नांदी के निवासी है इनका एक प्लॉट गांव में ही आबादी भूमि पर स्थित है जिन्होंने वर्ष 2017 में गांव के ही बाबूलाल गौतम के पास से खरीदा था तबसे लेकर अब तक पीड़ित का पंचायत के टैक्स रजिस्टर में नाम भी चलते आ रहा है एवं ड्रोन सर्वे के दौरान भी सारी प्रक्रिया प्रभुकुमार भूरे के नाम से ही पूर्ण की गई थी क्योंकि उक्त प्लॉट उन्हीं का था और पीड़ित का उक्त प्लॉट में अभी तक कब्जा भी था जिसके बाद इस वर्ष 2026 में प्रभुकुमार भूरे के द्वारा अपने ही प्लॉट में निर्माण कार्य किया जा रहा था तब पड़ोस की महिला के द्वारा दावा किया गया कि यह प्लॉट उस महिला का है और निर्माण कार्य रुकवा दिया गया जिसके बाद प्रभुकुमार भूरे के द्वारा उक्त मामले की जांच के लिए तहसील न्यायालय में आवेदन पेश किया गया तहसीलदार तिरोड़ी के द्वारा जांच के लिए संबंधित पटवारी को स्थल पर भेजा गया एवं पंचनामा कार्यवाही की गई और तहसीलदार तिरोड़ी ने संपूर्ण जांच में पाया कि यह प्लॉट प्रभुकुमार भूरे के नाम से ही है और उन्हीं का है और तहसील न्यायालय से एक आदेश पारित किया गया आदेश मिलने के बाद पीड़ित के द्वारा पुनः निर्माण कार्य शुरू किया गया तो उक्त महिला विवाद की स्थिति उत्पन्न कर रही थी जिसके बाद पीड़ित ने पुलिस की मदद ली पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाइश दी परंतु विवाद संपन्न नहीं हुआ फिर उस महिला के द्वारा सामाजिक रूप से पीड़ित के प्लॉट में झंडा और धार्मिक फोटो लगा दी गई ओर निर्माण कार्य बंद करा दिया गया.

पीड़ित ने इस पूरे मामले को लेकर राजस्व अधिकारी कटंगी को एक आवेदन दिया जिसके बाद नायब तहसीलदार के द्वारा मौके पर आकर दूसरे पक्ष को समझाइश दी गई परंतु उनकी नहीं समझने पर राजस्व विभाग को वापस लौटना पड़ा.पीड़ित ने प्रशासन से मांग की है कि पारित आदेश का पालन कराया जाए और उन्हें उनके प्लॉट पर शांतिपूर्वक निर्माण कार्य करने हेतु प्रशासनिक सहयोग तथा सुरक्षा प्रदान किया जाए. प्रभुकुमार भूरे ने बताया कि उन्होंने तहसील, एसडीएम, पुलिस तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

उनका कहना है कि जब राजस्व विभाग द्वारा सीमांकन कर भूमि की स्थिति स्पष्ट कर दी गई है और आदेश भी पारित हो चुका है, तब भी आदेश का प्रभावी पालन नहीं होना कई सवाल खड़े करता है।

पीड़ित ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पारित आदेश का तत्काल पालन कराया जाए, उनके प्लॉट से विवाद की स्थिति समाप्त कराई जाए तथा उन्हें अपने परिवार के लिए मकान निर्माण करने का वैधानिक अधिकार दिलाया जाए।

पीड़ित का कहना है कि यदि वैध दस्तावेज एवं सक्षम राजस्व अधिकारी के आदेश के बाद भी नागरिक को अपनी भूमि पर निर्माण का अधिकार प्राप्त नहीं होता है, तो आमजन का प्रशासनिक प्रक्रिया पर विश्वास प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है।

स्कूल बस और बाइक की टक्कर से बोलडोंगरी निवासी मॉयल कर्मचारी हुकुमचंद सहारे की मौत एक अन्य घायल..

जगप्रेरणा तिरोड़ी।

तिरोड़ी थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम बोथवा में दर्दनाक हादसा हो गया जहां स्कूल बस की टक्कर से मॉयल कर्मचारी हुकुमचंद पिता फकीरचंद सहारे उम्र 55 वर्ष जाति पवार की मौत हो गई वही दूसरा सुनील रहांगडाले गंभीर रूप से घायल हो गया

जिसे कटंगी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है मिली जानकारी अनुसार शुक्रवार दिनांक 03 जुलाई सुबह 8.30 बजे कटेघरा से तिरोड़ी मुख्य सड़क मार्ग पर ग्राम बोथवा स्थित विठ्ठल रुक्माई मंदिर के पास गोल्डन ट्यूलिप इंटरनेशनल कटेधरा की स्कूल बस ने बाइक सवार को टक्कर मार दी जिसमें गंभीर रूप से घायल बोल डोंगरी निवासी हुकुमचंद सहारे को सरकारी अस्पताल कटंगी ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हुकुमचंद बाइक से तिरोड़ी मॉयल में ड्यूटी के लिए निकले थे टक्कर इतनी भीषण थी कि हुकुमचंद सड़क पर दूर जा गिरे उन्हें गंभीर चोट आई हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगो ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी पहुंचाया लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी ड्यूटी डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया सूचना मिलते ही तिरोड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा घटना के बाद तिरोड़ी पुलिस ने गोल्डन ट्यूलिप इंटरनेशनल स्कूल की बस को जप्त कर अभिरक्षा में ले लिया पुलिश ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी प्रारंभिक जांच में बस चालक की लापरवाही सामने आई है पोस्ट मार्टम के बाद दोपहर 12.30 बजे शव परिजनों को सौंप दिया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनाः 31 जुलाई तक कराएं फसल बीमा, प्राकृतिक आपदाओं से मिलेगी आर्थिक सुरक्षा

खरीफ2026-27 के लिए किसानों से समय पर बीमा कराने की अपील

जगप्रेरणा बालाघाट।

खरीफवर्ष 2026-27 के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों से 31 जुलाई 2026 तक अपनी धान की फसल का बीमा कराने की अपील की गई है।

योजना के तहत प्राकृतिक आपदाओं, अतिवृष्टि, सूखा, ओलावृष्टि, बाढ़ तथा कीट प्रकोप से फसल को होने वाले नुकसान की स्थिति में किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के जिला प्रबंधक श्री सुधीर तेलकर ने बताया कि योजना के अनुसार सिंचित धान (क्कड्डस्रस्र4-द्ब्रक्र) के लिए प्रति हेक्टेयर बीमित राशि 48 हजार 300 रुपये निर्धारित की गई है, जिस पर किसान को मात्र 2 प्रतिशत अर्थात 966 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रीमियम देना होगा। वहीं वर्षा आधारित धान (क्कड्डस्रस्र4-ऋस्न) के लिए प्रति हेक्टेयर 38 हजार रुपये की बीमित राशि पर किसान का प्रीमियम केवल 760 रुपये प्रति हेक्टेयर होगा। ऋणी किसान अपने संबंधित बैंक अथवा पैक्स (क्कष्टस्) के माध्यम से फसल बीमा करा सकते हैं। वहीं गैर-ऋणी किसानों को बीमा कराने के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि संबंधी दस्तावेज (खसरा/बी-1/पटवारी प्रतिवेदन) तथा आवश्यक होने पर स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत करना होगा।

कृषि विभाग एवं कृषि बीमा कंपनी ने किसानों से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते अपनी फसल का बीमा कराएं। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए किसान अपने निकटतम कृषि विभाग, कृषि विस्तार अधिकारी, बैंक, पैक्स अथवा कॉमन सर्विस सेंटर (ष्टस्ष्ट) से संपर्क कर सकते हैं। योजना का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं से किसानों को होने वाले आर्थिक नुकसान की भरपाई कर उनकी आय को सुरक्षित करना है। ÷छोटा सा प्रीमियम, बड़ी सुरक्षा÷ के संदेश के साथ किसानों से अधिक से अधिक संख्या में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

42 वर्षों की तपस्या को मिला भावपूर्ण सम्मान

जिस विद्यालय से शिक्षक जीवन का शुभारंभ किया, उसी विद्यालय से सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुए शिक्षाविद् एवं समाजसेवी आयुष्मान राजेंद्र कुमार नामदेव कठाने..

शिक्षक सम्मान समिति एवं शासकीय हाई स्कूल बकोड़ी शाला परिवार ने भव्य समारोह में किया अभिनंदन, सम्मान पत्र में दर्ज हुई शिक्षा, सेवा और समाज समर्पण की गौरवगाथा

जगप्रेरणा बकोड़ी (रामपायली)।

किसी शिक्षक के जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल वर्षों की सेवा नहीं होती, बल्कि उन असंख्य विद्यार्थियों के जीवन में किए गए संस्कारों का अमिट प्रभाव होता है, जिन्हें वह अपने ज्ञान, अनुशासन और स्नेह से दिशा देता है।

ऐसे ही प्रेरणास्रोत शिक्षक श्री राजेंद्र नामदेव कठाने की 42 वर्षों की गौरवशाली, निष्कलंक एवं समर्पित शिक्षकीय सेवा पूर्ण होने पर शिक्षक सम्मान समिति एवं शासकीय हाई स्कूल बकोड़ी शाला परिवार के संयुक्त तत्वावधान में एक अत्यंत गरिमामय एवं भावनात्मक सेवानिवृत्ति एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जारी विशेष सम्मान पत्र पूरे समारोह का आकर्षण रहा। सम्मान पत्र में श्री कठाने के जन्म से लेकर शिक्षकीय जीवन, सामाजिक योगदान, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों तथा समाज सेवा के उल्लेखनीय कार्यों का विस्तृत वर्णन किया गया। सम्मान पत्र में उन्हें ÷शिक्षा, सेवा और संस्कार के पावन पथ के समर्पित साधक÷ के रूप में सम्मानित करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को भावपूर्ण शब्दों में अभिव्यक्त किया गया।

42 वर्षों तक एक ही विद्यालय में सेवा देना बना प्रेरणा का विषय

श्री राजेंद्र नामदेव कठाने का जन्म 1 जुलाई 1964 को बालाघाट जिले के ग्राम मोहगांव खुर्द में हुआ। प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा के पश्चात उन्होंने शिक्षक बनने का संकल्प लिया और 20 नवंबर 1984 को सहायक शिक्षक के रूप में शासकीय विद्यालय बकोड़ी में अपनी सेवाएँ प्रारंभ कीं।

विशेष बात यह रही कि उन्होंने अपने पूरे 42 वर्षों के शिक्षकीय जीवन में ग्राम बकोड़ी में ही निरंतर सेवा दी। शिक्षा के प्रति समर्पण, अनुशासन, समयपालन, सादगी और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें क्षेत्र के सबसे सम्मानित शिक्षकों में स्थापित किया। 30 जून 2026 को वे उसी विद्यालय से सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुए, जहाँ से उनका शिक्षक जीवन प्रारंभ हुआ। यह दुर्लभ उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का विषय बनी।

शिक्षा के साथ समाज सेवा को भी बनाया जीवन का उद्देश्य

जानकारी के अनुसार श्री कठाने ने केवल शिक्षण कार्य तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों के प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बुद्ध धम्म के करुणा, मैत्री, समता और अहिंसा के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाकर समाजोत्थान के अनेक कार्य किए।

उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्व निभाए..

दि बुद्धिस्ट सोसायटी, शाखा रामपायली के अध्यक्ष। दि बुद्धिस्ट सोसायटी, तहसील वारासिवनी के अध्यक्ष (2008-2012)। दि बुद्धिस्ट सोसायटी, जिला बालाघाट के अध्यक्ष (2012-2020)। वर्ष 2020 से वर्तमान तक दि बुद्धिस्ट सोसायटी, मध्यप्रदेश के प्रदेश सचिव। जन शिक्षा केंद्र में मास्टर ट्रेनर के रूप में उत्कृष्ट योगदान।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान,

उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और सामाजिक योगदान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया। सम्मान पत्र के अनुसार उन्हें– 27 अप्रैल 2025 को यूनिवर्सिटी ऑफटोलेसा, मेक्सिको द्वारा डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 20 अक्टूबर 2025 को दि बुद्धिस्ट सोसायटी द्वारा उनके संगठनात्मक नेतृत्व, सामाजिक सेवा एवं शैक्षणिक योगदान के लिए केंद्रीय शिक्षक के रूप में चयनित कर सम्मानित किया गया। इन उपलब्धियों ने न केवल श्री कठाने बल्कि पूरे बालाघाट जिले का गौरव बढ़ाया।

गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ सम्मान समारोह..

समारोह की अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य श्री एस. आर. पटले ने की। मुख्य अतिथि के रूप में श्री दिनेश डोहरे ग्राम पंचायत बकोडी सरपंच एवं ग्राम पिपरिया के सरपंच श्री छबिलाल जी माहुले, शासकीय हाई स्कूल बकोड़ी के प्राचार्य श्रीअरविंद यादव, विशेष अतिथि ललिंद्र बंसोड श्री देवीलाल बिसेन तथा विशिष्ट अतिथि जन शिक्षक श्री लोकराम जैतवार की गरिमामई उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संकुल भेंडारा के शिक्षक श्री प्रफुल्ल बंसोड, श्री सुखचंद गौतम, श्री राजेंद्र सैयाम, श्री भेजनलाल परते, श्री प्रमेश मार्शकोले, श्री मुकेश बाघमारे एवं श्री हेमंत अटराहे ने समारोह की गरिमा बढ़ाई।

परिवार की उपस्थिति ने बनाया समारोह को भावनात्मक

इस अविस्मरणीय अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती इंद्रकला कठाने, पुत्री श्रीमती चेतना गोंडाने एवं दामाद डॉ. अरुण कुमार गोंडाने उपस्थित रहे। परिवार के सदस्यों ने उनके संघर्ष, त्याग और सेवा यात्रा के संस्मरण साझा किए, जिससे पूरा वातावरण भावुक हो उठा।

शिक्षक साथियों ने दी भावभीनी विदाई..

समारोह में शिक्षकगणों में श्री पुष्पराज लिल्हारे, श्री भोलाराम मशखरे, श्री के. के. अग्ने, डॉ. नियति संभलकर, श्रीमती विभूति सहारे, श्रीमती अनीता कुर्वे, श्री श्याम सुलकिया, श्रीमती करुणा गजभिए, श्रीमती हमेश्वरी बिसेन सहित शाला परिवार के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ, कर्मचारी, ग्रामीणजन एवं बड़ी संख्या में पूर्व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सम्मान पत्र बना समारोह का मुख्य आकर्षण..

समारोह के दौरान श्री कठाने को शाल, श्रीफल, स्मृति-चिन्ह, पुष्पहार एवं विशेष सम्मान पत्र भेंट किया गया। इस सम्मान पत्र में उनके जीवन के प्रत्येक महत्वपूर्ण पड़ाव–जन्म, शिक्षा, 42 वर्षों की सेवायात्रा, सामाजिक योगदान, संगठनात्मक नेतृत्व और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मान–का सुव्यवस्थित एवं प्रेरणादायी उल्लेख किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने इसे एक शिक्षक के जीवन का जीवंत दस्तावेज बताते हुए सराहा।

प्रभावशाली रहा मंच संचालन..

पूरे कार्यक्रम का ओजपूर्ण, सुसंस्कृत एवं प्रभावशाली मंच संचालन शासकीय हाई स्कूल बकोड़ी के शिक्षक श्री आशीष शेंडे ने किया। उन्होंने श्री कठाने के व्यक्तित्व, सेवायात्रा एवं उपलब्धियों का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन कर पूरे समारोह को आत्मीयता और गरिमा प्रदान की। अंत में शाला परिवार द्वारा तथा प्राचार्य अरविंद यादव द्वाराअतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

प्रेरणा बन गई 42 वर्षों की सेवायात्रा

समारोह के अंत में वक्ताओं ने कहा कि ÷सेवानिवृत्ति केवल शासकीय सेवा से होती है, लेकिन एक सच्चा शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता। वह अपने विद्यार्थियों के संस्कारों, अपने आदर्शों और समाज के हृदय में सदैव जीवित रहता है।÷ श्री राजेंद्र नामदेव कठाने का जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि समर्पण, ईमानदारी, अनुशासन और सेवा का मार्ग अपनाने वाला शिक्षक केवल एक कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज का निर्माता, संस्कृति का संवाहक और आने वाली पीढ़ियों का पथप्रदर्शक होता है। उनकी 42 वर्षों की सेवायात्रा शिक्षा जगत के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

सांप के काटने पर झाड़-फूंक नहीं, तत्काल अस्पताल पहुंचाएं मरीज..

एंटी स्नेक वेनम ही बचा सकता है मरीज की जान

जगप्रेरणा बालाघाट।

वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही जिले में सांप निकलने और सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि होने लगती है। खेतों, घरों के आसपास, लकड़ी एवं घास-फूस के ढेरों तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में सांपों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं। ऐसे समय में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि सांप के काटने की स्थिति में किसी भी प्रकार के तंत्र-मंत्र, झाड़-फूंक या अंधविश्वास के चक्कर में न पड़ें, बल्कि मरीज को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप ने बताया कि सर्पदंश के बाद समय पर उचित चिकित्सा उपचार मिलने से अधिकांश मरीजों की जान बचाई जा सकती है। सांप के काटने के बाद कई लोग पंडा-पुजारी, ओझा-गुनिया अथवा झाड़-फूंक कराने में कीमती समय गंवा देते हैं, जिसके कारण मरीज की स्थिति गंभीर हो सकती है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) ही सर्पदंश का प्रभावी और प्रमाणित उपचार है। डॉ उपलप ने बताया कि बालाघाट जिले के जिला अस्पताल सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं दूरस्थ क्षेत्रों के कई अस्पतालों में भी एंटी स्नेक वेनम का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया गया है, ताकि जरूरत पडने पर मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके। इसलिए सर्पदंश की घटना होने पर मरीज को बिना देर किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचाना चाहिए।

सर्पदंश होने पर क्या करें

सर्पदंश होने पर मरीज को शांत रखें और घबराने न दें। प्रभावित अंग को अधिक हिलाने-डुलाने से बचाएं। मरीज को जल्द से जल्द नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। यदि संभव हो तो सांप का रंग या पहचान संबंधी जानकारी सुरक्षित रखें, लेकिन सांप को पकडने या मारने का प्रयास न करें। एम्बुलेंस सेवा या चिकित्सा सहायता के लिए तुरंत संपर्क करें।

सांप के काटने पर क्या न करें

सांप के काटने पर झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र या अंधविश्वास का सहारा न लें। काटे गए स्थान पर चीरा न लगाएं। जहर चूसने का प्रयास न करें। प्रभावित अंग पर अत्यधिक कसकर रस्सी या कपड़ा न बांधें। घरेलू नुस्खों के भरोसे समय बर्बाद न करें। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वर्षा ऋतु में खेतों और घरों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, रात में टॉर्च का उपयोग करें तथा बच्चों को भी सर्पदंश से बचाव के प्रति जागरूक करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सांप के काटने पर त्वरित चिकित्सा उपचार और एंटी स्नेक वेनम ही मरीज की जान बचा सकता है, इसलिए किसी भी प्रकार के अंधविश्वास के बजाय वैज्ञानिक उपचार को प्राथमिकता दें। इससे सर्पदंश से होने वाली मृत्यु की घटनाओं को प्रभावी रूप से रोका जा सकता है।

कान्हा टाइगर रिजर्व के कोर जोन में गढ़ी-चिल्पी् मार्ग पर क्षतिग्रस्त पुलिया के कारण चार पहिया वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में 02 एवं 03 जुलाई को हुई लगातार बारिश के कारण कान्हा टाइगर रिजर्व के कोर जोन अंतर्गत गढ़ी-चिल्पी राज्य राजमार्ग पर स्थित एक पुरानी पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने इस मार्ग पर चार पहिया वाहनों के आवागमन पर आगामी आदेश तक प्रतिबंध लगा दिया है। बैहर के एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता ने बताया कि गढ़ी-चिल्पी राज्य राजमार्ग के किलोमीटर 14 पर, टोपला के आगे एवं कुरकुटी बैरियर के पहले स्थित पुरानी पुलिया वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है। संभावित दुर्घटनाओं से बचाव के लिए तत्काल प्रभाव से इस मार्ग से सभी चार पहिया वाहनों का आवागमन रोक दिया गया हैं। नागरिकों एवं वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे सुरक्षा की दृष्टि से इस मार्ग का उपयोग न करें तथा वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। संबंधित एजेंसी एमपीआरडीसी द्वारा क्षतिग्रस्त पुलिया की मरम्मत का कार्य शीघ्र कराया जाएगा। पुलिया की मरम्मत पूर्ण होने के बाद मार्ग पर यातायात पुनः प्रारंभ किए जाने की सूचना अलग से जारी की जाएगी।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

प्रतिभाओं का गौरव उत्सवः एकलव्य स्पोर्ट्स एकेडमी ने किया मेधावियों का सम्मान..

10वीं–12वीं के प्रतिभावान एवं पीएससी से चयनित प्रतिभाओं का भव्य सम्मान समारोह संपन्न..

जगप्रेरणा केवलारी (सिवनी)।

जिले की विकासखण्ड केवलारी के स्थानीय एकलव्य स्पोर्ट्स एकेडमी द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं एवं मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग परीक्षा से चयनित क्षेत्र की प्रतिभाओं के सम्मान में एक भव्य मेधावी छात्र सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात सरस्वती वंदना ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं प्रेरणादायी बना दिया। समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की विकासखण्ड स्तरीय प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों सहित मंच पर आमंत्रित कर मेडल, प्रशस्ति-पत्र, शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना तथा क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा, खेल एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति प्रेरित करना रहा।

10वीं में खुशी राजपूत ने किया क्षेत्र का नाम रोशन..

कक्षा 10वीं में खुशी राजपूत सरस्वती शिशु मंदिर केवलारी ने 99.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं देवेन्द्र दास बैरागी शा. उ.मा.वि. छींदा ने 99.00 प्रतिशत, मोहित ठाकुर (शा. उ.मा.वि. दुटेरा) ने 98.40 प्रतिशत, शुभी राय (संस्कार वैली स्कूल, खैरापलारी) ने 98.20 प्रतिशत, राही पटले (शा. हाई स्कूल, उगली) एवं यश ठाकुर

(शा. उ.मा.वि. खैरापलारी) ने 97.80 प्रतिशत, रितिका ठाकुर (सांदीपनि विद्यालय, केवलारी) ने 97.80 प्रतिशत, नारायणी बघेल (संस्कार वैली स्कूल, खैरापलारी) ने 97.60 प्रतिशत, माधवी पंचेश्वर ने 97.40 प्रतिशत तथा नवीन पंचेश्वर (शा. उ.मा.वि. पांडिया छपारा) ने 97.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया।

12वीं में प्रतिष्ठा राय और भारती ठाकरे संयुक्त रूप से रहीं अव्वल..

कक्षा 12वीं में प्रतिष्ठा राय (संस्कार वैली स्कूल, खैरापलारी) एवं भारती ठाकरे (शा. उ.मा.वि. मोहबर्रा) ने 95.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। इनके अलावा नमामि बोपचे सांदीपनि विद्यालय केवलारी (94.80%), पुष्पेन्द्र कुमार, शास. उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहबर्रा (94.00%), उमंग नाग सांदीपनि विद्यालय केवलारी (93.80%), सिमरन सोनी सांदीपनि विद्यालय केवलारी (93.60%), प्रियांशी पटले सांदीपनि विद्यालय केवलारी (92.80%), सचिन राजपूत सांदीपनि विद्यालय केवलारी (92.80%), खुशी राहंगडाले शास उच्च माध्य विद्यालय पांडिया छपारा (92.80%) एवं तिशा चौहान शास. उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहबर्रा (92.40%) ने भी शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया।

पीएससी से चयनित अधिकारियों का हुआ नागरिक अभिनंदन..

समारोह का विशेष आकर्षण लोक सेवा आयोग **(PSC)** से चयनित क्षेत्र की प्रतिभाओं का सम्मान रहा। श्रीमती बबली गयाप्रसाद चंदेल (मरकावाड़ा) एवं श्रीमती सुरभि मुकेश ठाकुर (संठाई पिपरिया) का सहायक प्राध्यापक पद पर चयन होने पर तथा जय तिलक राजपूत का खाद्य सुरक्षा अधिकारी पद पर चयन होने पर उन्हें स्मृति चिन्ह एवं सम्मान-पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित अधिकारियों ने अपने प्रेरक उद्बोधन में विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश देते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरित किया।

'प्रतिभा संसाधनों की नहीं, मेहनत और संकल्प की मोहताज होती है'

एकलव्य स्पोर्ट्स एकेडमी के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षा और खेल दोनों ही जीवन के मजबूत आधार हैं। ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परिणाम देकर यह सिद्ध कर दिया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर मेहनत से बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

समारोह के अंत में सभी सम्मानित विद्यार्थियों को मेडल, प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

इनकी रही गरिमामई उपस्थिति..

इस अवसर पर विकासखण्ड केवलारी के प्रभारी बीईओ डी एल तिवारी, सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य एल आर बछलिया, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक सुभाष बघेल, अनुप बघेल, सचिन अवधिया, संजीत बघेल, कुबेर (मोंटू) साहू, शिक्षक अशोक अवस्थी, एकलव्य स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष अमित तिवारी, उपाध्यक्ष बाबा करीम खान, सचिव नितिन बघेल, सह सचिव अभय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष निर्मल सिंह बघेल, दीपक गोस्वामी, चन्द्रभान चंदेल, रमाकांत यादव, सदाराम मरकाम, हेमन्त शेंडे, पन्द्रे जी, राजा श्रीवास्तव, राजा सूर्यवंशी, रघुनाथ पंचेश्वर, सूरज जंघेला, अंश गोस्वामी, सुमित जंघेला, श्रीमती ज्योति गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में पालकगण, छात्र-छात्राएँ एवं नागरिक उपस्थित रहे।

समारोह का सफल संचालन एवं आयोजन एकलव्य स्पोर्ट्स एकेडमी की टीम द्वारा किया गया। कार्यक्रम ने क्षेत्र के विद्यार्थियों में शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

नक्सल प्रभावित देवरबेली में बैगा-गोंड जनजाति के किसानों को मिला उड़द मिनीकिट बीज..

कृषि विकास को बढ़ावा देने आदिवासी किसानों तक पहुंची कृषि विभाग की योजना..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के लांजी विकासखंड की आदिवासी बाहुल्य ग्राम पंचायत देवरबेली में कृषि विभाग द्वारा बैगा एवं गोंड जनजाति के किसानों को उड़द मिनीकिट बीज का वितरण किया गया। क्षेत्र के किसानों को उन्नत खेती से जोड़ने और दलहन उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से यह वितरण अभियान चलाया गया।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि 2 जुलाई 2027 को कृषि विभाग की कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा बैगा एवं गोंड जनजाति के कृषकों को उड़द मिनीकिट बीज वितरित किए गए। इस दौरान किसानों को उन्नत किस्म के बीजों के उपयोग, वैज्ञानिक खेती और दलहन उत्पादन बढ़ाने के संबंध में भी जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि देवरबेली ग्राम पूर्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहा है। अब नक्सल गतिविधियों के खात्मे के बाद शासन द्वारा इस क्षेत्र के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, तकनीकी मार्गदर्शन और विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि आदिवासी किसान आत्मनिर्भर बन सकें और उनकी आय में वृद्धि हो।

कृषि विभाग का मानना है कि उड़द मिनीकिट वितरण जैसे कार्यक्रम न केवल दलहन उत्पादन बढ़ाने में सहायक होंगे, बल्कि आदिवासी किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़कर उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। शासन की यह पहल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास और विश्वास दोनों को मजबूत करने का माध्यम बन रही है।

जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण पर आयोजित हुआ विशेषज्ञ व्याख्यान...

जगप्रेरणा बालाघाट।

नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 में महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रवेश उत्सव के रूप में दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन 03 जुलाई 2026 को जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में विद्यार्थियों को महाविद्यालय में नवीन शिक्षा नीति अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों,

विद्यार्थियों के हितार्थ शासन की ओर से चलाई जा रही छात्रवृत्ति योजनाओं, सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों के साथ साथ सबसे महत्वपूर्ण एवं केंद्रीय विषय विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के बारे में जानकारी प्रदान की गई।। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ अशोक कुमार मराठे ने विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाओं के साथ लक्ष्य केंद्रित प्रयास करने की सीख दी। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं विशेषज्ञ डॉ रोशनी टेंभरे ने मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के बारे में छात्र छात्राओं को अवगत करवाते हुए मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण हेतु भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न आपातकालीन सहायत सेवाओं हेतु हेल्पलाइन नंबर्स जैसे टेली मानस, उमंग, चाइल्ड केयर, 112 एम 181 इत्यादि की भी जानकारी विद्यार्थियों के साथ साझा की। एवं जिला स्तर पर मानसिक समस्याओं के निराकरण के लिए संचालित मनकक्ष की जानकारी देते हुए बताया कि कोई भी विद्यार्थी अपनी मन:स्थिति से से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या यहां जाकर मनोचिकित्सक से साझा कर निदान पा सकते हैं। साथ है विद्यार्थियों की मन:स्थिति की अद्यतन जानकारी के लिए मनहित एप की जानकारी भी दी गई। विद्यार्थियों के भी प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम में उमंग नोडल अधिकारी अनिल कुमार झरबडे ने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेलों की भूमिका एवं संतुलित आहार शैली की महत्ता पर प्रकाश डाला।

डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स नोडल अधिकारी प्रो विजय यादव ने मानसिक स्वास्थ्य गाइडलाइंस का विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि अब प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण हेतु काउंसलर्स की नियुक्ति अनिवार्य है, ये व्यवस्था समस्त शासकीय/अशासकीय शिक्षण संस्थानों तथा निजी कोचिंग संस्थानों के लिए भी बाध्यकारी है। उक्त दिशानिर्देशों के जिले में विधिवत पालन की समीक्षा जिला कलेक्टर बालाघाट के अध्यक्षता में गठित डिस्ट्रीक लेवल मॉनिटरिंग कमेटी द्वारा समय समय पर की जानी प्रावधानित है। कार्यक्रम में डॉ शाजिया तबस्सुम एवं डॉ पुष्पलता कमलेशिया ने जेंडर संवेदीकरण पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस दीक्षारंभ समारोह के समापन दिवस पर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ पी एस कातुलकर, आई क्यू ए सी प्रभारी डॉ सीमा श्रीवास्तव, डॉ आर एन झरिया, डॉ भूपेंद्र ब्रह्मे, डॉ गजानंद कटरे मंचासीन रहे एवं अन्य समस्त शैक्षणिक अशैक्षणिक स्टाफएवं मीडिया प्रभारी डॉ ताराचंद बढ़गैया ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफ्ल बनाया। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन डॉ प्रतिमा बिसेन ने किया।

जानवा में खुलेगा केंद्रीय विद्यालय

सांसद भारती पारधी के प्रयासों को मिली बड़ी सफलता..

सांसद श्रीमती पारधी के कार्यकाल में तीसरे केंद्रीय विद्यालय की मिली सौगात..

जगप्रेरणा किरनापुर।

बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र के लिए एक बड़ी सौगात के रूप में किरनापुर तहसील के ग्राम जानवा में नया केंद्रीय विद्यालय प्रारंभ करने को केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा जारी आदेश के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 से 208 कोबरा बटालियन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, जानवा परिसर में केंद्रीय विद्यालय का संचालन शुरू किया जाएगा।

यह केंद्रीय विद्यालय अक्टूबर 2025 में स्वीकृत देश के 57 नए केंद्रीय विद्यालयों में शामिल है। भूमि हस्तांतरण एवं अस्थायी भवन उपलब्ध होने के बाद अब विद्यालय प्रारंभ करने की औपचारिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। प्रारंभिक चरण में विद्यालय में बालवाटिका-1 से बालवाटिका-3 तथा कक्षा 1 से 5 तक प्रत्येक कक्षा में एक-एक सेक्शन संचालित किया जाएगा। आवश्यकता एवं स्वीकृति के अनुसार आगामी वर्षों में कक्षाओं का विस्तार किया जाएगा। इस उपलब्धि का श्रेय बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद भारती पारधी के सतत प्रयासों को दिया जा रहा है। सांसद श्रीमती पारधी ने 27 मार्च 2026 को लोकसभा के शून्यकाल में जानवा में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग प्रमुखता से उठाई थी और केंद्र सरकार से इसे शीघ्र स्वीकृत करने का आग्रह किया था। उनके निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप अब यह मांग पूरी हो गई है। विशेष बात यह है कि सांसद श्रीमती भारती पारधी के दो वर्ष के कार्यकाल में यह उनके संसदीय क्षेत्र का तीसरा केंद्रीय विद्यालय होगा। इससे पहले तिरोड़ी और बरघाट में केंद्रीय विद्यालय प्रारंभ हो चुके हैं, जबकि अब किरनापुर तहसील के ग्राम जानवा को भी यह महत्वपूर्ण शैक्षणिक सौगात मिल रही है। लगातार तीन केंद्रीय विद्यालयों की स्वीकृति सांसद के शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रभावी प्रयासों और विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जानवा में केंद्रीय विद्यालय खुलने से किरनापुर, बैहर, लांजी सहित आसपास के ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और केंद्रीय स्तर की शिक्षा अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो सकेगी। इससे अभिभावकों को भी बच्चों की पढ़ाई के लिए दूर-दराज़ के शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने निर्देश दिए हैं कि विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया तथा भूमि एवं अस्थायी भवन से संबंधित शेष औपचारिकताएं, यदि लंबित हों, तो 30 दिनों के भीतर पूरी कर ली जाएं। विद्यालय का संचालन केन्द्रीय विद्यालय, 208 कोबरा बटालियन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, जानवा, पोस्ट-बड़गांव, तहसील किरनापुर, जिला बालाघाट में किया जाएगा। इस स्वीकृति को बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने सांसद भारती पारधी के प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर मिलेंगे और क्षेत्र का समग्र विकास भी गति पकड़ेगा।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
Under Ministry of Education, Govt. of India
मुख्यालय,नई दिल्ली/ Head Quarters, New Delhi
website:www.kvsangathan.nic.in
Email: addl.com.admn@kvs.gov.in
दूरभाष /Tel : 011-26855532

18 संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीत सिंह मार्ग नई दिल्ली/ 18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi 110 016

11-Adm1072(MPPR)/1/2025-Admn-I 1860-879
Comp. No.27421
Date: 02.07.2026

कार्यालय आदेश

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के दिनांक 03.10.2025 के कार्यालय आदेश के द्वारा नागरिक/रक्षा क्षेत्र के अंतर्गत 57 नए केन्द्रीय विद्यालय स्थापित करने के लिए भारत सरकार का अनुमोदन इस शर्त पर संप्रेषित किया गया था कि संबन्धित प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा नए केन्द्रीय विद्यालय खोलने से पहले उस विद्यालय हेतु चिह्नित भूमि का हस्तांतरण एवं उपयुक्त अस्थायी भवन को केन्द्रीय विद्यालय संगठन के अधिपत्य में कर दिया जाएगा। **केन्द्रीय विद्यालय जान्हवा, 208, कोबरा बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, जान्हवा, जिला बालाघाट, मध्य प्रदेश अक्टूबर** 2025 में स्वीकृत 57 नए केन्द्रीय विद्यालयों में से एक है।

चूंकि प्रायोजक प्राधिकरण ने भूमि का हस्तांतरण केन्द्रीय विद्यालय के पक्ष में कर दिया है एवं विद्यालय संचालन हेतु उपयुक्त अस्थाई भवन उपलब्ध होने के उपरांत निम्नलिखित स्थान पर नागरिक क्षेत्र के अंतर्गत नया केन्द्रीय विद्यालय शैक्षिक सत्र 2026-27 से प्रारंभ करने के लिए संस्वीकृति प्रदान की जाती है :-

क्र. सं.	केन्द्रीय विद्यालय का नाम	निम्न स्थान पर केन्द्रीय विद्यालय सत्र 2026-27 से संचालित किया जाएगा
1	केन्द्रीय विद्यालय जान्हवा, 208, कोबरा बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, जान्हवा, जिला बालाघाट, मध्य प्रदेश	केन्द्रीय विद्यालय 208, कोबरा बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, जान्हवा, पोस्ट –बड़गांव, तहसील-किरनापुर, जिला -बालाघाट, मध्य प्रदेश-481115

उपर्युक्त केंद्रीय विद्यालय प्रारम्भ में बालवाटिका I से III, कक्षा I से V तक (प्रत्येक कक्षा में एक सेक्शन) संचालित होगा और इसके पश्चात मान्यता एवं अनुमोदन उपरांत कक्षाओं में वृद्धि होगी।

इस विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया, भूमि एवं अस्थाई भवन के अधिग्रहण से संबन्धित सभी औपचारिकताएं (यदि लंबित हो तो) पूर्ण होने के बाद 30 दिवस के भीतर सम्पन्न कर ली जाए।

(दीपेश गहलोत)
अपर आयुक्त (प्रशा.)

वितरण:
1. निजी सचिव, माननीय शिक्षा मंत्री एवं अध्यक्ष, के.वि.स.।
2. निजी सचिव, माननीय शिक्षा राज्य मंत्री एवं संयुक्त अध्यक्ष, के.वि.स.।
3. वरिष्ठ पी. पी. एस., सचिव (स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता) शिक्षा मंत्रालय एवं डिप्टी चैयरमेन केविसं.।
4. निजी सचिव,सचिव (शिक्षा), स्कूल शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश सरकार।

Page 1 of 2

फरीदाबाद के अरावली इलाके में अवैध निर्माण रोकने के दौरान वन विभाग की टीम पर हमला..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

फरीदाबाद के संरक्षित अरावली वन क्षेत्र में अवैध निर्माण को रोकने की कोशिश कर रही वन विभाग की एक टीम पर हमला किया गया, उनकी सरकारी वर्दी फाड़ी गई और जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने सूरजकुंड थाने में आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफप्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, पिछले बुधवार को नियमित गश्त के दौरान वन रेंजर राजेश और सुरेंद्रपाल अनंगपुर गांव के डोमका इलाके में पहुंचे।

उसने बताया कि वहां अधिसूचित वन क्षेत्र में एक टिन शेड बनाया जा रहा था। दोनों अधिकारियों ने वहां मौजूद लोगों को बताया कि उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुसार, इस इलाके में वन से संबंधित गतिविधियों के अलावा किसी भी तरह का निर्माण कार्य प्रतिबंधित है, और उन्होंने निर्माण कार्य रुकवा दिया। इस बीच, निर्माण स्थल पर मौजूद व्यक्ति के पिता गजराज भी वहां पहुंचे और कथित तौर पर अधिकारियों से बहस करने लगे, उन्होंने अपने रसूख का हवाला देते हुए निर्माण कार्य जारी रखने पर जोर दिया। पुलिस ने बताया कि विवाद तब बढ़ गया जब वन विभाग की टीम ने उस जगह की तस्वीरें लेनी और वीडियो रिकॉर्ड करने शुरू किये।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने सरकारी कार्रवाई का विरोध किया, हाथापाई की और अधिकारियों के साथ मारपीट की। इस घटना के दौरान वन रेंजर राजेश की सरकारी वर्दी फट गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वन विभाग की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

कांगड़ा में महिला और उसकी बेटी का शव मिला, बेटा अस्पताल में भर्ती..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के घेली गांव में शुक्रवार सुबह एक महिला और उसकी नाबालिग बेटी का उनके घर से शव बरामद हुआ, जबकि महिला का बेटा अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने यह जानकारी दी। महिला के पति बुधी सिंह के अनुसार, परिवार ने बृहस्पतिवार रात एक साथ खाना खाया, जिसके बाद सभी अपने-अपने कमरों में सोने चले गए थे।

सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह जब वह जागा तो पत्नी और बेटी को बेहोश हालत में देखा और जांच करने पर पता चला कि दोनों की मौत हो चुकी है। सिंह ने बताया कि उसी समय उसका बेटा लगातार उल्टियां कर रहा था, जिसके बाद उसे तुरंत जवाली के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

महिला की पहचान 42-वर्षीय शकुंतला देवी के रूप में हुई है, जो आशा कार्यकर्ता थी। उसकी बेटी प्रिया नौवीं कक्षा की छात्रा थी, जबकि बेटा लेख राज सातवीं कक्षा का छात्र है। घटना की सूचना मिलने के बाद नूरपुर की पुलिस अधीक्षक (एसपी) इल्मा अफ्रोज समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने जांच के लिए घर से नमूने एकत्र किए हैं और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस ने कहा कि मौत के कारणों का पता रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष विक्रमजीत शर्मा ने घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए समिति के सदस्यों विजय शर्मा और नरेशता कुमारी के साथ शुक्रवार को जवाली थाने से मामले की विस्तृत जानकारी मांगी। मीडिया से बातचीत के दौरान विक्रमजीत शर्मा ने कहा कि चूंकि इस मामले में नाबालिग बच्चे शामिल हैं, इसलिए जिला बाल कल्याण समिति ने मामले की जानकारी मांगी है।

दूसरे टी20 से पहले सैमसन की फॉर्म, सूर्यवंशी के पदार्पण की संभावना पर नजरें..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

वैभव सूर्यवंशी के पदार्पण की बढती मांग के बीच इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को दूसरे टी20 मैच में संजू सैमसन पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव रहेगा जो इस दौरे पर लगातार नाकाम साबित हो रहे हैं।

पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था जिसमें भारत ने अभिषेक शर्मा और कप्तान श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की मदद से सात विकेट पर 189 रन बनाये थे। अगले कुछ मैचों में फोकस सैमसन पर रहेगा कि वह सूर्यवंशी को पदार्पण का मौका दिये जाने की बढती मांग के बीच अपनी उपयोगिता साबित कर पाते हैं या नहीं। भारत की टी20 विश्व कप में खिताबी जीत के सूत्रधार रहे सैमसन को कम से कम एक साल तक मौका दिया जा सकता था लेकिन अब जबकि भारतीय क्रिकेट को सूर्यवंशी के रूप में एक असाधारण प्रतिभाशाली क्रिकेटर मिल गया है ।

ऐसे में सैमसन के लिये गलती की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है और टी20 विश्व कप का शानदार प्रदर्शन भी टीम में उनकी जगह की गारंटी नहीं हो सकता। अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन मैचों में से दो में 49 और 59 रन बना लिये हैं जिससे सारा दबाव अब सैमसन पर है ।

बारिश के कारण रद्द हुए पहले मैच में सैमसन ने सात गेंद में एक रन बनाया था और एक बार भी नहीं लगा कि वह आक्रामक खेलने के मूड में हैं । सीम लेती पिचों पर तकनीक के मामले में उनकी कमजोरी सामने आती है । राजस्थान के टोंक के रहने वाले आयरलैंड के गुमनाम से तेज गेंदबाज जय मूंदड़ा ने उनकी कमजोरी का फायदा उठाकर उनका विकेट लिया ।

टीम प्रबंधन 15 वर्ष के सूर्यवंशी को लेकर कोई हड़बड़ी नहीं करना चाहता लेकिन अगले कुछ मैचों में उन्हें नहीं उतारा गया तो इस फैसले पर सवाल उठने तय हैं। सैमसन के अलावा तिलक वर्मा को भी मध्यक्रम में तेज खेलना होगा। स्पिनरों के आने के बाद वह तेजी से रन नहीं बना पाते हैं। इस साल 12 टी20 में वह सिर्फ 12 छक्के लगा सके हैं और एक फिनिशर के लिये यह खराब आंकड़ा है ।

स्पिनरों की मददगार ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच पर गेंदबाजी में किसी बदलाव की संभावना नहीं है। इंग्लैंड के पास कप्तान हैरी ब्रूक, फिल साल्ट और टॉम बेंटोन जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। इंग्लैंड ने मैच से एक दिन पहले ही अपनी एकादश की घोषणा कर दी है। टीम ने तेज गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर और जोश टंग को मौका दिया है। इस मैच से पहले हालांकि एक ही यक्षप्रश्न क्रिकेटप्रेमियों के जेहन में है कि सूर्यवंशी को मौका मिलेगा या नहीं।

टीमें :

भारतः श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड (एकादश): हैरी ब्रूक (कप्तान), फिल सॉल्ट, जोस बटलर, जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, सैम कुरन, विल जैक्स, जोफ्रा आर्चर, लियाम डॉसन, आदिल राशिद और जोश टंग ।

समयः मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजे शुरू होगा।

क्या आलिया-शरवरी की 'अल्फा' पहले दिन करेगी दमदार शुरुआत? ओपनिंग डे कलेक्शन पर सबकी नजर..

डेस्क जगप्रेरणा।

कई बार रिलीज टलने के बाद आलिया भट्ट और शरवरी स्टारर 'अल्फा' आखिरकार बड़े पर्दे पर आ गई है। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिले-जुले रिव्यू मिले हैं और पहले दिन की एडवांस बुकिंग भी औसत रही है।

इसलिए अब सबकी नजरें 'अल्फा' की ओपनिंग-डे कमाई पर टिकी हैं। शुरुआती अनुमानों के अनुसार 'अल्फा' के पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ चुका है।

'अल्फा' बॉक्स ऑफिस प्रेडिक्शन..

सैकनिल्क के शुरुआती अनुमान के अनुसार 'अल्फा' अपने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर लगभग 7-8 करोड़ रुपये की कमाई कर सकती है। अगर रात के शो में दर्शकों की संख्या बेहतर रहती है तो कमाई ज्यादा भी हो सकती है, लेकिन फिलहाल डबल-डिजिट ओपनिंग मुश्किल लग रही है। चूंकि ये लाइव आंकड़े हैं, इसलिए शाम और रात के शो खत्म होने के साथ कलेक्शन बढ़ने की उम्मीद है। यह फिल्म देश भर में 5,886 शो में रिलीज हुई है, जिससे इसे सिनेमाघरों में अच्छी-खासी मौजूदगी मिली है। हालांकि, पहले दिन का इसका फाइनल कलेक्शन काफी हद तक देर रात के शो के परफॉर्मेंस और बड़े शहरों में दर्शकों के रिएक्शन पर बेस्ड है।

अल्फा को कैसे मिले रिव्यू..

BookMyShow पर भी फिल्म का रिस्पॉन्स कुछ खास नहीं दिख रहा है। पिछले एक घंटे में लगभग 1,790 टिकट बुक हुए हैं। शिव रावेल के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म उनकी पहली फीचर फिल्म है और इसे मिले-जुले रिव्यू मिले हैं। इस स्पाई थ्रिलर फिल्म को हाल ही में सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से **UA** 16+ सर्टिफिकेट मिला है, जिसमें कोई कट नहीं लगाया गया है।

अल्फा का इन फिल्मों से होगा मुकाबला..

'अल्फा' ऐसे समय में रिलीज हुई है, जब अक्षय कुमार की 'वेलकम टू द जंगल' को मिले-जुले रिव्यू मिले और इसके बावजूद बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसने 137.36 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इस फिल्म का बॉक्श ऑफिस पर हुमा कुरैशी की 'बेबी डू डाई डू' से भी मुकाबला होगा, जिसे 'अल्फा' की तरह ही रिलीज से पहले एडवांस बुकिंग में अच्छा रिस्पॉन्स मिला।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में राउंड-16 के लिए 13 टीमें हुईं पक्की, अब तीन स्थान के लिए रेस में छह टीम..

डेस्क जगप्रेरणा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रोमांच अब फैंस के बीच में जमकर देखने को मिल रहा है, जिसमें राउंड ऑफ32 के मुकाबले खेले जा रहे हैं। तीन जुलाई तक राउंड 16 के लिए 13 टीमें पक्की हो चुकी हैं।

अब तीनों टीमों का फैसला भी जल्द हो जाएगा, जिसमें अर्जेंटीना का भी नाम शामिल है। राउंड 32 के तीन जुलाई को खेले गए मुकाबलों में स्पेन और पुर्तगाल ने जहां अगले दौर का टिकट हासिल कर लिया तो वहीं स्विट्जरलैंड ने भी अल्जीरिया के खिलाफ मैच में 2-0 से जीत हासिल करने के साथ अगले दौर के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया, जहां उनका मुकाबला किस टीम से होगा उसका फैसला कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मुकाबले के परिणाम से तय होगा।

राउंड 16 में अब तक यह 13 टीमें हुईं तय..

राउंड-32 में जीत हासिल कर जो 13 टीमें राउंड 16 के लिए अपनी जगह को पक्का कर चुकी हैं उसमें कनाडा, मोरक्को, पराग्वे, फ्रांस, यूएसए, बेल्जियम, पुर्तगाल, स्पेन, ब्राजील, नॉर्वे, मेक्सिको, इंग्लैंड और स्विट्जरलैंड की टीमें तय हो चुकी हैं। इसमें राउंड ऑफ 16 में कनाडा की टीम का सामना मोरक्को से होगा, फ्रांस अपना मुकाबला पराग्वे के खिलाफ खेलेगी। इसके अलावा मेजबान यूएसए की टीम बेल्जियम के खिलाफ राउंड ऑफ 16 का मैच खेलने मैदान पर उतरेगी। पुर्तगाल की टीम का सामना साल 2010 की वर्ल्ड कप विजेता टीम स्पेन से होगा जिसको लेकर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। वहीं मेक्सिको की टीम का सामना इंग्लैंड से होगा, जबकि स्विट्जरलैंड की टीम राउंड 16 में किस टीम का सामना करेगी इसको लेकर अभी फैसला होना बाकी है।

अर्जेंटीना सहित ऑस्ट्रेलिया पर अब अभी की नजरें..

वर्ल्ड कप में राउंड-16 के लिए अभी तीन टीमें तय होना बाकी है, जिसमें तीन जुलाई की देर रात भारतीय समयानुसार 11:30 पर ऑस्ट्रेलिया और इजिप्ट के बीच में मुकाबला खेला जाएगा। इसके बाद चार जुलाई सुबह 3:30 पर अर्जेंटीना और काबो वर्दे के बीच में मैच होगा। इन दोनों ही मुकाबलों की विजेता टीम का सामना राउंड 16 में होगा। वहीं चार जुलाई की सुबह भारतीय समयानुसार 7 बजे राउंड 32 का आखिरी मैच कोलंबिया और घाना की टीम के बीच में खेला जाएगा, जिसमें इस मुकाबले की विजेता टीम का सामना राउंड 16 में स्विट्जरलैंड की टीम से होगा।

साउथ स्टार रवि मोहन के ड्राइवर पर लगा लाखों रुपयों की चोरी का आरोप, डायमंड का हार भी गायब, पुलस कर रही जांच..

डेस्क जगप्रेरणा।

तमिल एक्टर रवि मोहन, जिन्हें पहले 'जयम रवि' के नाम से जाना जाता था, चेन्नई स्थित अपने घर पर चोरी का शिकार हुए हैं। एक्टर के घर से कैश और कीमती सामान चुराने के आरोप में उनके ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

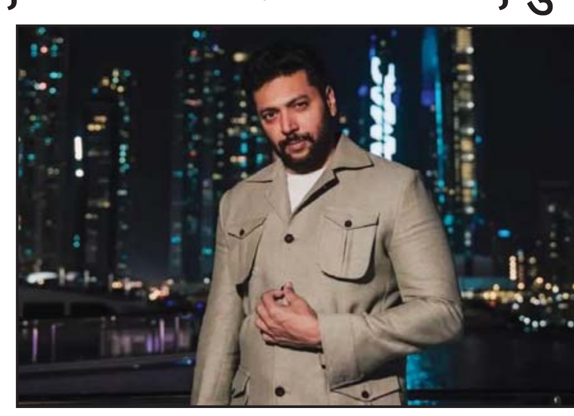

पुलिस ने 2.5 लाख रुपये कैश तो बरामद कर लिए हैं, लेकिन 10 लाख रुपये कीमत का बताया जा रहा हीरे का हार अभी भी गायब है।

22 जून को हुई थी चोरी..

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रवि मोहन ने 22 जून को इंजमबक्कम स्थित अपने घर से नकदी और कीमती सामान गायब होने का पता चलने पर नीलांकरई पुलिस से संपर्क किया। शिकायत मिलने के बाद, पुलिस ने कम्युनिटी सर्विस रजिस्टर **(CSR)** में मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। जांच के तहत घर के कर्मचारियों और ड्राइवरों से एक-एक करके पूछताछ की गई। जांच के दौरान, शक अभिनेता के ड्राइवर राजेश पर गया। पुलिस का दावा है कि पूछताछ के दौरान राजेश ने 2.5 लाख रुपये नकद लेने की बात कबूल कर ली। बाद में यह रकम बरामद कर रवि मोहन को लौटा दी गई। इसके बाद राजेश को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया, अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस बीच, पुलिस गायब हीरे के हार की तलाश कर रही है, जिसकी कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है।

पत्नी से अलग होने पर बटोरी सुर्खियां..

'पोन्नियिन सेलवन' के एक्टर रवि मोहन अपनी शादी में अनबन के बाद अपनी पत्नी आरती से अलग रह रहे हैं। इस दौरान, खबर है कि सिंगर केनिशा एक्टर की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गईं।

जल्द ही, ऐसी अटकलें लगने लगीं कि रवि मोहन और आरती के बीच दरार की वजह केनिशा थीं, हालांकि ये दावे सिर्फ लोगों की अटकलों का ही विषय रहे हैं। मार्च में, एक्टर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने कहा, 'मैंने अपने बच्चों के लिए चुप्पी साधे रखी। मेरे माता-पिता मेरे पैरों पर गिर पड़े और मुझसे उस लड़की को न लाने की गुजारिश की। अगर जरा भी प्यार होता, तो क्या मैं यहां आता?

मैंने जिंदगी में सब कुछ दिया है। मेरे साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है। मैं अपनी पर्सनल जिंदगी को ठीक करके वापस आऊंगा। तब तक, मैं एक्टिंग नहीं करूंगा। उन्होंने मुझे गुलाम बनाकर रखा। उन्होंने मेरा हाथ काट दिया और मुझे शादी करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने मुझे धमकाकर शादी करवाई। किसी की जिंदगी के साथ खिलवाड़ मत करो।' प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें तो रवि मोहन के पास आगे कई प्रोजेक्ट्स हैं। एक्टर अगली बार 'कराथे बाबू', 'जिनी' और 'ब्रो कोड' में नजर आएंगे, जो सभी अभी प्रोडक्शन के अलग-अलग स्टेज में हैं।

ओयाज़र्बल के दो गोल से स्पेन ने 6 साल बाद नॉकआउट मैच जीता..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

मिकेल ओयाज़र्बल के दो गोल की मदद से खिताब के प्रबल दावेदार स्पेन ने ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराकर 2010 में चैंपियन बनने के बाद पहली बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में कोई मैच जीता।

ओयाज़र्बल ने 36वें और 89वें मिनट में गोल किए। इस बीच पेड्रो पोरो ने 66वें मिनट में गोल किया, जिससे स्पेन मौजूदा टूर्नामेंट में अब तक का अपना सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन करने में सफल रहा। उसने गेंद पर पूरा नियंत्रण बनाए रखा और अपने आक्रामक और कलात्मक खेल का अच्छा नमूना पेश किया। स्पेन के खिलाफ मौजूदा विश्व कप में अभी तक एक भी गोल नहीं हुआ है। ऑस्ट्रिया की टीम गोल पर एक भी शॉट नहीं लगा पाई।

इस तरह से स्पेन के गोलकीपर उनाई साइमन लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट (मैच में कोई गोल नहीं खाना) हासिल करने में सफल रहे। ओयाज़र्बल ने मैच के बाद कहा, 'मुझे खुशी है कि मैंने टीम को अगले दौर में पहुंचाने में मदद की। अब थोड़ा आराम करके अगले मैच के लिए तैयार होना है। यह मुश्किल मैच था।

हम जानते थे कि एक मजबूत टीम के खिलाफ खेलना कठिन होगा, लेकिन हमारा दिन बहुत अच्छा रहा और हमने अच्छा मैच खेल दिखाया।' स्पेन का अगला मुकाबला सोमवार को डलास में पुर्तगाल से होगा जिसने एक अन्य मैच में क्रोएशिया को 2-0 से हराया। युवा स्ट्राइकर लामिन यामल भले ही गोल नहीं कर पाए लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। स्पेन ने गोल पर 10 शॉट मारे जिनमें चार शॉट इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने जमाए। सोफी स्टेडियम में खचाखच भरे स्पेन के समर्थकों ने उनका जोरदार उत्साह बढ़ाया।

वह 85 मिनट तक मैदान पर रहे जो वर्तमान टूर्नामेंट में किसी मैच में मैदान पर बिताई गई उनकी सर्वाधिक अवधि है। स्पेन की तरफ से ओयाज़र्बल ने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने 36वें मिनट में पहला और 89वें मिनट में निर्णायक गोल दागकर इस साल के विश्व कप में अपने गोल की संख्या दोगुनी कर ली। मार्क कुकुरेला ने ओयाज़र्बल के दोनों गोल में मदद की। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा, 'दिग्गज टीमें जरूरत पड़ने पर शानदार प्रदर्शन करती हैं। हमने बेहतरीन प्रदर्शन किया। हम इस मैच में लगभग पूर्णता के करीब थे, लेकिन हमें लगातार सुधार करते रहना होगा। सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है, क्योंकि आने वाले सभी मैच बेहद कठिन होंगे।' ऑस्ट्रिया के गोलकीपर अलेक्जेंडर श्लागर ने छह बचाव किए। ऑस्ट्रिया ने 1998 के बाद पहली बार विश्व कप के नॉकआउट राउंड में जगह बनाई थी। कई स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी के बावजूद स्पेन अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया था लेकिन उसने सही समय पर लय हासिल करके फिर से खुद को खिताब का मजबूत दावेदार बना दिया है। पिछले तीन विश्व कप में स्पेन दो बार नॉकआउट चरण में जबकि एक बार ग्रुप चरण में बाहर हो गया था। ऑस्ट्रिया के खिलाफउसने सतर्क शुरुआत के बाद आक्रामक रवैया अपनाया। श्लागर ने ओयाज़र्बल के निचले शॉट को शानदार तरीके से बचाया लेकिन इसके तीन मिनट बाद स्पेन का खिलाड़ी पेनल्टी क्षेत्र में पहुंचा और कुकुरेला के पास पर गोल दागकर स्पेन को बढ़त दिला दी।

इसके बाद इंजरी टाइम में एलेक्स बाएना ने 25 गज की दूरी से फ्री किक मारी जो क्रॉसबार से टकरा गई, जिसके बाद श्लागर ने यामल के बेहद करीब से लगाए गए शॉट को बचाया। हाफ टाइम के बाद भी स्पेन ने अपना दबाव बनाए रखा। इसका उसे जल्द ही फायदा मिला जब बाएना ने बायीं तरफ से हमला किया और बिना किसी मार्क (आसपास कोई डिफेंडर नहीं होना) के खड़े पोरो को पास दिया, जिन्होंने जोरदार हेडर मारकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल दाग दिया। इसके बाद ओयाज़र्बल ने कुकुरेला के एक और शानदार पास को गोल में बदलकर टूर्नामेंट का अपना चौथा गोल किया और स्पेन की आसान जीत सुनिश्चित की।

फराह खान ने फिर किया कमाल, उनका शो 'लॉक अपः सच या सजा' बना नंबर 1, खूब मच रहा धमाल..

डेस्क जगप्रेरणा।

शो के मेकर्स के मुताबिक रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' प्रीमियर के दो दिन के अंदर ही नेटफ्लिक्स इंडिया पर नंबर वन पर पहुंच गया है। प्रेस रिलीज के अनुसार यह रियलिटी शो आपसी झगड़ों,

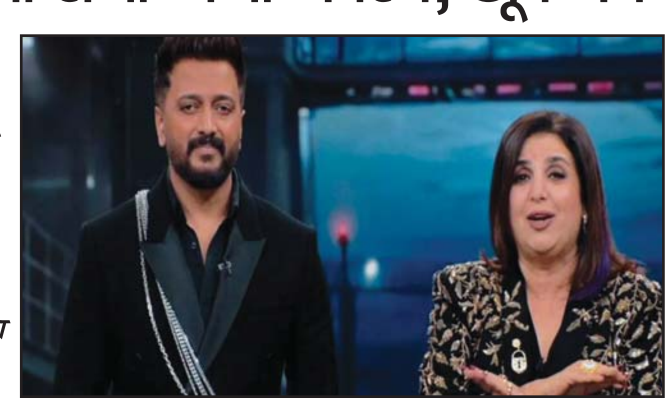

रणनीतिक गेमप्ले और इमोशनल पलों के मिश्रण की वजह से चर्चा में है और दर्शक सोशल मीडिया पर कंटेस्टेंट्स और शो में हो रही घटनाओं पर बात कर रहे हैं। इस शो को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो को मिले शुरुआती रिस्पॉन्स पर फराह ने दर्शकों का उनके सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा किया।

क्या बोलीं फराह खान?

फराह ने एक बयान में कहा, 'सिर्फ दो दिन में नंबर वन? यह सुनकर बहुत अच्छा लगा। सच कहूं तो, इतने कम समय में 'लॉक अपः सच या सजा' को जो प्यार मिला है, वह अविश्वसनीय है।

यह देखना अद्भुत है कि भारत और दुनिया भर के लोग इस सारे पागलपन, माइंड गेम्स, ड्रामा और ट्विस्ट में इतनी दिलचस्पी ले रहे हैं।' ट्विस्ट पर बात करते हुए फराह ने कहा, 'और अब हम पहले एलिमिनेशन (बाहर होने की प्रक्रिया) तक पहुंच चुके हैं। यकीन मानिए, आप सभी सोच रहे होंगे कि सबसे पहले कौन बाहर जाएगा। लेकिन हम भी यही सोच रहे हैं। जेलर के तौर पर, हम हर दिन 'लॉक अप' के अंदर होते हैं, कैदियों से बातचीत करते हैं और सब कुछ करीब से देखते हैं। हम झगड़े, भावनाएं, रणनीतियां, इमोशनल ब्रेकडाउन और ऐसी बातें भी देखते हैं जिनका कैदियों को खुद भी पता नहीं चलता कि वे जाहिर कर रहे हैं।'

4 जुलाई को होगा खास एपिसोड..

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में मुकाबला और मुश्किल होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'यहां से उनका सुधार का सफर और मुश्किल होने वाला है, और अभी बहुत सारे सरप्राइज बाकी हैं।' आने वाले एपिसोड में कंगना सीजन के पहले एलिमिनेशन की घोषणा करने से पहले कंटेस्टेंट्स के पहले हफ्ते के परफॉर्मेंस का रिव्यू भी करेंगी। यह एपिसोड 4 जुलाई को स्ट्रीम होगा। यह रियलिटी शो नेटफ्लिक्स पर हर शनिवार से बुधवार रात 8 बजे स्ट्रीम होता है। इस शो की सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा हो रही है।

7 शनिवार 04 जूलाई 2026

जग प्रेरणा

साहित्य अभिव्यक्ति

■ संपादकीय ■ लेख ■ कविता ■ व्यंग्य ■ महाशब्द पहेली (शब्द ज्ञान)

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

क्या हमारी थाली सुरक्षित है? -महाराष्ट्र के चौंकाने वाले खाद्य नमूना आँकड़ों से पूरे भारत के लिए सबक -पूरे भारत में जीरो टॉलरेंस टू फूड एडल्टरेशन की नीति लागू की जाए -समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर भारत तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था है, लेकिन यदि नागरिकों की थाली में परोसा जाने वाला भोजन ही सुरक्षित न हो तो विकास की चमक फीकी पड़ जाती है। 3 जुलाई 2026 को महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत खाद्य सुरक्षा संबंधी आँकड़ों ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र एफडीए के पास 1 जून 2026 तक 13,474 खाद्य नमूनों का लंबित स्टॉक (बैकलॉग) परीक्षण के लिए उपलब्ध था।इसके बाद विभाग ने अभियान चलाकर 7,494 नमूनों का परीक्षण किया।जांचे गए 7,494 खाद्य नमूनों में से 4,091 नमूने (लगभग 54 प्रतिशत) जो लगभग आधे से अधिक हैं मानव उपभोग के लिए उपयुक्त नहीं पाए गए। यह आँकड़ा केवल महाराष्ट्र की चिंता नहीं है, बल्कि पूरे भारत के लिए चेतावनी है कि खाद्य सुरक्षा को अब केवल प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जनस्वास्थ्य अभियान के रूप में देखा जाए।भारत में हर दिन करोड़ों लोग होटल, ढाबों, स्ट्रीट फूड,मिठाई की दुकानों, डेयरियों पैकेज्ड फूड,ऑनलाइन फूड डिलीवरी और स्थानीय बाजारों से खाद्य सामग्री खरीदते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यदि इन उत्पादों में मिलावट,गलत लेबलिंग, रसायनों का अत्यधिक उपयोग या स्वच्छता का अभाव है, तो इसका सीधा प्रभाव नागरिकों के स्वास्थ्य,बच्चों के विकास, बुजुर्गों की प्रतिरोधक क्षमता और देश की उत्पादकता पर पड़ता है। यही कारण है कि खाद्य सुरक्षा केवल स्वास्थ्य विभाग का नहीं बल्कि राष्ट्रीय विकास का विषय भी है।महाराष्ट्र के आँकड़ों ने यह स्पष्ट किया है कि केवलकानून बनाना पर्याप्त नहीं है।यदि निरीक्षण नियमित न हों, दोषियों पर त्वरित कार्रवाई न हो और नागरिकों में जागरूकता न बढ़े, तो खाद्य सुरक्षा कानून कागज़ों तक सीमित रह जाते हैं।इसलिए अब समय है कि पूरे भारत में जीरो टॉलरेंस टू फूड एडल्टरेशन की नीति लागू की जाए। इसी संदर्भ में महाराष्ट्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन का नेतृत्व करते हुए तुकाराम मुंडे द्वारा अपनाई गई कठोर प्रशासनिक कार्यशैली और हरियाणा में आर.एस. भट्ट द्वारा नियमों के सख्ती से पालन कराने वाली कार्यसंस्कृति अक्सरसार्वजनिक चर्चा का विषय रही है। इन अधिकारियों की पहचान किसी व्यक्ति-पूजा से नहीं, बल्कि इस विचार से जुड़ती है कि कानून सबके लिए समान होना चाहिए, भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता होनी चाहिए और किसी भी प्रकार का दबाव प्रशासनिक निर्णयों को प्रभावित नहीं करना चाहिए। यही वह प्रशासनिक संस्कृति है, जिससे व्यवस्था में जनता का विश्वास मजबूत होता है।

साथियों बात अगर हम भारत के विभिन्न राज्यों की स्थिति को समझने की करें तो देश के सभी राज्यों में समय-समय पर खाद्य सुरक्षा विभाग और एफएसएसएआई द्वारा नमूने लिए जाते हैं। हालांकि प्रत्येक राज्य हर वर्ष अलग-अलग संख्या में नमूने एकत्र करता है, इसलिए सीधे प्रतिशत की तुलना करना हमेशा उचित नहीं होता। पिछले वर्षों की आधिकारिक रिपोर्टों से यह स्पष्ट है कि लगभग सभी राज्यों में बड़ी संख्या में नमूने या तो सब - स्टैंडर्ड, मिब्रांडेड अथवा अनसेफ पाए गए हैं। विशेष रूप से निम्न राज्यों में समय-समय पर बड़ी संख्या में उल्लंघन सामने आए हैं महाराष्ट्र, गुजरात उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, कर्नाटक तेलंगाना पश्चिम बंगाल, दिल्ली पंजाब, हरियाणा, बिहार, ओडिशा असम, केरल इन राज्यों में दूध, मावा, मिठाइयाँ, मसाले, खाद्य तेल, नमकीन, पैकेज्ड फूड, पानी, पनीर, घी और स्ट्रीट फूड में सबसे अधिक अनियमितताएँ दर्ज की जाती रही हैं। त्योहारों के मौसम में यह संख्या सामान्यतः और बढ़ जाती है।यह भी ध्यान देने योग्य है कि फेल होने का अर्थ हमेशा जहरीला होना नहीं होता। कई नमूने मानकों से कम गुणवत्ता (सब-स्टैंडर्ड),गलत लेबलिंग (मिब्रांडिंग) या नियमों के उल्लंघन के कारण भी असफल घोषित किए जाते हैं। जबकि अनसेफ श्रेणी वास्तव में स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा मानी जाती है।

साथियों बात अगर हम भारत में खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण भारत में खाद्य सुरक्षा का कानूनी ढांचा को समझने की करें तो फूड सेफ्टी एंड स्टैण्डर्ड्स एक्ट, 2006 हैं, इसी कानून के अंतर्गत देशभर में खाद्य मानक निर्धारित किए जाते हैं और खाद्य कारोबारियों के लिए लाइसेंस, निरीक्षण तथा दंड की व्यवस्था की गई है।इसके अंतर्गत कार्यरत प्रमुख संस्थाएँ हैं फूड सेफ्टी एंड स्टैण्डर्ड्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया,राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए)राज्य खाद्य सुरक्षा आयुक्त (फूड सेफ्टी कमिश्नर)नामित अधिकारी, खाद्य सुरक्षाअधिकारी हैं मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएँ भी है,इन संस्थाओं का दायित्व केवल नमूने लेना नहीं बल्कि जनजागरूकता,प्रशिक्षण, लाइसेंसिंग, निगरानी और दोषियों पर सटीकता से अभियोजन भी है।

साथियों बात कर हम राज्यों में समान कार्रवाई की आवश्यकता को समझने की करें तो आज भारत में प्रत्येक राज्य का खाद्य सुरक्षा विभाग अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार कार्य करता है। कहीं निरीक्षण अधिक हैं तो कहीं संसाधनों की कमी है। कहीं प्रयोगशालाएँ आधुनिक हैं तो कहीं रिपोर्ट आने में महीनों लग जाते हैं।इसी असमानता के कारण पूरे देश में खाद्य सुरक्षा का स्तर भी अलग-अलग दिखाई देता है। यदि प्रत्येक राज्य में समान एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) लागू हो, डिजिटल ट्रैकिंग हो, ऑनलाइन निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए तथा दोषियों की सूची सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाए, तो व्यवस्था कहीं अधिक सटीकता से सटिका से पारदर्शी बन सकती है।

साथियों बात अगर हम महाराष्ट्र और हरियाणा मॉडल महाराष्ट्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन का नेतृत्व करते हुए तुकाराम मुंडे द्वारा अपनाई गई कठोर प्रशासनिक कार्यशैली और हरियाणा में आर.एस. भट्ट द्वारा नियमों के सख्ती से पालन कराने वाली कार्यसंस्कृति जैसी प्रशासनिक सख्ती सोशल इलेक्ट्रॉनिक प्रिंट मीडिया में चर्चित यदि इसी प्रकार की पारदर्शी, जवाबदेह और जीरो-टॉलरेंस आधारित कार्यशैली देश के प्रत्येक विभाग के प्रत्येक आयुक्त, आयुक्तालय, जिलाधिकारी, पुलिस प्रमुख, परिवहन आयुक्त, खाद्य सुरक्षा आयुक्त, नगर आयुक्त, स्वास्थ्य आयुक्त और अन्य प्रशासनिक प्रमुख अपनाएँ, तो शासन व्यवस्था में अभूतपूर्व परिवर्तन संभव है। यह कहना एक नैतिक आदर्श है कि ऐसी व्यवस्था भारत को सतयुग जैसी सुशासन व्यवस्था की दिशा में ले जा सकती है अर्थात ऐसी व्यवस्था जहाँ कानून का सम्मान हो, भ्रष्टाचार न्यूनतम हो और नागरिकों का हित सर्वोपरि हो।देश में समय-समय पर कुछ प्रशासनिक अधिकारियों ने कठोर, निष्पक्ष और परिणामोन्मुख कार्यशैली का उदाहरण प्रस्तुत किया है। ऐसी ही सख्त, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासनिक शैली जिसे कई लोग तुकाराम मुंडे मॉडल जैसी कार्यसंस्कृति के रूप में देखते हैं खाद्य सुरक्षा व्यवस्था में भी अपनाई जा सकती है। यदि प्रत्येक राज्य के एफडीए आयुक्त प्रतिदिन आकस्मिक निरीक्षण करें,बड़े फूड हब की नियमित जांच कराएँ, बार -बार नियम तोड़ने वालों के लाइसेंस तत्काल निलंबित करें,दोषियों के नाम सार्वजनिक करें,मोबाइल फूडटेस्टिंग वैन बढ़ाएँ, प्रयोगशालाओं की संख्या दोगुनी करें,त्योहारों से पहले विशेष अभियान चलाएँ,तो मिलावट करने वालों में भय उत्पन्न होगा और उपभोक्ताओं का विश्वास भी बढ़ेगा।

साथियों बात अगर हम फूड हब के लिए राष्ट्रीय मानकों को समझने की करें तो,देशभर में बड़े फूड हब विकसित हो रहे हैं। इन स्थानों पर प्रतिदिन हजारों लोगों के लिए भोजन तैयार होता है। ऐसे प्रत्येक फूड हब के लिए अनिवार्य होना चाहिए एचएसीसीपी आधारित सुरक्षा प्रणाली,नियमित माइक्रो बायोलॉजिकल परीक्षण कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण, डिजिटल तापमान निगरानी, शुद्ध पेयजल, साफ रसोई कीट नियंत्रणसी, सीटीवी आधारित निगरानी, ऑनलाइन निरीक्षण रिपोर्ट, आधुनिक तकनीक का उपयोगआज आर्टिफिशल इंटेलीजेंस, एलओटी, क्यूआर कोड , ब्लॉकचैन और डिजिटल ट्रैकिंग जैसी तकनीकें खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकती हैं। कल्पना कीजिए यदि प्रत्येक पैकेज पर क्यूर आर कोड स्कैन करते ही उपभोक्ता को निर्माण तिथि, प्रयोगशाला रिपोर्ट, लाइसेंस संख्या और निरीक्षण इतिहास दिखाई दे, तो मिलावट की संभावना सटीकता से स्वतः कम हो जाएगी।

साथियो,यह विषय किसी सरकार, किसी अधिकारी या किसी राजनीतिक दल का नहीं,बल्कि भारत के 140 करोड़ नागरिकों के जीवन का है।यदि देश का प्रत्येक सार्वजनिक अधिकारी, चाहे वह खाद्य सुरक्षा आयुक्त हो, स्वास्थ्य अधिकारी, परिवहन अधिकारी, नगर आयुक्त या किसी अन्य विभाग का प्रमुख—कानून के प्रति वही निष्ठा, पारदर्शिता और शून्य सहनशीलता कीकार्यसंस्कृति अपनाए जिसकी अपेक्षा नागरिक करते हैं,तो शासन व्यवस्था में व्यापक सुधार संभव है। सुशासन का अर्थ किसी एक व्यक्ति पर निर्भर व्यवस्था नहीं, बल्कि ऐसी संस्थागत संस्कृति है जहाँ नियम सब पर समान रूप से लागू हों, भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान न हो और नागरिक का स्वास्थ्य, सम्मान तथा अधिकार सर्वोच्च प्राथमिकता बने। यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव होगी और यही वह मार्ग है जिस पर चलकर भारत एक अधिक स्वस्थ, अधिक न्यायपूर्ण और अधिक विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में सटीकता से स्थापित हो सकता है।

साथियों बात अगर हम नागरिकों की भूमिका को समझने की करें तो सरकार अकेले खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकती। नागरिकों की सहभागिता भी आवश्यक है।हर उपभोक्ता को चाहिए,केवल लाइसेंसधारी विक्रेता से खरीदें, बिल अवश्य लें,संदिग्ध खाद्य पदार्थ की शिकायत करें, एक्सपायरी डेट देखें,पैकेजिंग पढ़ें।,खुले खाद्य पदार्थ सोच- समझकर खरीदें,बच्चों को जागरूक बनाएं ,स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्थाविश्व स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि असुरक्षित भोजन केवल बीमारी ही नहीं बढ़ाता,बल्कि कार्यक्षमता शिक्षा, पर्यटन और अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रभाव डालता है। खाद्यजनित रोगों के कारण अस्पतालों पर भार बढ़ता है, परिवारों का खर्च बढ़ता है और उत्पादक कार्यदिवस कम होते हैं। इसलिए सुरक्षित भोजन पर किया गया निवेश वास्तव में मानव पूंजी में सटीक ही निवेश है।

साथियों बात अगर कर हम राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन की आवश्यकता को समझने की करें तो आज आवश्यकता है कि केंद्र और सभी राज्य मिलकर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन प्रारंभ करें,जिसके अंतर्गत, प्रत्येक जिले में आधुनिक खाद्य प्रयोगशाला,प्रत्येक राज्य में मासिक सार्वजनिक रिपोर्ट, राष्ट्रीय डिजिटल डैशबोर्ड,

त्वरित न्यायिक प्रक्रिया,भारी आर्थिक दंड,पुनरावृत्ति पर स्थायी लाइसेंस निरस्तीकरण, विद्यालयों और महाविद्यालयों में खाद्य सुरक्षा शिक्षा,नागरिक शिकायतों का समयबद्ध निवारण,जैसी व्यवस्थाएँ लागू की जाएँ।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे के, महाराष्ट्र विधानसभा में प्रस्तुत आँकड़े केवल एक राज्य की रिपोर्ट नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी हैं। यदि बड़ी संख्या में खाद्य नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरते, तो यह संकेत है कि निरीक्षण प्रणाली को और अधिक वैज्ञानिक, कठोर और पारदर्शी बनाने की आवश्यकता है। साथ ही, किसी भी राज्य के आँकड़ों की व्याख्या करते समय यह भी ध्यान रखना चाहिए कि फेल नमूनों में सब-स्टैंडर्ड , मिब्रांडेड और अनसेफजैसी अलग-अलग श्रेणियाँ शामिल हो सकती हैं; इसलिए इन्हें एक समान स्वास्थ्य जोखिम मानना उचित नहीं होगा।भारत को अब ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जिसमें प्रत्येक राज्य का एफडीए आयुक्त कठोर जवाबदेही के साथ कार्य करे, निरीक्षण निरंतर हों, दोषियों पर बिना किसी दबाव के कार्रवाई हो, आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग किया जाए और नागरिकों को भी खाद्य सुरक्षा अभियान का सक्रिय भागीदार बनाया जाए। जब कानून, प्रशासन, तकनीक और जनभागीदारी एक साथ आगे बढ़ेंगे, तभी हर भारतीय की थाली वास्तव में सुरक्षित होगी। यही स्वस्थ भारत, सक्षम भारत और विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव बनेगी।

रचनाकार

एडव्होकेट किशन भगनानी गोंदिया

कवि हो न तुम..

कवि हो ना तुम
तो लिखो ना
देश की व्यथा
जुल्मों की कथा
मंदी की मार
खत्म होते रोजगार
कमीशन की कहानी
बाढ़ का पानी
हिंसा की घटनाएं
दलितों पर यातनाएं
धर्म के नाम अधर्म
संतों के नीच कर्म
बच्ची से बलात्कार
नारी की चीख पुकार
शिक्षा का होता धंधा
कानून बहरा अंधा
दफ्तरों का बाजार
चिकित्सा का व्यापार
नेताओं की कांव कांव
कोर्ट का मोलभाव
खेतो मे मरता किसान
सीमा पर उपेक्षित जवान
आखिर क्यूं नही
दिखाई देते तुम्हे
देश के
नाजुक हालात
की है कोई और बात
अरे सत्तापक्ष के गुलामो
दूम हिलाना बंद करो
आ जाये क्रांति समाज मे
ऐसा कुछ प्रबंध करो।

लेखक

संजय अश्क
पुलपुट्टा, बालाघाट
9753633830

सुनो..

तुम सिर्फसुनो
भाषण सुनो, आश्वासन सुनो
जुमले सुनो, वादे सुनो
मन की बात सुनो
सुबह, शाम सुनो
दिन रात सुनो।
पत्नी की मांगे सुनो
बच्चो की फरमाईश सुनो
बॉस की डॉट सुनो
इतने पर भी मन
न भरता हो तो
प्रवचन सुनो, समाचार सुनो
गीत सुनो, संगीत सुनो
और इसके सिवा कर
भी क्या सकते हो?

चिरंजीव बिसेन
गोंदिया

तो क्या करते..

ये जोखिम उठाते नहीं तो क्या करते
अपने आंसू छुपाते नहीं तो क्या करते

कौन समझ पाता है दर्द भला किसी का
हम खुद को हँसाते नहीं तो क्या करते

सुनते है लोग शेर और वाह कह देते है
शायर महफ़िल सजाते नहीं तो क्या करते

जब पूछ ही लेता है
कोई कहानी जिंदगी की
अपना हाल ए दिल
बताते नहीं तो क्या करते

इस पागल दिल की ख्वाहिशें बहुत थी
ख्वाब आँखों में सजाते नहीं तो क्या करते

लेखक

किशोर छिपेश्वर
'सागर', बालाघाट

नाचे मन का मोर..

रिमझिम रिमझिम बरखा बरसे
छाई घटा घनघोर
नाचे मन का मोर।
दिशा दिशा छाई हरियाली।
पवन बहे मस्त मतवाली।
झूम उठी पेड़ों की डाली।
बच्चे कूदें दे दे ताली।
दादुर करते शोर।
नाचे मन का मोर।।

भरे हैं जल से नाली नाले
बूढ़ऊ छतरी चले संभाले
जिन्हें रोज हम देखे भाले
सड़कें वे ही कीच उछालें
व्यवस्था
लगती है कमजोर।
कैसे नाचे मन का मोर?

शशि तिवारी गोंदिया

शब्दवर्गपहेली क्र.- 210

ck;s ls nk;s %& 1) श्रीकृष्ण की राजधानी,, चार धामों की यात्रा में से एक 4) किसी महात्मा या मान्यवर की जन्मतिथी 6) सप्ताह का एक वार 9) लाचारी से 12) अधिकार 14) मल्ल, कुश्ती लड़नेवाला 16) पथ, रास्ता 17) शरीर की ऊंचाई 18) पंजाब से बहनेवाली एक नदी 19) हिन्दू पुराणों के अनुसार मृत्यु के बाद मनुष्य की आत्मा को अपने किये हुये पापों का फल भोगना पड़ता है 20) ईश्वर (उर्दू) 21) मजबुत 23) तुरंत 24) पतली डोरी या रस्सी 25) वास्ता, रिश्ता 27) औषधी 28) रसिया, सहृदय, आनन्द लेनेवाला 30) गदा धारण करनेवाले भीम 31) दवा की निर्धारित मात्रा, एक व्यक्ति का एक समय का नियत भोजन 32) श्रृंगार, वेश–विन्यास 33) निषेध 35) सड़क पर बन्दर के करतब दिखानेवाला 36) पिता (उर्दू) 37) ताकत, शक्ति 38) जनानखाना 40) जीवन निर्वाह, उदर निर्वाह 43) मूषक 44) गले में पानी डालकर गरगर शब्द कर के कुल्ला करने की क्रिया 47) नमक डाला हुआ खाद्यान्न 49) ज्वालामुखी से निकलनेवाला तप्त रस 50) सौ हजार, लक्ष 51) एक दर्जन 52) महाराष्ट्र के ठाणे जिले का एक गांव 53) 'उदय' का विरुद्धार्थी शब्द, लोप 54) नारी 55) रामायण में श्रीरामजी की वानर सेना का एक सेनापती 57) बिहार राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री का केवल नाम 59) अण्ड, अंडा, शब्द संग्रह की किताब 60) राक्षसों के राजा 62अ) चेतना, सुधबुध, स्मरण 64) रशिया की एक न्युज एजेन्सी 66) शपथ 67) शरमीला 68) रंगभूमि, रंगमहल 69) जोखिमभरा, खतरे से भरा हुआ 71) धूर्त, कपटी, धोखा देनेवाला 73) पिता, जनक 76) घ्राणेन्द्रिय 77) सप्ताह का एक दिन 80) पिघलाना 81) खोजबिन करना, अन्वेषण करना 85) शहद, मीठा 86) फलों का रस 87) पिता का एक आदरयुक्त संबोधन 88) फंसना, रुकना 91) पकड़ना का भूतकाल 92) आंखों में डाला जानेवाला अंजन 94) पहलू, पन्द्रह दिन 95) बिलकूल अकेला पड़ना 98) अंग्रेजी में शीशा 99) भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह 100) हैदराबाद के एक प्रसिद्ध म्युजियम का नाम 102) इंदौर रियासत के पूर्ववर्ती शासक का कुलनाम 103) रोटी सेंकने का धातु का गोल उपकरण 104) इस निर्वाचन स्थल से चंद्रशेखरजी लोकसभा चुनाव जीतते थे 105) इच्छा, आकांक्षा 106) बादल का चिल्लाना 110) प्रशंसा, साधु–वाद 111) मुगल सम्राट अकबर का चतुर मंत्री 112) सेतु 113) माता, जननी 114) रामायण में श्रीरामजी के पिता

Åij ls uhps %& 1) चार युगों में तिसरा युग 2) मार्गप्रदर्शक (उर्दू) 3) समय का प्रवाह, यमराज 4) जन्म 5) शुश्रुषा 7) भीषण, कठीन, भयंकर 8) बहस 9) हिमाचल प्रदेश का एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल 10) जिस समय 11) हिन्दूओं का एक पावन त्यौहार 12) हमेशा 13) कमाने के लिए किसीको प्रवृत्त करना 15) वाद्य बजानेवाला 18) चित्तीदार, रंगबिरंगा 22) कलंकित 23) भेड़ बकरियां चरानेवाला 24) मदिरा 25) विश्व, जगत 26) अमीर 29) गीदड़ 31) स्वार्थी (उर्दू) 34) एक पक्षी 35) हंसोड़ 39) समान होने का भाव, बराबरी 41) यौवन 42) आफत 43) चूर्ण 45) रात को सुगंध देनेवाला फुलों का एक पेड़ 46) नाई का एक औजार, छुरा 48) राजा 51) वाटिका 52) खींचातानी 53) नाकामयाब 56) एक प्रसिद्ध गायिका जिसे भारत सरकार द्वारा पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया 58) एक सफेद जलपक्षी 59) दूर्वचन करना, गाली देना 61) भूकंप 62) यंत्र (अं.) 63) पूर्ण पंडित, पूर्ण जानकार 65) सत्य 66) कमल के समान सुन्दर हाथ 70) पेड़ का धड़ 71) हिन्दू धर्म में वर्णित प्राचीन आश्रमों की संख्या 72) बहुत प्रसन्न होना इस अर्थवाला एक मुहावरा 74) मां के पिता के पिता 75) मकान 78) जिसको पढ़ना, लिखना बिलकुल आता न हो 79) गंध, रहना 82) असावधान 83) सख्त 84) विफल, असफल 87) केश 88) यदि 89) बैल गाड़ी या रिक्शा का छत 90) कठोर 93) पानी 94) ढाक, रेसु 95) .... मगर करना, तरह तरह के बहाने बनाना 96) सुखी भूमि, स्थल 97) पक्षाघात 98) 'मीत' के लिए गीतों में प्रयुक्त संबोधनवाची शब्द 99) हिन्दू धर्म में वर्णित चार युगों में से एक 100) किनारा (उर्दू) 101) वन 104) कॉपी, कागज के लिखने के पन्नों की पुस्तिका 105) सपना, स्वप्न 107) एक धातू 108) कुल, घराना 109) हस्त (जबाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

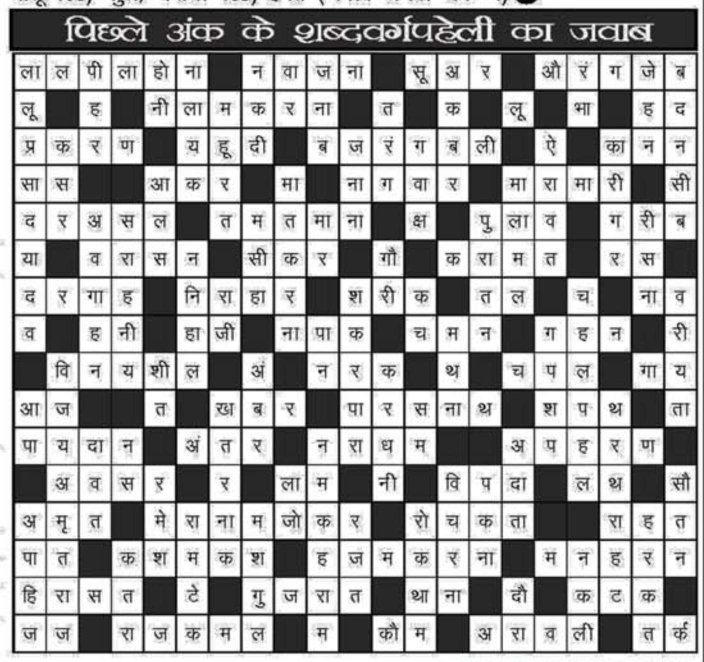

anumeya-08446302691

जग प्रेरणा
व्यापार समाचार
● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

खास तरह के उर्वरक को बढ़ावा देने के लिए सही नीति की जरूरत : एफएआई

गांधीनगर, (भाषा)।

उद्योग निकाय 'फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ़इंडिया' (एफएआई) ने कहा कि है भारत में जैव-उत्प्रेरक (बायोस्टिमुलेंट्स) जैसे खास तरह के उर्वरक की बिक्री बढ़ रही है और ऐसे उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए सही नीति की जरूरत है।

एसोसिएशन ने कहा कि मौजूदा प्रणाली मुख्य रूप से थोक उर्वरक के लिए बनाई गई है और हो सकता है कि यह नए उत्पादों को ठीक से समर्थन न कर पाए। इसलिए, वितरण प्रणाली पर फिर से विचार करने की जरूरत है।

एफएआई के प्रमुख (सांख्यिकी और आईटी) कुलदीप सती ने 2-4 जुलाई तक यहां आयोजित 'स्पेशलिटी उर्वरक समिट एंड बी टू बी एक्सपो 2026' (एसओएमएस 2026) में कहा, ''खास तरह के उर्वरक की बिक्री बढ़ रही है और किसान जरूरत के हिसाब से इस्तेमाल होने वाले ऐसे उर्वरक की अहमियत समझते हैं।''

उन्होंने कहा कि उर्वरक का वितरण पूरी तरह से सरकार के नियंत्रण में है और सभी मुख्य और सब्सिडी वाले उर्वरक की आवाजाही पर एक ऑनलाइन वेब-आधारित प्रणाली - 'एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली' (आईएफएमएस) - के जरिये निगरानी रखी जाती है।

उन्होंने कहा, ''मौजूदा प्रणाली मुख्य रूप से थोक उर्वरक के लिए बनाई गई है और हो सकता है कि यह नए उत्पादों को ठीक से समर्थन न कर पाए।''

सती ने बताया कि आंकड़ों के अनुसार, पारंपरिक और खास तरह के उर्वरक बेचने वाली कंपनियों के कुल बिक्री केन्द्रों की संख्या तीन लाख है। उन्होंने कहा कि उर्वरक वितरण प्रणाली में सुधार की जरूरत है, क्योंकि यह देश भर के 15 करोड़ से ज्यादा किसानों को समय पर पोषक तत्व उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि उर्वरक वितरण में सुधार अब सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि रणनीतिक जरूरत है। साथ ही, उन्होंने कहा कि पोषक तत्वों के इस्तेमाल की क्षमता को बेहतर बनाना भविष्य में खेती के विकास का सबसे टिकाऊ रास्ता है।

सती ने कहा कि अनुमान है कि वर्ष 2050 तक भारत की आबादी मौजूदा लगभग 1.45 अरब से बढ़कर 1.7 अरब हो जाएगी, जबकि अनाज की जरूरत वर्ष 2050 तक 45 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है, जो वर्ष 2025-26 में लगभग 37.6 करोड़ टन के मौजूदा उत्पादन के मुकाबले है।

उन्होंने कहा कि पोषक तत्वों की जरूरत मौजूदा चार करोड़ टन से बढ़कर छह करोड़ टन होने का अनुमान है; इसमें से लगभग 4.5 करोड़ टन रासायनिक उर्वरकों से और बाकी 1.5 करोड़ टन जैविक और बायोलॉजिकल स्रोतों से मिलने की उम्मीद है।

मांग निकलने से अधिकांश तेल-तिलहन कीमतें मजबूत

नई दिल्ली, (भाषा)।

बरसात के मौसम में मांग बढ़ने के बीच देश के तेल-तिलहन बाजारों में शुक्रवार को अधिकांश तेल-तिलहन के दाम में सुधार आया। ऊंचे दाम पर सुस्त कारोबार के बीच सरसों तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे। सूत्रों ने कहा कि मांग बढ़ने से मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन,

कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में मजबूत हो गये। मलेशिया एक्सचेंज दोपहर मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि शिकॉगो एक्सचेंज आज बंद था।

बाजार सूत्रों ने कहा कि पिछले महीने सूरजमुखी, सोयाबीन डीगम, पामतेल जैसे खाद्य तेलों के आयात में लगभग 16 प्रतिशत की गिरावट आई है। ऐसी स्थिति में जो आयातक पहले लागत से जितने नीचे दाम पर आयातित खाद्य तेल को बेचते थे, उसमें कमी आई है। यानी, खाद्य तेलों की बिक्री आयातक अब भी लागत से नीचे दाम पर कर रहे हैं पर जो घाटे का अधिक अंतर पहले था, वह अब कुछ घटा है।

उन्होंने कहा कि ऊंचे दाम वाले सरसों में लिवाली कमजोर है। आयातित तेलों के मुकाबले सरसों कहीं (10-15 प्रतिशत) महंगा है इस वजह से लिवाली कमजोर है। बाजार में कम आवक और कमजोर लिवाली के बीच सरसों तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे।

सूत्रों ने कहा कि बिनौला की उपलब्धता नगण्य है और औद्योगिक मांग के बीच दाम ऊंचा बोले जाने से बिनौला में सुधार है। बिनौले की पूर्ति मूंगफली तेल से की जा रही है। औद्योगिक मांग से मूंगफली तेल-तिलहन में सुधार है। इसी प्रकार, बिनौला तेल की औद्योगिक मांग को पामोलीन द्वारा पूरा किये जाने की वजह से पाम-पामोलीन में भी मामूली सुधार है। आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम की बिकवाली में दाम कुछ बढ़ने से सोयाबीन तेल-तिलहन में भी मामूली सुधार है।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे:

सरसों तिलहन - 7,525-7,550 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली - 6,725-7,300 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,600 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,490-2,790 रुपये प्रति टिन।

सरसों तेल दादरी- 15,525 रुपये प्रति क्विंटल।

सरसों पक्की घानी- 2,565-2,665 रुपये प्रति टिन।

सरसों कच्ची घानी- 2,565-2,710 रुपये प्रति टिन।

सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 15,400 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 15,250 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 11,975 रुपये प्रति क्विंटल।

सीपीओ एक्स-कांडला- 13,400 रुपये प्रति क्विंटल।

बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 15,800 रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 15,400 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन एक्स- कांडला- 14,175 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल।

सोयाबीन दाना - 7,000-7,050 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज- 6,850-6,925 रुपये प्रति क्विंटल।

सरकार ने बारिश की कमी और संभावित सूखे की स्थिति की समीक्षा की, तालमेल के निर्देश जारी..

नई दिल्ली, (भाषा)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद कहा कि सरकार देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम बारिश और संभावित सूखे की स्थिति पर लगातार नजर रख रही है।

शाह ने सभी केंद्रीय विभागों को सतर्क रहने और खरीफ फसलों की बुवाई के बारे में किसानों को सही सलाह देने के लिए राज्यों के साथ तालमेल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, शाह ने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ 'अल नीनो के कारण देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम बारिश और उसके असर की समीक्षा की।'

बैठक में मंत्रियों ने किसानों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, सभी जलाशयों में जल स्तर पर बारीकी से नजर रखने और कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया। जून के दौरान पूरे भारत में बारिश में लगभग 40 प्रतिशत की कमी देखी गई, जिसमें मध्य भारत सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ, जहां 50.4 प्रतिशत की कमी रही। जुलाई में भी मासिक औसत बारिश सामान्य से कम रहने की उम्मीद है।

कम बारिश के कारण 25 जून तक खरीफ फसलों की बुवाई 23 प्रतिशत घटकर 182.72 लाख हेक्टेयर रह गई। शाह ने कहा, ''सरकार अल नीनो के कारण देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम बारिश और संभावित सूखे की स्थिति पर लगातार नजर रख रही है।''

उन्होंने कृषि मंत्रालय तथा अन्य मंत्रालयों को मौजूदा स्थिति के बारे में सतर्क रहने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे राज्य सरकारों के साथ तालमेल बिठाएं और किसानों को सही फसलें बोने की सलाह दें।

बैठक में गृह और कृषि सचिवों के साथ-साथ विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस बैठक में जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प विभाग, उपभोक्ता मामले विभाग, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय; पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, बिजली मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव भी शामिल हुए।

बैठक में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य और डिवीजन प्रमुख, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान तथा राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) सहित कई अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

सरकार का दावा, पेट्रोल में एथनॉल मिलाने का कार्यक्रम वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार ने देश के ई20 एथनॉल कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही विभिन्न भ्रामक जानकारियों को शुक्रवार को स्पष्टीकरण जारी किया। सरकार ने कहा कि 20 प्रतिशत एथनॉल मिले पेट्रोल को लेकर गलत जानकारियां फैलाई जा रही हैं, जो पूरी तरह से गलत हैं।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 10 बिंदुओं में स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम वैज्ञानिक अध्ययन, वैश्विक अनुभव और नियामकीय सुरक्षा उपायों पर आधारित है। इस कार्यक्रम के तहत पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिलाया जाता है।

मंत्रालय ने उन दावों को खारिज कर दिया कि एक लीटर एथनॉल बनाने में 10,000 लीटर पानी खर्च होता है और कहा कि एथनॉल बनाने के लिए सिर्फ़ वही अतिरिक्त चावल इस्तेमाल किया जाता है जो देश की खाद्य सुरक्षा ज़रूरतों को पूरा करने के बाद बचता है।

मंत्रालय ने कहा कि एथनॉल उत्पादन में प्रति लीटर मात्र करीब तीनङ्कपांच लीटर प्रसंस्कृत पानी का उपयोग होता है और अब 'जीरो लिक्विड डिस्चार्ज' प्रणाली का उपयोग कर पानी का पुनर्चक्रण किया जाता हैं।

सरकार ने यह भी बताया कि अब एथनॉल उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल में मुख्य रूप से मक्का का उपयोग बढ़ा है। मक्का उत्पादन में धान की तुलना में कम पानी की जरूरत होती है और इसे प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। वाहनों पर प्रभाव को लेकर मंत्रालय ने कहा कि भारतीय वाहन अनुसंधान संघ (एआरएआई) ने लगभग 40,000 किलोमीटर (कारों पर) और 20,000 किलोमीटर (दो-पहिया वाहनों) पर परीक्षण किए, जिसमें वाहन के प्रदर्शन या ईंधन दक्षता पर कोई बड़ा नकारात्मक असर नहीं पाया गया। केवल माइलेज में कुछ हद तक बदलाव देखा गया।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका, ब्राज़ील, कनाडा, जापान और कई यूरोपीय देशों में लंबे समय से एथनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग हो रहा है। मंत्रालय ने इंजन क्षति या वारंटी खत्म होने जैसे दावों को भी खारिज करते हुए कहा कि वाहन विनिर्माता और बीमा कंपनियां स्पष्ट कर चुकी हैं कि ई20 के लिए निर्मित वाहनों की वारंटी और बीमा वैध रहते हैं।

मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर वायरल उन दावों को भी गलत बताया जिसमें कहा गया था कि ई20 ईंधन से चींटियां और मधुमक्खियां आकर्षित होती हैं। अंत में सरकार ने कहा कि ई20 कार्यक्रम को लेकर उच्चतम न्यायालय में चर्चा अनुबंध संबंधी मामलों से जुड़ी थी, न कि इस नीति की वैज्ञानिक उपयोगिता पर सवाल से।

ई20 ईंधन से इंजन खराब होने या वाहन के पुर्जों में जंग लगने के आरोपों पर सरकार ने कहा कि एआरएआई ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफपेट्रोलियम और सोसायटी ऑफइंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के साथ मिलकर अध्ययन किया है।

मंत्रालय ने उन दावों को भी खारिज कर दिया कि ई20 से गाड़ियों के ईंधन टैंक में पानी जा सकता है। इसी तरह, पेट्रोल में गन्ने का रस मिलाए जाने का दावा करने वाले वायरल वीडियो को भी मनगढ़ंत बताया गया। सरकार ने कहा गया कि ईंधन एथनॉल औद्योगिक प्रक्रियाओं से बनाया जाता है।

भारत प्रस्तावित शुल्क पर अगले सप्ताह यूएसटीआर के समक्ष रखेगा अपना पक्ष

वाशिंगटन, (भाषा)।

भारत अगले सप्ताह अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के समक्ष प्रस्तावित शुल्क के खिलाफ अपना पक्ष रखेगा और 'बंधुआ मजदूरी' से जुड़े निष्कर्षों को कानूनी रूप से दोषपूर्ण बताते हुए चुनौती देगा। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों के मुताबिक, वाणिज्य मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ उद्योग संगठनों एपीडा, फिक्की, सीआईआई और एक्मा के प्रतिनिधि आठ जुलाई को होने वाली सार्वजनिक सुनवाई में यूएसटीआर के प्रस्ताव के खिलाफ भारत का पक्ष रखेंगे।

भारत पहले ही लिखित प्रस्तुति में कह चुका है कि यूएसटीआर के निष्कर्ष देश की मजबूत घरेलू कानूनी व्यवस्था को नजरअंदाज करते हैं, जिसमें बंधुआ मजदूरी को रोकने के लिए स्पष्ट कानूनी प्रतिबंध, संस्थागत व्यवस्था और नीतिगत उपाय शामिल हैं।

पिछले महीने यूएसटीआर ने 'व्यापार अधिनियम, 1974' की धारा 301 के तहत भारत से आयातित वस्तुओं पर 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा था। इसी तरह की कार्रवाई अन्य देशों के खिलाफ भी प्रस्तावित की गई है। धारा 301 को अमेरिका का एक शक्तिशाली एकतरफा व्यापारिक साधन माना जाता है, जिसके तहत वह विदेशी व्यापारिक व्यवहार की जांच कर शुल्क या अन्य प्रतिबंध लगा सकता है।

प्रस्तावित शुल्कों के संदर्भ में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने अपने जवाब में कहा है कि भारत की नीतिगत रूपरेखा 'व्यापार अधिनियम 1974' की धारा 301(बी) के तहत 'अतार्किक' या 'भेदभावपूर्ण' नहीं मानी जा सकती। सीआईआई ने यह भी कहा कि भारत में संवैधानिक और वैधानिक ढांचा ऐसा है, जो कंपनियों को बंधुआ मजदूरी की अनुमति नहीं देता है।

फिक्की ने अपने लिखित जवाब में कहा है कि अमेरिकी बाजार को आपूर्ति करने वाली भारतीय निर्यात श्रृंखलाएं स्थापित अनुपालन मानकों के तहत काम करती हैं, जिनमें अनुसरण-योग्यता, आपूर्तिकर्ता जांच, स्वतंत्र ऑडिट और जिम्मेदार खरीद व्यवस्था शामिल हैं।

वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एक्मा) ने कहा है कि भारत का वाहन कलपुर्जा विनिर्माण क्षेत्र मुख्यतः संगठित, प्रौद्योगिकी-आधारित और श्रम एवं अनुपालन मानकों के अधीन है, लिहाजा इसमें बंधुआ मजदूरी का इस्तेमाल न तो अंतर्निहित है और न ही स्वाभाविक।

इसके अलावा, अखिल भारतीय मसाला निर्यातक मंच और अखिल भारतीय सब्जी डिहाइड्रेटेड विनिर्माता विकास संघ ने भी इस मुद्दे पर यूएसटीआर को अपनी लिखित टिप्पणियां सौंपी हैं।

आईटी मंत्रालय इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक विज्ञापनों के आरोपों पर मेटा को तलब करेगा

नई दिल्ली, (भाषा)।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारियों को इंटरनेट कंपनी मेटा को तलब करने का निर्देश दिया है। यह कदम मेटा के मंच इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों के आरोपों के बाद उठाया गया है।

आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि मंत्रालय मेटा से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगेगा और यह भी पूछेगा कि ऐसे विज्ञापनों को रोकने के लिए कंपनी ने क्या कार्रवाई की है। यह इस सप्ताह मेटा के खिलाफ दूसरी नियामकीय कार्रवाई है। इससे पहले सरकार ने व्हाट्सऐप के 'यूजरनेम' फीचर को लेकर भी मेटा को नोटिस जारी किया था और इसे फिलहाल रोकने का निर्देश दिया था।

अमेरिकी कंपनी मेटा लोकप्रिय सोशल मीडिया मंचों फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप का संचालन करती है। नया मामला 'बीबीसी' की एक रिपोर्ट से सामने आया है जिसके मुताबिक मेटा का एल्गोरिदम ऐसे वीडियो को बढ़ावा दे रहा था, जिनमें बाल यौन शोषण सामग्री शामिल थी। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ऐसे विज्ञापन दिखे, जबकि कंपनी की नीतियां इस तरह की सामग्री पर रोक लगाती हैं। सूत्रों ने कहा कि सरकार मेटा से यह जानना चाहती है कि ऐसे विज्ञापन उसके मंच पर किस तरह स्वीकृत हुए। इसके अलावा आरोप सामने आने के बाद उठाए गए सुधारात्मक कदम और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए किए गए सुरक्षा उपायों के बारे में भी कंपनी को बताना होगा। सरकार का मानना है कि यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं, तो मेटा 'तीसरे पक्ष की सामग्री' का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती है, खासकर तब जब ऐसे विज्ञापनों से उसे राजस्व मिलता है। आईटी अधिनियम की धारा 67बी के तहत बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री का प्रकाशन, प्रसारण या संग्रह करना दंडनीय अपराध है। आईटी नियमों के अनुसार, सोशल मीडिया मंचों पर आवश्यक सावधानी बरतना अनिवार्य है, अन्यथा 'सुरक्षित पनाहगाह' संरक्षण समाप्त हो सकता है।

मेटा ने एक बयान में कहा कि कंपनी ऐसी सामग्री को एकदम बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाती है और उल्लंघनकारी सामग्री की पहचान के लिए उन्नत एआई प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है। कंपनी के मुताबिक, वह इस तरह की सामग्री को हटाने और संबंधित लिंक ब्लॉक करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा
लांजी किरनापुर हट्टा
● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● रिसेवाड़ा ● बहेला ● साडरा ● हिर्री ● रजेगांव

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

हैकफोर्स के सहायक सेनानी चंचलेश मरकाम बने एस डी ओ पी..

बंदनखेड़ा कैंप में दी भावभीनी बिदाई..

जगप्रेरणा लांजी।

थाना बिरसा हॉक फोर्स एसटीजी-07 पुलिस चौकी बंधनखेरो में सहायक सेनानी के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले चंचलेश मरकाम के एसडीओपी सिवनी

पद पर पदस्थ होने के उपरांत 1 जुलाई को हॉक फोर्स एसटीजी-07 कैंप बंधनखेड़ो में उनके सम्मान में विदाई समारोह एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निरीक्षक मोहन मरावी, सहायक उप निरीक्षक बृजेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक हरेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक कमलेश कोल सहित एसटीजी-07 कैंप बंधनखेड़ो के समस्त अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। सभी ने श्री मरकाम को नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हॉक फोर्स में अपने कार्यकाल के दौरान चंचलेश मरकाम ने नक्सल उन्मूलन अभियान में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने कई महत्वपूर्ण अभियानों का सफल नेतृत्व करते हुए क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी कार्यकुशलता, साहसिक निर्णय क्षमता और कर्तव्यनिष्ठा की विभागीय अधिकारियों एवं जवानों द्वारा सदैव सराहना की गई। श्री मरकाम ने केवल सुरक्षा अभियानों तक ही अपनी जिम्मेदारी सीमित नहीं रखी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस और आमजन के बीच विश्वास एवं समन्वय स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सरल, सौम्य और मिलनसार व्यवहार के कारण स्थानीय ग्रामीणों के साथ उनके आत्मीय संबंध बने रहे, जिससे पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित हुआ

विदाई समारोह के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिकारियों एवं जवानों ने सामूहिक रूप से वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि श्री मरकाम ने अपने कार्यकाल में अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट नेतृत्व का परिचय दिया है तथा उनके अनुभव और कार्यशैली का लाभ अब सिवनी जिले को मिलेगा। समारोह के अंत में एसटीजी-07 कैंप बंधनखेड़ो के अधिकारियों एवं जवानों ने श्री चंचलेश मरकाम को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा एसडीओपी सिवनी के रूप में उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाओं के साथ भावभीनी विदाई दी।

बढ़ते जलस्तर के बीच पुलिस बनी जीवन रक्षक 16 ग्रामीण सुरक्षित निकाले..

थाना किरनापुर पुलिस, थाना हट्टा पुलिस, एसडीआरएफ एवं हाक फोर्स की तत्परता से बाढ़ में फंसे खेत पर कार्य करने गए 16 ग्रामीणों का सफल रेस्क्यू..

जगप्रेरणा किरनापुर।

लगातार हो रही मूसलाधार वर्षा के कारण थाना किरनापुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भानपुर में खेत पर कृषि कार्य करने गए लगभग 16 ग्रामीण अचानक आई

बाढ़ की चपेट में आ गए तेज बारिश के कारण नदी नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया जिससे उनके आने-जाने का मार्ग पूरी तरह बंद हो गया जल स्तर लगातार बढ़ने से सभी ग्रामीण बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंस गए घटना की सूचना प्राप्त होते ही थाना किरनापुर पुलिस बिना विलंब किए एसडीआरएफ थाना हट्टा पुलिस एवं हाक फोर्स गोदरी के साथ संयुक्त रेस्क्यू अभियान प्रारंभ किया संयुक्त टीम ने विषम परिस्थितियों एवं तेज बहाव के बीच सहज सूझबूझ एवं समन्वय का परिचय देते हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पहुंचकर सभी 16 ग्रामीण का सुरक्षित रेस्क्यू किया तथा उन्हें सकुशल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। समय पर की गई त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के कारण सभी ग्रामीण सुरक्षित बचा लिए गए तथा किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। बालाघाट पुलिस की आमजन से अपील- वर्तमान में जिले में लगातार वर्षा के कारण कई नदी नाले उफान पर है तथा अनेक फुल पुलियों एवं मार्गों पर जल भराव की स्थिति निर्मित हो रही है आम जन से अनुरोध है कि खेतों में कार्य करने जाने से पूर्व मौसम एवं जलस्तर की जानकारी अवश्य प्राप्त करें । तथा तेज वर्षा के दौरान नदी नाले पुल पुलिया एवं जलमग्र मार्गो को पार करने का प्रयास बिल्कुल न करें।

जन सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए बालाघाट पुलिस द्वारा जिले के सभी बाढ़ प्रभावित एवं जलमग्न मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती कर आवश्यक बैरीकेडिंग की गई है आमजन से अनुरोध है की बैरी केडिंग हटाकर अथवा पुलिस द्वारा प्रतिबंधित मार्गो से आवागमन का प्रयास न करें तथा पुलिस एवं प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी निर्दोष निर्देशों का पूर्णता पालन करें किसी भी आपातकालीन स्थिति में तत्काल डायल 112 अथवा निकटतम पुलिस थाना को सूचना दे।

कुलपा गुड़ाखू फैक्ट्री बनी चर्चा का विषय नियमों की अनदेखी,संचालन महाराष्ट्र से..

जगप्रेरणा लांजी।

महाराष्ट्र की सीमा से महज कुछ किलोमीटर दूर मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले की लांजी तहसील का छोटा सा ग्राम कुल्पा इन दिनों एक ऐसे कारोबार का गवाह बना हुआ है,

जिसकी भनक तक जिम्मेदार विभागों को नहीं लगने की चर्चा है। गांव के बीचों-बीच संचालित एक गुड़ाखू निर्माण इकाई में दिनभर तंबाकू और गुड़ की राब का मिश्रण तैयार होता है, डिब्बियों पर शिवनाथ गुड़ाखू के लेबल चिपकाए जाते हैं और यह पूरा काम ऐसे चलता है मानो किसी सरकारी नियम-कायदे का यहां कोई अस्तित्व ही न हो। सबसे हैरानी की बात यह है कि ग्रामीणों के अनुसार इस इकाई का संचालन महाराष्ट्र के गोंदिया जिले का एक कारोबारी कर रहा है। सवाल यह नहीं कि कारोबार कौन कर रहा है, बल्कि यह है कि यदि सब कुछ वैध है तो स्थानीय पंचायत, संबंधित विभागों और अन्य सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष इसकी वैधानिक अनुमति और लाइसेंस क्यों दिखाई नहीं दे रहे? फैक्ट्री के भीतर काम कर रहे मजदूरों की हालत और भी चिंताजनक दिखाई देती है। कोई मास्क नहीं, हाथों में दस्ताने नहीं, आंखों पर सुरक्षा चश्मा नहीं। तंबाकू की धूल और निकोटीन के बीच घंटों काम करना उनकी मजबूरी बन चुका है। शायद उन्हें यह मालूम भी नहीं कि लगातार निकोटीन के संपर्क में रहने से त्वचा, फेफड़ों और शरीर पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। पेट की आग बुझाने निकले ये मजदूर अनजाने में अपने स्वास्थ्य को दांव पर लगा रहे हैं।

नियमों की सूची लंबी, पालन कहीं दिखाई नहीं दिया..

गुड़ाखू जैसी तंबाकू उत्पाद निर्माण इकाई के संचालन के लिए तंबाकू निर्माण संबंधी वैधानिक अनुमति, फैक्ट्री पंजीयन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की स्वीकृति, स्थानीय निकाय की अनुमति, अग्निशमन सुरक्षा प्रमाणपत्र सहित कई कानूनी प्रक्रियाएं आवश्यक होती हैं। जबकि इस संबंध में ग्राम पंचायत कुल्पा से ऐसी कोई अनुमति जारी नहीं की गई है। फैक्ट्री स्थल पर कर्मचारियों द्वारा तैयार डिब्बियों पर शिवनाथ गुड़ाखू के लेबल लगाए जाते दिखाई दिए। अब यह जांच का विषय है कि इस ब्रांड का अधिकृत निर्माता कौन है, इसका ट्रेडमार्क किसके नाम पंजीकृत है और ग्राम कुल्पा स्थित इकाई को इस ब्रांड के निर्माण अथवा पैकेजिंग की वैधानिक अनुमति प्राप्त है या नहीं। वहीं इस मामले में यह भी एक महत्वपूर्ण पहलू है कि महाराष्ट्र की सीमा से सटे इस गांव को ही निर्माण इकाई के लिए क्यों चुना गया। क्या यह केवल व्यावसायिक सुविधा है या इसके पीछे कोई और कारण है? इसका उत्तर केवल सक्षम विभागों की जांच ही दे सकती है।

बिना नाम-पते की फैक्ट्री, पहचान सिर्फ 'गुड़ाखू फैक्ट्री'..

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस भवन में यह फैक्ट्री संचालित हो रही है, उसके बाहर कहीं भी फैक्ट्री का नाम, पंजीयन क्रमांक, कंपनी का बोर्ड, लाइसेंस संबंधी जानकारी अथवा किसी प्रकार का संकेतक अंकित नहीं मिला। दूर से देखने पर यह एक सामान्य भवन जैसा दिखाई देता है, जिससे किसी बाहरी व्यक्ति के लिए यह समझ पाना मुश्किल है कि भीतर तंबाकू उत्पाद का निर्माण किया जा रहा है। क्षेत्र के लोग भी इस इकाई को किसी कंपनी के नाम से नहीं, बल्कि केवल गुड़ाखू फैक्ट्री के नाम से जानते हैं। यदि यह इकाई पूरी तरह वैध रूप से संचालित हो रही है, तो फिर इसकी पहचान सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित क्यों नहीं की गई? भवन पर नाम, पंजीयन या लाइसेंस संबंधी जानकारी का अभाव जांच का एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है, जिसकी पुष्टि संबंधित विभागों को मौके पर पहुंचकर करनी चाहिए।

बोले सरपंच श्रीमती सुनैना जतिन नगपुरे..

हमारे द्वारा उक्त फैक्ट्री के संचालन के लिये किसी प्रकार की कोई एनओसी नहीं दी गई है और न ही फैक्ट्री संचालक द्वारा हमसे कोई संपर्क किया गया है। इस संबंध में मेरे द्वारा जानकारी लेने के लिये अपने प्रतिनिधी को भेजा गया था परंतु उन्हें भी फैक्ट्री के कर्मचारियों ने कोई जानकारी नहीं दी।

बोले एसडीएम कमलचंद सिंहसार..

इस संबंध में आपको द्वारा अवगत कराया गया है, क्षेत्र में अगर इस तरह कोई बिना प्रशासनिक अनुमति के फैक्ट्री का संचालन कर रहा है तो उन्हें इस संबंध में प्रशासन को अवगत कराना चाहिए था। जांच टीम भेजकर जांच कराई जाएगी और फैक्ट्री का संचालन अगर नियम विरूद्ध होगा तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

विकसित भारत जी राम जी का मोहझरी से हुआ शुभारंभ

जनपद स्तरीय कार्यक्रम संपन्न

जगप्रेरणा लांजी।

मनरेगा अधिनियम की जगह 1 जुलाई 2026 से लागू हुई वीबीजीरामजी योजना (विकसित भारत जी राम जी योजना) के शुभारंभ पर

जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत मोहझरी में किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर वेब कास्टिंग के माध्यम से नए अधिनियम का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें रोजगार, कार्य योजना एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारी सभी ग्राम पंचायतों तक पहुंचाई गई।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथियों द्वारा पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्व्लन से हुई। तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण एवं स्वागत किया गया। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जितेंद्र सेवाइवार जनपद पंचायत लांजी ने कार्यक्रम के उद्देश्य और वीबीजीरामजी योजना की मुख्य विशेषताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

इसके बाद उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने योजना पर अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे ने वीबीजीरामजी एक्ट के बारे में विस्तृत उद्बोधन दिया और ग्रामीणों को योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

इस दौरान मुख्य रूप से विधायक राजकुमार कर्राहे, उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सभापति दिनेश लाडे, रेवाजी कर्राहटकारे, सीताराम रावते, श्रीमती मनीषा नाकतोड़े सरपंच मोहझरी, श्रीमती रीता रावते उपसरपंच मोहझरी, सरपंच सावरीकला, सरपंच टेमनी, सरपंच चिखलामली, प्रभारी सीईओ, सहायक यंत्री टी.पी. परते, जितेंद्र सेवईवार एएओ, श्रीमती सुनीता तिवारी पीसीओ, दीपक रामटेके उपयंत्री, सुरेश कुहाने, महेश मेश्राम, परमानंद बोरकर, अतीत फूलमारी (एनआरएलएम) सहित समीपस्थ ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, श्री पटले (सचिव मोहझरी) एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक व ग्रामीण जनसमूह उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में 'दीक्षा आरंभ' कार्यक्रम संपन्न..

पौधों का रोपण कर नव प्रवेशित छात्रों का तिलक लगाकर हुआ स्वागत..

जगप्रेरणा किरनापुर।

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश अनुसार शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में दिनांक 02 जुलाई 2026 को स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के नव प्रवेशित विद्यार्थियों के

स्वागत हेतु दीक्षा आरंभ (इंडक्शन प्रोग्राम) का गरिमामय आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर पल्लवी रिनाहिते के कुशल निर्देशन एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय परंपरा के अनुसार नए विद्यार्थियों का तिलक लगाकर और मुंह मीठा करा कर आत्मीय स्वागत के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए परिसर में महाविद्यालय परिवार और नवागंतुक छात्रों द्वारा दीक्षा आरंभ के उपलक्ष्य में पौधों का रोपण किया गया।

शैक्षणिक सत्र की शुरुआत करते हुए महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर तीरथ सिंन्हा और डॉक्टर डालेश कुमार विजयवार ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के नए पाठ्यक्रम विषय चयन की प्रक्रिया और क्रेडिट सिस्टम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही अंजलि मेरावी एवं वरेण्य सीरसाटे एवं साक्षी बांसोड़ ने महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधिया खेलकूद, एनसीसी ,एनएसएस और शासन द्वारा मिलने वाली विभिन्न छात्रवृत्तियों (स्कॉलरशिप) के नियमों व पात्रता के बारे में छात्रों का मार्गदर्शन किया ।

प्राचार्य डॉक्टर पल्लवी विनायक ने अपने संदेश में नए छात्रों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए अनुशासन अनियमितता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया इस प्रेरणादाई कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शैक्षिक अधिकारी गैर शैक्षणिक कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नव प्रवेशित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

लक्ष्मीकांता कॉलेज में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का हुआ दीक्षारंभ समारोह

महाविद्यालय के वातावरण से कराया अवगत..

जगप्रेरणा लांजी।

उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफटेक्नालॉजी, लांजी में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए

तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह सत्र 2026-27 कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों की महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' परीक्षा प्रणाली , कैरियर मार्गदर्शन, छात्रवृत्ति योजनाएँ, एंटीरैगिंग संबंधी प्रावधान, रेड रिबन, रेड क्रास तथा महाविद्यालय वातावरण से परिचय कराना हैं।

कार्यक्रम की श्रृखंला में महाविद्यालय के प्रवेश प्रभारी द्वारा प्रोफेसर दीपक धुवारे द्वारा प्रवेश संबंधी जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई। साथ ही महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ द्वारा अलग-अलग विषयों पर जानकारी दी गई जिसमें महाविद्यालय की स्थापना से लेकर आज तक की उपलब्धियों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। उन्हे ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' मानसिक स्वास्थ्य उत्पीड़न एंटी रैगिंग प्रावधान तथा महाविद्यालय में संचालित गतिविधियों जैसे राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड-रिबन, रेड-क्रास, खेल-कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में महाविद्यालय के छात्रवृत्ति प्रभारी द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, गाँव की बेटी योजना, आवास सहायता योजना तथा अन्य छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया।

इस कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टॉफ का योगदान रहा।

सराफा व्यापारी से लुट कांड में पुलिस ने बनाई 7 टीमें..

सूचना देने पर 10 हजार का इनाम..

जगप्रेरणा लांजी।

वार्ड क्रमांक 11 निवासी सराफा व्यवसायी कपिल आसटकर के साथ 28 जून 2026 की रात्रि हुई लूट की घटना के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में लगातार जुटी हुई है। मामले के शीघ्र खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में व्यापक स्तर पर जांच की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीओपी लांजी श्रीमती प्रतिष्ठा राठौर के नेतृत्व में सात अलग-अलग विशेष टीमों का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम का प्रभारी उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी को बनाया गया है। सभी टीमें घटना से जुड़े प्रत्येक पहलू की गहनता से जांच कर रही हैं तथा छोटे-छोटे बिंदुओं और संभावित कारणों का सूक्ष्म विश्लेषण किया जा रहा है। पुलिस ने आमजन से भी सहयोग की अपील की है। यदि किसी व्यक्ति ने 28 जून 2026 की रात्रि लगभग 8 बजे घटना के दौरान या घटना के बाद तीन मोटरसाइकिलों पर सवार संदिग्ध आरोपियों को देखा हो, अथवा उन्हें बैग लेकर मोटरसाइकिल या पैदल भागते हुए देखा हो, या उनके हुलिये अथवा उपयोग की गई मोटर साइकिल के संबंध में कोई जानकारी हो, तो तत्काल थाना लांजी में सूचना दें।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। साथ ही, उपयोगी एवं आरोपियों की गिरफ्तारी में सहायक सूचना देने वाले को 10,000 रुपए का नगद पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि इस गंभीर मामले के शीघ्र खुलासे में सहयोग करें तथा किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी को बिना विलंब पुलिस तक पहुंचाया जाए।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

करोड़ों की लागत से बना सांदीपनि स्कूल पहली ही बारिश में बेनकाब!

बाउंड्री वॉल गिरी, दीवारों में सीलन-दरारें, सड़क बहने लगी, निर्माण गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

अमन राउत, जगप्रेरणा रजेगांव (बालाघाट)।

मध्यप्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी सांदीपनि स्कूल योजना के तहत ग्राम रजेगांव में करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित हो रहा स्कूल पहली ही बारिश की परीक्षा में बुरी तरह असफल होता दिखाई दे रहा है। निर्माण कार्य अभी पूरी तरह समाप्त भी नहीं हुआ है,

लेकिन शुरुआती बारिश के बाद सामने आए हालात ने निर्माण की गुणवत्ता और कार्यदायी एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बारिश के बाद मौके पर किए गए निरीक्षण में स्कूल परिसर और भवन की स्थिति ने सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण की स्थिति अभी से ऐसी है तो आने वाले वर्षों में भवन और परिसर की स्थिति कैसी होगी, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है।

पहली बारिश में ही ढह गई बाउंड्री वॉल

सबसे गंभीर मामला स्कूल की बाउंड्री वॉल का सामने आया है। पहली ही तेज बारिश में बाउंड्री वॉल का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह धराशायी हो गया। दीवार के साथ लगा विद्युत पोल भी गिर पड़ा, जिससे निर्माण की मजबूती पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। यदि यह घटना स्कूल चालू होने और बच्चों की उपस्थिति के दौरान होती, तो बड़ा हादसा भी हो सकता था।

नई इमारत में ही शुरू हुई सीलन और पानी का रिसाव

मौके पर निरीक्षण के दौरान स्पष्ट रूप से देखा गया कि भवन की नई दीवारों में अभी से पानी का रिसाव (लीकेज) शुरू हो गया है।

कई स्थानों पर दीवारों पर सीलन के निशान स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। एक नई सरकारी इमारत में इतनी जल्दी नमी और रिसाव का दिखाई देना निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा करता है।

दीवारों में दिखाई देने लगीं दरारें

स्थानीय लोगों के अनुसार भवन के कई हिस्सों में अभी से दरारें भी दिखाई देने लगी हैं। निर्माण कार्य पूर्ण होने से पहले ही यदि दीवारों में क्रैक आने लगें तो यह भविष्य में भवन की मजबूती और सुरक्षा को लेकर चिंता का विषय बन जाता है।

सड़क और मिट्टी का कार्य भी पहली बारिश में बहा

स्कूल तक पहुंचने के लिए बनाई गई सड़क के दोनों ओर डाली गई मिट्टी पहली ही बारिश में बहने लगी है। इससे सड़क के किनारे कटाव शुरू हो गया है। यदि समय रहते आवश्यक सुरक्षा कार्य नहीं किए गए तो सड़क की मजबूती भी प्रभावित हो सकती है।

परिसर में जलभराव, आवागमन हुआ मुश्किल

बारिश के कारण स्कूल परिसर और सड़क पर भारी जलभराव की स्थिति बन गई। कई स्थानों पर इतना पानी भर गया कि पैदल निकलना भी कठिन हो गया। ऐसे में सवाल उठता है कि जब स्कूल पूरी तरह शुरू होगा, तब छात्र-छात्राएं और शिक्षक सुरक्षित तरीके से विद्यालय तक कैसे पहुंचेंगे?

निर्माण सामग्री पर भी उठे सवाल

निरीक्षण के दौरान निर्माण स्थल पर रखे सीमेंट के कट्टे भी देखे गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पूरे निर्माण कार्य में उपयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जानी चाहिए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप हुआ है या नहीं। हालांकि केवल निरीक्षण के आधार पर सामग्री की गुणवत्ता का निश्चित निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है।

स्थानीय लोगों की मांग

ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि पूरे निर्माण कार्य की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए। साथ ही निर्माण में उपयोग की गई सामग्री, गुणवत्ता, भुगतान, कार्यदायी एजेंसी और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की सार्वजनिक राशि से बनने वाले स्कूल में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जानी चाहिए।

प्रशासन से अपेक्षा

यह स्कूल क्षेत्र के सैकड़ों बच्चों के भविष्य से जुड़ा है। इसलिए आवश्यक है कि संबंधित विभाग, लोक निर्माण एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन करें। यदि निर्माण में गुणवत्ता संबंधी कोई कमी या अनियमितता पाई जाती है, तो दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए तथा सभी कमियों को दूर कर बच्चों के लिए सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण विद्यालय उपलब्ध कराया जाए।

युवा समर्पण समिति ने की बुर्जुग दंपति की मदद..

जगप्रेरणा बालाघाट।

युवा समर्पण समिति बालाघाट के द्वारा जय स्तंभ चौक बालाघाट में वयोवृद्ध दंपति जो कि बहुत समय से एक झोपड़ी में अपना व्यापार कर रहे थे जिनकी दयनीय स्थिति देखकर युवा समर्पण रक्तदान एंड वेलफेयर सोसाइटी बालाघाट द्वारा एक छोटी सी मुहिम चला कर टीम के सभी सदस्यों

से आर्थिक सहयोग मांग कर दादा दादी को व्यापार को व्यवस्थित रूप से करने के लिए युवा समर्पण रक्तदान एंड वेलफेयर सोसाइटी बालाघाट के द्वारा किया एक ठेला प्रदान किया गया था अब इसी मुहिम को आगे बढ़ाते हुए युवा समर्पण रक्तदान एंड वेलफेयर सोसाइटी मध्यप्रदेश बालाघाट ने टीम के पदाधिकारी और सदस्यगण मिलकर दादा दादी को व्यापार के लिए छत्ता और रेनकोट दिया गया जिसमें उपस्थित युवा समर्पण रक्तदान एंड वेलफेयर बालाघाट की टीम के पदाधिकारी संरक्षक सुभाष सर, अध्यक्ष गौतम ब्रम्हे, कोषाध्यक्ष दीपांशु वराड़े, सदस्य अंकित खरे, युवा समर्पण रक्तदान एंड वेलफेयर सोसाइटी की यह टीम पिछले 13 सालों से गरीब और जरूरतमंदों को निःशुल्क ब्लड दिलवाती है और गरीब और जरूरतमंदों की हर संभव मदद करती है

लगातार बारिश के बीच महज तीन घंटे में बदला ट्रांसफॉर्मर, डेढ़ सौ घरों से अधिक घरों में लौटी बिजली

जगप्रेरणा बालाघाट।

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच ग्राम पंचायत सिवनीकला में ट्रांसफॉर्मर फेल हो जाने से लगभग 150 से अधिक घरों की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। बारिश और खराब मौसम के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

सूचना मिलते ही विद्युत मंडल हट्टा की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ यंत्री जेई बिरजू ऊईके के नेतृत्व में मौके पर पहुंचकर अपने वरिष्ठ अधिकारियों कार्यपालन अभियंता रवि कुमरे एवम सहायक अभियंता अंकित मार्को को सूचना से अवगत करवा कर तुरंत बालाघाट से ट्रांसफॉर्मर बुलवा कर बदलने का कार्य शुरू किया। लगातार बारिश और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद कर्मचारियों ने बिना रुके बारिश के चलते कार्य करते हुए महज तीन घंटे के भीतर नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित कर विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी।

बारिश के कारण क्षेत्र के नदी-नाले उफान पर होने के बावजूद विद्युत विभाग की टीम ने आमजन की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी जिम्मेदारी और तत्परता से कार्य किया। ट्रांसफॉर्मर चालू होते ही करीब डेढ़ सौ घरों से अधिक में बिजली आपूर्ति बहाल हुई, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

ग्राम पंचायत सिवनीकला के सरपंच प्रतिनिधि लक्ष्मीचंद लिल्हारे ने विद्युत मंडल हट्टा की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि सामान्यतः नया ट्रांसफॉर्मर आने में तीन-चार दिन का समय लग जाता है, लेकिन इस बार विभाग ने कुछ ही घंटों में ट्रांसफॉर्मर उपलब्ध कराकर बदल दिया गया । उन्होंने इस त्वरित कार्रवाई के लिए विद्युत मंडल हट्टा तथा जेई बिरजू ऊईके सहित पूरी लाइन स्टाफ टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ÷जेई बिरजू ऊईके जनता की समस्या को हमेशा गंभीरता से लेकर तुरंत समाधान करने वाले अधिकारी हैं। उनकी कार्यशैली सराहनीय है।÷

जेई बिरजू ऊईके ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवम उनके सहयोग से विद्युत मंडल हट्टा की टीम हर परिस्थिति में उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विपरीत मौसम में भी हमारे लाइन कर्मचारियों ने पूरी मेहनत और समर्पण के साथ कार्य कर समय पर विद्युत आपूर्ति बहाल की।

ग्राम पंचायत की अनुमति के बिना काट दिए 7 आम के पेड़, ठेकेदार पर होगी एफआईआर; एसडीएम बोले- अंधाधुंध वृक्ष कटाई पर चलेगा सख्त अभियान..

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

परसवाड़ा अनुभाग के ग्राम मझगांव में बिना वैधानिक अनुमति सात फलदार आम के पेड़ों की कटाई का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सूचना मिलते

ही परसवाड़ा एसडीएम श्रीश प्याशी राजस्व अमले के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे मामले का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सात आम के वृक्षों के ठूंठ पाए गए, जिसके बाद मौका पंचनामा तैयार कर जप्ती एवं सुपुर्दगी की कार्रवाई की गई। मामले को गंभीर मानते हुए एसडीएम ने बिना अनुमति पेड़ काटने वाले लकड़ी ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। राजस्व अभिलेखों के अनुसार ग्राम मझगांव, पटवारी हल्का क्रमांक-27, राजस्व निरीक्षक मंडल मझगांव अंतर्गत खसरा क्रमांक 70/4, रकबा 0.405 हेक्टेयर भूमि पर सात फलदार आम के वृक्ष दर्ज थे। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि सभी सात वृक्ष काट दिए गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वृक्षों की कटाई के लिए सक्षम प्राधिकारी से कोई वैधानिक अनुमति प्राप्त नहीं की गई थी। संबंधित पक्ष ने ग्राम पंचायत में अनुमति के लिए आवेदन देने की बात कही, लेकिन मौके पर अनुमति संबंधी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

97 से 134 सेंटीमीटर तक मिले ठूंठ, लकड़ी मौके से गायब

मौका पंचनामा में सातों कटे हुए वृक्षों के ठूंठों का मापन किया गया। इनके व्यास क्रमशः 97, 76, 79, 112, 134, 70 और 79 सेंटीमीटर दर्ज किए गए। पंचनामा में यह भी उल्लेख किया गया कि कटे हुए वृक्षों की लकड़ी मौके पर उपलब्ध नहीं मिली, जिससे स्पष्ट है कि कटाई के बाद लकड़ी को वहां से हटा दिया गया था।

ग्राम पटेल को सौंपी गई सुपुर्दगी

प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान कटे हुए सात आम के वृक्षों की सुपुर्दगी ग्राम पटेल तीरथ चौधरी को दी गई। सुपुर्दगीनामा के अनुसार यह कार्रवाई 3 जुलाई 2026 को दोपहर 2:30 बजे ग्राम मझगांव में की गई। वहीं जप्तीनामा में धीरजलाल पिता पिच्चासाव हिर्वाने, निवासी ग्राम महागांव, का नाम दर्ज है। जप्ती की कार्रवाई भी 3 जुलाई को दोपहर 2:30 बजे पूरी की गई।

एसडीएम बोले- ठेकेदार पर होगी एफआईआर

परसवाड़ा एसडीएम श्रीश प्याशी ने कहा, ÷पेड़ कटाई का जो मामला सामने आया है, उसमें बिना अनुमति के पेड़ काटने वाले ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाएगी। इसके अलावा क्षेत्र में फलदार वृक्षों की जो अंधाधुंध कटाई की जा रही है, उस पर भी विधि अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी स्थिति में नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।÷

अवैध वृक्ष कटाई पर चलेगा विशेष अभियान

एसडीएम के निर्देश के बाद प्रशासन ने पूरे परसवाड़ा क्षेत्र में अवैध वृक्ष कटाई पर निगरानी बढ़ाने का निर्णय लिया है। राजस्व एवं संबंधित विभागों को ऐसे मामलों में संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। बिना अनुमति फलदार या अन्य वृक्षों की कटाई करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के साथ राजस्व एवं अन्य प्रासंगिक कानूनों के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। परसवाड़ा क्षेत्र में पिछले कुछ समय से फलदार और अन्य उपयोगी वृक्षों की अवैध कटाई की शिकायतें लगातार मिल रही हैं।

पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण इन वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से हरित आवरण तेजी से प्रभावित हो रहा है। प्रशासन का मानना है कि इस तरह की कार्रवाई से न केवल अवैध वृक्ष कटाई पर प्रभावी अंकुश लगेगा, बल्कि भविष्य में नियमों की अनदेखी करने वालों के लिए भी यह कड़ा संदेश साबित होगी।

जिले में 03 जुलाई तक 182 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज..

बालाघाट तहसील में सबसे अधिक 311 मिलीमीटर और बिरसा तहसील में सबसे कम 57 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड

जिले में बीते 24 घंटे में 72 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड

जगप्रेरणा बालाघाट।

चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 1 जून से 03 जुलाई 2026 तक कुल 182 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 195 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वार्षिक वर्षा 1447 मिलीमीटर निर्धारित है। जिले में 01 जून से 03 जुलाई तक 267 मिलीमीटर वर्षा हो जाना चाहिए।

कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 03 जुलाई को प्रातः 8 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में 72 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 144 मिलीमीटर, वारासिवनी में 97 मिलीमीटर, बैहर में 68 मिलीमीटर, लांजी में 20 मिलीमीटर, कटंगी में 42 मिलीमीटर, किरनापुर में 141 मिलीमीटर, खैरलांजी में 34 मिलीमीटर, लालबर्रा में 138 मिलीमीटर, बिरसा में 20 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 48 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 43 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

चालू वर्ष में 01 जून से 03 जुलाई तक सबसे अधिक 311 मिलीमीटर वर्षा बालाघाट तहसील में दर्ज की गई है, जबकि सबसे कम 57 मिलीमीटर वर्षा बिरसा तहसील में रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में वारासिवनी तहसील में 300 मिलीमीटर, बैहर में 218 मिलीमीटर, लांजी में 149 मिलीमीटर, कटंगी में 93 मिलीमीटर, किरनापुर में 236 मिलीमीटर, खैरलांजी में 78 मिलीमीटर, लालबर्रा में 219 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 180 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी में 163 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। वर्ष 2025 में इसी अवधि के दौरान बालाघाट तहसील में 329 मिलीमीटर, वारासिवनी में 234 मिलीमीटर, बैहर में 268 मिलीमीटर, लांजी में 112 मिलीमीटर, कटंगी में 69 मिलीमीटर, किरनापुर में 259 मिलीमीटर, खैरलांजी में 61 मिलीमीटर, लालबर्रा में 249 मिलीमीटर, बिरसा में 238 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 240 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 86 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई थी।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

आमगांव मे देर रात झमाझम बारिश: गर्मी से मिली राहत, लेकिन निचले इलाकों में जलभराव से बढ़ी परेशानी..

कहीं खिले किसानों,खेती कार्य को मिली गती कहीं जलभराव और कीचड़ ने बढ़ाई लोगों की मुसीबत..

जगप्रेरणा आमगांव।

आमगांव शहर सहित आमगांव तहसील मे देर रात हुई मूसलाधार बारिश ने शहर में 'कहीं खुशी, कहीं गम' वाली स्थिति पैदा कर दी है। एक ओर जहाँ उमस भरी गर्मी से बेहाल लोगों को

इस झमाझम बारिश से बड़ी राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर जल निकासी के अभाव में कई इलाकों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ है।

किसानों और मौसम में राहत..

रात भर हुई अच्छी बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, यह बारिश धान और अन्य खरीफ फसलों के लिए संजीवनी का काम करेगी। इसके अलावा, मौसम में घुली ठंडक से आम लोगों को भीषण गर्मी और उमस से निजात मिली है। सुबह की शुरुआत खुशनुमा मौसम के साथ हुई।

इन इलाकों में रही परेशानी (गम का पहलू)..

हालाँकि, शहर के निचले इलाकों और पॉश कॉलोनियों में स्थिति थोड़ी विपरीत रही। जैसे नारायण नगर, इंद्रप्रस्थ नगर, यू. पी. ए. सिटी, प्रबल कॉलोनी, रेणुका नगर, नितिन नगर जैसे आदि नगरों में भारी बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव हो गया। कई गलियों में घुटनों तक पानी भर जाने से लोगों को अपने घरों से निकलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। में नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा, जिससे राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी हुई।

प्रशासनिक व्यवस्थाओं की खुली पोल..

इस पहली ही तेज बारिश ने नगर पालिका के दावों की पोल खोल दी है। शहर के कई प्रमुख चौराहों और मुख्य मार्गों पर जलभराव की समस्या देखी गई। ट्रैफिक व्यवस्था भी कुछ देर के लिए बाधित रही। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि समय पर नालियों की सफाई न होने के कारण यह समस्या हर साल विकराल रूप ले लेती है।

अनुसूचित जनजाति की सूची में गड़बड़ी रोकें, विधायक संजय पुराम की मुख्यमंत्री से मांग..

'माना' जनजाति का नाम हटाने और 'मन्नेवारलू' की जगह 'कोलावार' सुधार करने की ज्ञापन के जरिए मांग..

जगप्रेरणा देवरी।

महाराष्ट्र राज्य की अनुसूचित जनजाति **(ST)** सूची में कुछ प्रविष्टियों **(entries)** का दुरुपयोग कर अन्य वर्गों के लोगों द्वारा आदिवासियों के अधिकारों का हनन किए जाने का एक गंभीर मामला सामने आया है।

इस पृष्ठभूमि में, आमगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय पुराम ने राज्य के मुख्यमंत्री और आदिवासी सलाहकार परिषद के अध्यक्ष देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर उन्हें दो अलग-अलग ज्ञापन सौंपे हैं। इन पत्रों के माध्यम से विधायक पुराम ने आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए सूची में महत्वपूर्ण सुधार करने की मांग की है।

विधायक संजय पुराम ने 'आदिवासी अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान' **(TRTI)** पुणे की रिपोर्टों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री से इस विषय पर तुरंत सकारात्मक निर्णय लेने का अनुरोध किया है।

विधायक संजय पुराम द्वारा ज्ञापन में उठाई गई दो प्रमुख मांगें..

'माना' जनजाति का अस्तित्व स्वतंत्र रूप में न होने के कारण इसे सूची से हटाया जाए– मुख्यमंत्री को सौंपे गए पहले पत्र में विधायक पुराम ने उल्लेख किया है कि **TRTI,** पुणे द्वारा सरकार के आदिवासी विकास विभाग को सौंपी गई विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य की अनुसूचित जनजाति सूची के क्रमांक 18 पर दर्ज 'माना' जनजाति स्वतंत्र रूप में अस्तित्व में नहीं है। केवल नाम की समानता (नामसादृश्य) का गलत फायदा उठाकर अन्य वर्गों के लोगों द्वारा इस प्रविष्टि का दुरुपयोग किया जा रहा है। इससे वास्तविक अनुसूचित जनजाति समाज के पात्र लाभार्थियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, और जाति सत्यापन समितियों तथा न्यायालयों पर मामलों का भारी बोझ बढ़ रहा है। इसलिए **TRTI** की दिनांक 08/12/2017 की रिपोर्ट पर विचार करते हुए 'माना' जनजाति का नाम हटाने के संबंध में आदिवासी सलाहकार परिषद के समक्ष विषय रखकर सिफारिश की जाए, ऐसा अनुरोध उन्होंने किया है।

2) 'मन्नेवारलू' के स्थान पर 'कोलावार' सुधार किया जाए–दूसरे पत्र में विधायक पुराम ने अनुसूचित जनजाति सूची के क्रमांक 27 पर दर्ज 'कोलाम, मन्नेवारलू' प्रविष्टि की ओर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया है। आंध्र प्रदेश राज्य ने 2002 के संशोधन अधिनियम के अनुसार नाम की समानता के दुरुपयोग को रोकने के लिए 'मन्नेवारलू' शब्द को हटाकर उसके स्थान पर 'कोलावार' सुधार किया है। उसी तर्ज पर महाराष्ट्र राज्य को भी अपनी सूची से 'मन्नेवारलू' शब्द हटाकर उसके स्थान पर 'कोलावार' सुधार करना चाहिए, यह मांग की गई है। इस संबंध में ज्ञ्रज्ञ्ञ्ढ़, पुणे ने 30/08/2017 को ही आवश्यक सबूतों के साथ रिपोर्ट सौंपी है, जिस पर तुरंत निर्णय लेकर अगला प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाना चाहिए, ऐसा पत्र में कहा गया है।

फैसले पर टिकी जिले की निगाहें..

विधायक संजय पुराम द्वारा अपनाए गए इस आक्रामक और अध्ययनपूर्ण रुख के कारण मूल और वास्तविक आदिवासी समुदायों को उनका न्यायसंगत अधिकार और आरक्षण दिलाने में बड़ी मदद मिलेगी। अब मुख्यमंत्री और आदिवासी सलाहकार परिषद इन दोनों प्रस्तावों पर क्या निर्णय लेते हैं, इस ओर पूरे गोंदिया जिले सहित राज्य के आदिवासी भाई-बहनों की निगाहें टिकी हुई हैं।

आंशिक अनुदानित प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के कर्मचारीयो का 7 एवं 8 को शाला बंद आंदोलन..

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे मो. 9329033433

जगप्रेरणा सालेकसा।

राज्य के 65,000 आंशिक अनुदानित शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी 7 और 8 जुलाई को बढ़े हुए अनुदान की मांग को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में हजारों की संख्या में एकत्रित होंगे।

गोंदिया जिला कृती संगठन के अध्यक्ष प्राचार्य कैलाश बोरकर ने जिले के सभी प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों से अपील की है कि प्रत्येक शिक्षक इन दो दिनों में मुंबई के आजाद मैदान में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर आंदोलन को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इसी अवधि में स्वयं शिक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया था कि अगले अनुदान चरण के लिए आंदोलन करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। लेकिन आज मानसून सत्र शुरू होने में केवल कुछ ही दिन शेष हैं और आंशिक अनुदानित शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को न्याय मिलता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है।

इसी कारण शिक्षक समन्वय संघ ने राज्य की सभी आंशिक अनुदानित शालाओं को दो दिनों तक बंद रखने का निर्णय लिया है।

7 और 8 जुलाई के इस स्कूल बंद आंदोलन को गोंदिया जिला माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक मुख्याध्यापक संघ ने भी अपना समर्थन दिया है। इसलिए जिले के सभी शिक्षकों से 6 जुलाई को मुंबई के लिए प्रस्थान करने का आह्वान गोंदिया जिलाध्यक्ष प्राचार्य कैलाश बोरकर ने किया है।

कई ऑफिसर आए, लेकिन तिरुपति राणे ने दिल में घर कर लिया..

जगप्रेरणा गणेश भदाडे आमगांव।

आमगांव पुलिस स्टेशन को लोगों से जुड़ा चेहरा, अपराधियों पर कड़ी नज़र, जनता के लिए प्यार और प्रशासन में पारदर्शिता का एक आदर्श दिया।

इलाके के लोगों ने उन्हें न सिर्फ एक पुलिस अधिकारी के तौर पर बल्कि अपने परिवार के एक भरोसेमंद सदस्य के तौर पर भी अपनाया। उन्होंने मवेशी तस्करी, डकैती, चोरी और दूसरे गंभीर अपराधों की जांच में शानदार काम किया और कई अपराधों को सफलतापूर्वक सुलझाया। अपराधियों के साथ सख्त और बिना किसी समझौते के पेश आने के साथ-साथ, उन्होंने मासूम और आम नागरिकों के साथ इंसानियत, सब्र और अपनेपन से पेश आने की मिसाल कायम की। कानून के डर और इंसानियत के एहसास के बीच खूबसूरत बैलेंस उनके काम में हमेशा साफदिखता था। उन्होंने आम चुनावों, धार्मिक त्योहारों, समारोहों और संवेदनशील हालात में बड़ी कुशलता से कानून और व्यवस्था बनाए रखी। साथ ही, नागरिकों से सीधा संवाद, शिकायतों का तुरंत समाधान और पुलिस प्रशासन में भरोसे का माहौल बनाना, इन लोगों से जुड़े कामों ने पुलिस और जनता के बीच की दूरी को काफी हद तक कम किया। एक पत्रकार के तौर पर मुझे उन्हें करीब से देखने और उनके काम करने के तरीके को देखने का मौका मिला।

आध्यात्मिक, सकारात्मक सोच, सबका मुस्कुराकर स्वागत करने की आदत, धार्मिक और संस्कारी रवैया, लोगों से आसानी से बातचीत करने का हुनर और प्रशासन में अनुशासित नेतुत्व उनकी व्यक्तिमत्व की खास बातें हैं। राणे अपने नीचे काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के काम पर लगातार कड़ी नज़र रखते थे। उनका साफ भुमिका उन लोगों को बढ़ावा देना था जो ईमानदारी से अपनी कर्तव्य करते थे और कभी चापलूसी में नहीं पड़ते थे। इससे पुलिस में प्रशासन, अनुशासन और अकाउंटेबिलिटी की भावना और मजबूत हुई। पत्रकारों के लिए उनके सम्मान का खास ज़िक्र करना ज़रूरी है। अक्सर पुलिस विभाग और पत्रकार के बीच मतभेदों के उदाहरण मिलते हैं; लेकिन राणे पत्रकारों को लोकशाही का जिम्मेदार चौथा स्तंभ मानते थे और उनसे सम्मान से बात करते थे। उन्होंने आपसी विश्वास, तालमेल और सम्मान के रिश्ते को नई ऊंचाई दी।

आज भी आमगांव तालुका के नागरिक, व्यापारी, पत्रकार, लोकप्रतिनिधि और सोउनके काम का ज़िक्र गर्व से करते हैं। क्योंकि उन्होंने केबल एक्ट लागू नहीं किया, बल्कि समाज के सुख-दुख में शामिल होकर हर नागरिक के साथ सम्मान से पेश आए। उन्होंने एक ऐसे ऑफिसर के तौर पर अपनी पहचान बनाई जो गाते थे कि पब्लिक सर्विस ही भगवान की सच्ची सर्विस है। हालांकि सरकारी नियमों के मुताबिक उनका ट्रांसफर दूसरे पुलिस स्टेशन में हो गया, लेकिन उन्होंने अपने काम से आमगांव के लोगों पर जो छाप छोड़ी, वह हमेशा रहेगी। ऑफिसर बदलते हैं, पोजीशन बदलती हैं; लेकिन इंसानियत, ईमानदारी, ड्यूटी और लोगों को ध्यान में रखकर काम करने वाले एडमिनिस्ट्रेशन के मूल्यों को बनाए रखने वाली पर्सनैलिटी समाज की याद में अमर हो जाती हैं।

पुलिस इंस्पेक्टर तिरुपति अशोक राणे ने आमगांव में जो पब्लिक का भरोसा बनाया, जो इज्ज़त कमाई और इंसानियत से जो रिश्ते बनाए, वही उनकी सर्विस की असली कमाई है। उनके काम करने का तरीका आने वाले पुलिस ऑफिसर्स के लिए ज़रूर इंस्पायरिंग होगा।

आमगांव के इतिहास में सेंसिटिव, ड्यूटी पर रहने वाले, लोगों को ध्यान में रखकर काम करने वाले और आइडियल पुलिस ऑफिसर के तौर पर उनका नाम हमेशा इज्ज़त से याद किया जाएगा। आपकी आगे की सर्विस जर्नी के लिए दिल से बधाई।

किसानों को कर्जमाफी और बोनस बांटने में सरकार द्वारा गुमराह किया जा रहा है..

आदिवासी आघाड़ी कांग्रेस के गोंदिया जिला अध्यक्ष राजकुमार पुराम ने सातबारा क्लियर नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी..

जगप्रेरणा देवरी।

अहिल्यादेवी होल्कर के नाम पर घोषित किसान कर्जमाफी को लागू करने की डेडलाइन 30 जून की जगह जुलाई तक बढ़ाने के फैसले के खिलाफ सरकार पर कर्जमाफी और बोनस बांटने में एक्सटेंशन के नाम पर तारीख पर तारीख देकर किसानों को गुमराह करने का तथा दुसरी ओर बारिश में देरी के कारण आर्थिक मुश्किलों का सामना कर रहे किसानों के प्रति सरकार हमदर्दी न दिखाकर उनका शोषण कर रही है। ऐसा आरोप लगाते हुए, सरकार से बिना किसी छल-कपट के, एकमुश्त तरीके से नियम लागू करके किसानों का सातबारा तुरंत क्लियर करने की मांग की है, यह मांग आदिवासी आघाड़ी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजकुमार पुराम ने शुक्रवार (03 जुलाई) को एक प्रेस रिलीज के जरिए महाराष्ट्र सरकार से मांग की है। आदिवासी आघाड़ी कांग्रेस के गोंदिया ज़िला अध्यक्ष राजकुमार पुराम ने एक प्रेस रिलीज़ में सरकार की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर के नाम पर घोषित योजना को बार-बार टालना उस महान हस्ती का अपमान है।

उन्होंने मांग की कि सरकार किसानों को 'तारीख पर तारीख' देने के वादे बंद करे और असल फ़ैसले को लागू करे। कर्ज़ माफ़ी और बोनस बाँटने में लगातार हो रही देरी से ज़िले के किसानों में बहुत नाराज़गी है। राजकुमार पुराम ने साफ़ किया है कि किसानों को राहत देने के लिए पूरी तरह से कर्ज़ माफ़ी ही एकमात्र ऑप्शन है।

किसानों का सातबारा तुरंत क्लियर किया जाए..

इस बीच, राजकुमार पुराम ने सरकार को चेतावनी दी की, सरकार बारिश में देरी के कारण आर्थिक मुश्किलों का सामना कर रहे किसानों के प्रति हमदर्दी न दिखाकर उनका शोषण कर रही है। ऐसा आरोप लगाते हुए, सरकार से बिना किसी छल-कपट के, एकमुश्त तरीके से नियम लागू करके किसानों का सातबारा तुरंत क्लियर करके घोषित बोनस का तुरंत पेमेंट किया जाए। नहीं तो, सरकार को ज़िले भर के किसानों की भारी नाराज़गी का सामना करना पड़ेगा। ऐसा आदिवासी आघाड़ी कांग्रेस के गोंदिया जिला अध्यक्ष राजकुमार पुराम ने एक प्रेस रिलीज के जरिए स्पष्ट किया है।

महाराष्ट्र नेटबॉल एसोसिएशन का अस्तित्व खतरे में अन्याय के खिलाफ कानूनी लड़ाई का संकल्प..

जगप्रेरणा सालेकसा।

महाराष्ट्र में नेटबॉल खेल के प्रशासन को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। महाराष्ट्र अमेचर नेटबॉल एसोसिएशन की मान्यता कथित रूप से नियमों के विपरीत तरीके से रद्द किए जाने का गंभीर आरोप संगठन के पदाधिकारियों ने लगाया है। इस निर्णय से राज्य में वर्षो से सक्रिय जिला नेटबॉल संघों में भारी नाराजगी देखी जा रही है तथा खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों और खेल से जुड़े अन्य लोगों के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है।

महाराष्ट्र अमेचर नेटबॉल एसोसिएशन की ओर से चंद्रपुर में राज्य की सभी संबद्ध जिला इकाइयों की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में आरोप लगाया गया कि नेटबॉल फेडरेशन ऑफइंडिया ने महाराष्ट्र अमेचर नेटबॉल एसोसिएशन की संबद्धता बिना किसी न्यायसंगत प्रक्रिया का पालन किए समाप्त कर दी और नवगठित राज्य संगठन को मान्यता प्रदान कर दी। पदाधिकारियों ने बताया कि राज्य की अनेक जिला नेटबॉल संस्थाएं वर्ष 1994 से लगातार खेल के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ऐसे में इस निर्णय से अनुभवी पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों और खिलाड़ियों के योगदान पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है तथा नेटबॉल के विकास को भी बड़ा नुकसान पहुंच सकता है। बैठक में फेडरेशन के संविधान के उल्लंघन, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की अनदेखी, खेल प्रशासन में पारदर्शिता की कमी और एक तरफा निर्णय प्रक्रिया के खिलाफआवाज उठाई गई। इस मामले में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन, महाराष्ट्र ओलंपिक एसोसिएशन, राज्य के खेल आयुक्त, धर्मादाय आयुक्त तथा अन्य सक्षम प्राधिकरणों से न्याय की मांग करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। इस कानूनी लड़ाई की योजना और समन्वय के लिए महाराष्ट्र नेटबॉल बचाव कोर कमेटी का गठन किया गया। समिति के अध्यक्ष के रूप में डॉ. नारायण मूर्ति का सर्वसम्मति से चयन किया गया।सचिव पद पर डॉ. शालिनी आंबटकर (जयसवाल) की नियुक्ति की गई।

समिति में संजय पाटील (नाशिक), मानसिंग वाबले (पुणे), जयदीप सोनखासकर (अकोला), प्रवीण कुष्टीकर (नांदेड़), सुनील कडू (अमरावती), जुबेर शेख (सोलापुर), नरेश कलंबे (यवतमाल) और समीर सिकेलकर (पुणे) को सदस्य के रूप में शामिल किया गया। बैठक में आगामी 44वीं सीनियर राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप (पुरुष) 2026-27 के संबंध में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। पलवल (हरियाणा) में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए महाराष्ट्र नेटबॉल एसोसिएशन, गोंदिया के माध्यम से राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता आयोजित कर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन किए जाने की घोषणा की गई।

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

शादी समारोह मे गये युवक के घर चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 29/6/2026 से दिनांक 2/7/2026 के दरम्यान आंबाटोली फुलचुर मे फर्यादी मनोजकुमार वितम लाल उम्र 36 वर्ष निवासी आंबाटोली अपने घर को ताला लगाकर रिश्तेदार के यहा शादी समारोह मे गये थे। घटना तारीख के दरम्यान अज्ञात आरोपी ने मकान का ताला तोड़कर मकान मे प्रवेश कर आलमारी से चांदी 50 ग्राम किमत 10,400 रुपये, नगदी 1 हजार रुपये, कुल 11,400 रुपये का माल चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे गोंदिया ग्रामीण मे अपराध क्रमांक 385/2026 धारा 305,331,3,331,4, ए, भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत दर्ज कर जाँच पोहवा सोनटक्के 1476 पोस्टे गोंदिया ग्रामीण कर रहे है।

खेत के मोटर मे लगा वायर चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गंगाझरी पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 1/7/2026 के रात डोंगरगाव मे फर्यादी सुरेन्द्र पुरनलाल टेंभरे उम्र 37 वर्ष निवासी डोंगरगाव ने अपने खेत मे पानी डालने के लिये मोटर लगाई घटना की रात मे अज्ञात चोर ने मोटर मे लगी 250 फीट वायर किमत 7 हजार रुपये का माल चुराकर ले जाने से फर्यादी की शिकायत पर पोस्टे गंगाझरी मे अपराध क्रमांक 308/2026 धारा 303,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच सफौ अनिल पारधी 671 पोस्टे गंगाझरी कर रहे है।

घर के सामने से मोटर सायकल चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के नवेगावबांध पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार आझाद चौक नवेगावबांध मे दिनांक 1/7/2026 को फर्यादी धिरज नेताजी जांभुळकर उम्र 36 वर्ष निवासी नवेगावबांध ने अपने घर के सामने अपनी होंडा सी बी शाईन 125 सीसी क्रमांक एम एच 35 झेड किमत 12 हजार की रखी थी। रात के समय अज्ञात चोर ने चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे नवेगावबांध मे अपराध क्रमांक 172/2026 धारा 303,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच मपोना मीना राऊत 631 पोस्टे नवेगावबांध कर रहे है।

जहर पीने से तबीयत खराब हुवे युवक की उपचार के दौरान मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के रावणवाडी पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 28/6/2026 के 10 बजे के समय अशिश प्रभुदयाल मस्करे उम्र 23 वर्ष निवासी पांजरा ने अपने घर मे जहर पिया उसकी तबीयत खराब होने से उसे आयुष क्रिटीकल केयर अस्पताल मे भर्ती कराया गया जहा उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मर्ग के कागज पोस्टे रावणवाडी मे प्राप्त होने से पोस्टे रावणवाडी मे अकस्मात मौत क्रमांक 22/2026 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जाँच पोहवा बर्वे 1561 पोस्टे रावणवाडी कर रहे है।

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाऐं..
- टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET)
- इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI)
- (IUI) आय.यू.आय.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओव्हम डोनेशन द्वारा
- बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
- पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनोग्राफी
- हार्मोंस की जांच
- हार्मोंस की गड़बड़ी की ईलाज
- दुरबीन द्वारा ऑपरेशन

डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस
प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

12 शनिवार 04 जुलाई 2026
जग प्रेरणा live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● तुमसर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

गोंदिया मे आंबेडकर वार्ड की जनता 8 जुलाई को करेगी अंडरपास के विरोध में तीव्र आंदोलन..

नागरिक अधिकार व सुरक्षा समिति ने पत्र परिषद में दी जानकारी..

जगप्रेरणा गोंदिया।

मुंबई-हावड़ा रेल मार्ग एवं गोंदिया-चंद्रपुर रेल लाइन के बीच के घनी आबादी में निवास कर रहे भीमनगर, आम्बेडकर वार्ड, सिंगलटोली, कुंभारे नगर के हजारों नागरिकों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने का कार्य रेल प्रशासन द्वारा भूमिगत अंडर पास बनाकर किया जा रहा है। इस मामले पर

जिलाधिकारी गोंदिया द्वारा बिना नागरिकों की बात सुने एकतरफा रेलवे को कार्य शुरू करने की सहमति दर्शाने पर जनता आक्रोशित हो गई है और वे अब तीव्र आंदोलन का रुख ले चुकी है। आज 3 जुलाई को शासकीय रेस्ट हाउस में पत्र परिषद लेकर क्षेत्र की जनता, नागरिक अधिकार व सुरक्षा समिति के बैनर तले एकत्रित हुई। पत्र परिषद में समाजसेवी अमित कुमार भालेराव, कामरेड मिलिंद गणवीर, जितेंद्र सतिसेवक के साथ ही महिलाएं भी उपस्थित रही।

पत्र परिषद में जानकारी दी गई कि, भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पूरे देश में रेलवे क्रॉसिंग बंद कर, उनकी जगह ओवरब्रीज और भूमिगत अंडर पास बनाये जा रहे। परंतु गोंदिया शहर के सिंगलटोली-आंबेडकर वार्ड में मुंबई-हावड़ा रेल रूट पर बनाए गए अंडर पास की हाइट इतनी कम है कि वहां से आपातकाल के दौरान एम्बुलेंस, बिजली वाहन, जेसीबी मशीन, बोरवेल मशीन, स्कूल बस व बड़े वाहन के आवागमन में अवरोध निर्माण हो गया है। जिसके चलते नागरिकों को 5 किमी घूम कर इन वाहनों को भीमनगर रेलवे क्रॉसिंग से लाया जाता है।

अब रेलवे ने सिंगलटोली के बाद भीमनगर रेलवे क्रॉसिंग बंद करने नया भूमिगत अंडर पास बनाने का कार्य शुरू कर दिया है। इस अंडर पास के निर्माण होने से क्षेत्र की 60 हजार जनता को उनके अधिकारों से, मूलभूत सुविधाओं से वंचित करने का अत्याचार रेलवे करने जा रही है। इसके विरोध में कुछ दिनों पूर्व ही सैकड़ो लोगो ने मौके पर पहुँचकर कार्य को रुकवाने का कार्य कर उसकी जगह ओवर ब्रिज की मांग की थी।

इस मामले पर 2 हजार लोगों के हस्ताक्षर युक्त निवेदन जिलाधिकारी को 25 जून को देकर ब्रिज की मांग की थी। इस अंडर पास के निर्माण को लेकर हाल ही में रेलवे के मुख्य कार्यकारी अभियंता मेहुल चौधरी, सेक्शन अभियंता मल्लिकाराव ने मौके पर पहुँचकर निरीक्षण किया था, जिसने इसके बाद कलेक्टर गोंदिया को जानकारी दी कि इस क्षेत्र में ओवर ब्रिज का निर्माण करना संभव नहीं है, एकमात्र रास्ता भूमिगत अंडर पास ही है।

कलेक्टर के रवैये को लेकर की नाराजगी व्यक्त..

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि रेलवे की रिपोर्ट कलेक्टर को पहुँचने के बाद क्षेत्र की जनता ने 2 जुलाई को वे कलेक्टर कार्यालय में पुनः पहुंचे और इसकी जानकारी कलेक्टर महोदय को देने का प्रयास किया, पर कलेक्टर ने बिना हमारा पक्ष सुने, अड़ियल रवैया अपनाकर रेलवे को कार्य शुरू करने की सहमति दर्शा दी। अमितकुमार भालेराव ने कहा, जिलाधिकारी ने हमारा पक्ष नही सुना, जबकि उनका दायित्व था कि वो हमारी व्यथा सुने। उल्टे जिलाधिकारी ने हमें कार्य में रुकावट डालने, आंदोलन करने पर कानूनी कार्रवाई का डर दिखा दिया। क्या हम पर हो रही ज्यादती, हक अधिकार के लिए आवाज उठाना गलत है? उन्होंने कहा, जब जिलाधिकारी ही सुनने को तैयार नही तो हम क्या करे? जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी स्पष्ट दिखाई नही दे रही है। ऐसे में हम अपने अधिकार के लिए, अन्याय, अत्याचार के खिलाफ एकजुट होकर आगामी 8 जून को रेलवे द्वारा बनाये जा रहे अंडरपास कार्य की जगह (भीमनगर- चंद्रपुर लाइन) पर आंदोलन की शुरुआत करेंगे एव एक जनाक्रोश रैली निकालकर एसडीओ गोंदिया को रेलमंत्री भारत सरकार, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र सरकार व आयुक्त के नाम निवेदन सौपेंगे।

गोंदिया नगर परिषद की बिल्डिंग की दीवाल धंसी..

नए भवन के निर्माण को नही मिल रही मंजूरी..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया नगर परिषद की बिल्डिंग के अब बेहाल हो चुके हैं। विगत वर्ष भी नगर परिषद की बिल्डिंग में कर्मचारियों के काम में संलग्न रहने के दौरान छत का छज्जा भरभराकर गिर पड़ा था, वहीं आज फिर 03 जुलाई को भारी बारिश के कारण उपमुख्य अधिकारी झलके मैडम के केबिन में दीवाल का काफी हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर ढहने की स्थिति में पहुंच गया।

हांलांकि इस कोई बड़ी दुर्घटना नहीं घटी, लेकिन जिस तरह से पुरानी बिल्डिंग का काफी हिस्सा जर्जर हो चुका है, इस स्थिति में अब नगर परिषद के भवन को उच्च दर्जे की गुणवत्ता तथा साज सज्जा के साथ निर्मित किये जाने की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक सरकार द्वारा नगर परिषद भवन के निर्माण को स्वीकृति नहीं दी जा सकी है, जिसके कारण कर्मचारी जान जोखिम में डालकर काम करने के लिये मजबूर होकर कार्यरत हैं।

बोले संदीप बोरकर..

नगर परिषद के मुख्य अधिकारी संदीप बोरकर से चर्चा किये जाने पर उन्होंने बताया कि कमरे की स्थिति जर्जर होने के कारण दूसरे कक्ष में स्थानांतरित किया जा रहा है, वहीं उन्होंने यह भी बताया कि विधायक विनोद अग्रवाल के माध्यम से नगर परिषद की नई बिल्डिंग के प्रस्ताव को मंजूरी दिलवाने के लिये प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल कर्मचारीयों की सुरक्षा के अनुरुप उपयुक्त कक्षों में ही कार्यालयीन कार्य किये जा सकें, इस पर ध्यान दिया जा रहा है।

मनोहर सागर बांध का निरीक्षण, अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश

जगप्रेरणा गोंदिया। बारिश के मौसम को देखते हुए अपर जिला कलेक्टर अभिजीत घोरपड़े ने देवरी तहसील स्थित बाघ नदी पर बने मनोहर सागर मध्यम सिंचाई बांध का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बांध में जलभराव, सुरक्षा व्यवस्था तथा समग्र स्थिति का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार धनंजय देशमुख एवं अपर तहसीलदार नवनाथ कातकड़े भी उपस्थित रहे। लगभग 190 मिलियन घनमीटर जल भंडारण क्षमता वाले इस बांध पर क्षेत्र की सिंचाई एवं पेयजल आपूर्ति काफी हद तक निर्भर है। अपर जिला कलेक्टर ने बांध की मुख्य दीवार, स्पिलवे (सांडवा) तथा तकनीकी व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर उनकी स्थिति का आकलन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि वर्षा की तीव्रता बढ़ती है तो बाढ़ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन की दृष्टि से सभी आवश्यक एहतियाती कदम समय रहते उठाए जाएं। इस दौरान बांध प्रशासन ने जानकारी दी कि जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए संबंधित विभाग पूरी तरह सतर्क है।

श्री सीतारामजी मंदिर में 03 दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ..

5 जुलाई को सुबह प्राण-प्रतिष्ठा एवं नेत्रोन्मीलन का होगा अनुष्ठानपूर्वक आयोजन

जगप्रेरणा गोंदिया। शहर के अग्रसेन द्वार के समीप नवनिर्मित श्री सीतारामजी मंदिर में 3 से 5 जुलाई तक भगवान श्री सीताराम जी, श्री हनुमान जी एवं शिव पंचायत की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसका विधिवत मंदिर समिति के तत्वाधान में आज 03 जुलाई को धार्मिक अनुष्ठान के साथ शुभारंभ किया गया।

प्रथम दिवस आज 3 जुलाई को प्रातः एवं सायंकाल पूजन तथा अधिवास के धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए, तथा आज 04 जुलाई को प्रातः एवं सायंकाल पूजन तथा अधिवास के धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। आयोजन समिति की ओर से महेश अग्रवाल (माया) ने बताया कि 05 जुलाई (रविवार) को सुबह 10 बजे प्राण-प्रतिष्ठा एवं नेत्रोन्मीलन का मुख्य अनुष्ठान आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात प्रातः 11 बजे यज्ञ की पूर्णाहुति एवं महाआरती होगी। वहीं दोपहर 1:30 बजे से महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। समिति ने बताया कि यह आयोजन पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के प्रयासों तथा परमपिता परमेश्वर की असीम कृपा से संपन्न हो रहा है। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से परिवार सहित उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने और महाप्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया है। यह संपूर्ण आयोजन श्री सीतारामजी मंदिर, श्री अग्रसेन द्वार के पास, गोंदिया में आयोजित होगा।

सार्वजनिक न्यास नोंदणी कार्यालय, गोंदिया

नविन प्रशासकीय ईमारत,
3 रा माळा, रूम नं.-33,
जयस्तंभ चौक, गोंदिया

(नमुना क. 2) 1.55./1/442/26
दिनांक 8/6/2026

चौकशीची नोटीस

(महाराष्ट्र सार्वजनिक विश्वस्तव्यवस्था अधिनियम, सन 1950 यांचे कलम - 22 सन 2024 चा चौ. क. 285/2024 सार्वजनिक विश्वस्तव्यवस्था श्री हनुमान मंदिर सेवा समिती ता. जि. गोंदिया गोंदिया न्यास नोंदणी क. एफ-13241 (गोंदिया)...............यांस

सुधीर रामअवतार बजाज यांनी कलम 22 अन्वये केलेला अर्जा संबंधात श्री हनुमान मंदिर सेवा समिती ता. जि. गोंदिया गोंदिया न्यास नोंदणी क. एफ -13241 (गोंदिया) चे बाबत महाराष्ट्र सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्था अधिनियम 1950 चे कलम 22 नुसारचा अर्ज या जाहीर नोटीसी द्वारे सर्व जनतेला सुचित करण्यात येते की, श्री हनुमान मंदिर सेवा समिती ता. जि. गोंदिया गोंदिया न्यास नोंदणी क. एफ-13241 (गोंदिया) या न्यासासाठी महाराष्ट्र सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्था अधिनियम 1950 चे कलम 22 अन्वये स्थावर मिळकत रेकॉर्डवर घेणेबाबत बदल अर्ज, विश्वस्त श्री सुधीर रामअवतार बजाज गौरीनगर साकेत पब्लीक स्कुल के पीछे गोंदिया यांनी दाखल केला आहे. त्यातील नमूद स्थावर मिळकतीचे वर्णन खालीलप्रमाणे आहेत. स्थावर व जंगम मिळकत :- (वर्णन) निशाणी क्र. 1मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे। 1) मौजा-गोंदिया मालमत्ता कमांक 378, सरहद्य सिव्हील लाईन गोंदिया ता. जि. गोंदिया आराजी 4296.68 स्के. फुट रेकार्ड प्रमाणे आहे. मालमत्तेची चतुर्सिमा खालीलप्रमाणे आहे. :- पुर्वेस - रोड पश्चिमेस - रोड उत्तरेस - सरकारी क्वार्टर दक्षिणेस - रोड 2) इमारत बांधकाम क्रमांक 01 - मौजा मौजा गोंदिया मालमत्ता कमांक 378 सरहद्य सिव्हील लाईल गोंदिया ता जि. गोंदिया आराजी 4296.68 स्के फुट रेकॉर्ड प्रमाणे आहे. यावर श्री हनुमान मंदिर ची इमारत बांधलेली आहे. एकुण जागा आराजी 4296.68 स्के फुट रेकार्ड प्रमाणे आहे. 1. मंदिर बांधकाम 1 श्री हनुमान मंदिर 399.32 स्के मिटर मध्ये आहे. 2. खुली जागा 1037.50 स्के मिटर मध्ये आहे. 3. स्टोर रूम 34.90 स्के मिटर मध्ये आहे. सदर मंदिर इमारतीचे निर्धारित मुल्यांकन रिपार्टनुसार 8,49,161.00 (आठ लक्ष एकोणपन्नास हजार एकशे एकसष्ठ) रूपये आहे. सदरच्या चौकशी प्रकरणामध्ये कोणास काही हरकत घ्यावयाची असेल अगर पुरावा दयावयाचा असेल त्यांनी त्यांची लेखी कैफीयत ही नोटीस प्रसिध्द झाल्याचे तारखेपासून 30 दिवसाचे आत या कार्यालयाचे वरील पत्यावर सादर करणे. नंतर आलेल्या कैफीयतीचा विचार केला जाणार नाही. तसेच वरील मुदतीत कैफीयत न आल्यास कोणास काही सांगावयाचे नाही असे समजून चौकशी पुरी केली जाईल व अर्जाचे निकालाबाबत योग्य ते आदेश दिले जातील. हि नोटीस माझे सहीनिशी व मा. सहायक धर्मादाय आयुक्त गोंदिया यांचे शिक्यानिशी आज दिनांक 08/06/2026 रोजी दिली.

अधीक्षक - सार्वजनिक न्यास नोंदणी कार्यालय, गोंदिया

डॉक्टर्स एवं सीए डे पर गोंदिया में बना रक्तदान का अब तक का सबसे बड़ा रिकार्ड..

लॉयन्स क्लब गोंदिया रॉयल, सहयोग हॉस्पिटल, जीडीसीडीए व अनेक संस्थाओं के सहयोग से 217 यूनिट हुआ रक्तदान..

डॉक्टर्स एवं सीए का भी किया गया सम्मान..

जगप्रेरणा गोंदिया।

शासकीय अस्पतालों में आकस्मिक उपचार परिस्थितियों में रक्त की कमी को देखते हुए गोंदिया शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं को एक मंच पर लाते हुए लॉयन्स क्लब गोंदिया रॉयल, सहयोग हॉस्पिटल, एवं गोंदिया डिस्ट्रीक्ट केमिस्ट

एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन (जीडीसीडीए) द्वारा डॉक्टर्स एवं सीए डे के अवसर पर 01 जुलाई को गोंदिया के अग्रसेन भवन में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें की गई व्यापक तैयारियों के फलस्वरुप पहली बार गोंदिया में रक्तदान का सबसे बड़ी रिकार्ड सफलता प्राप्त हुई। एक ही दिन में कुल 217 यूनिट का रक्तदान हुआ, तो वहीं डॉक्टर्स डे एवं सीए डे के अवसर पर उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिये हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी डॉक्टर्स एवं सीए का सत्कार किया गया।

गौरतलब है कि 01 जुलाई 2026 को आयोजित इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ सुबह 10 बजे समारोहपूर्वक किया गया, जिसमें सहयोग मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के मार्गदर्शक श्री रमन रामादे ने मुख्य अतिथि के रुप में मार्गदर्शन दिया, तथा समाज को सहीं दिशा में आगे बढ़ाने के लिये रक्तदान जैसे कार्यक्रमों की आवश्यकता बताते हुए सामाजिक सेवाओं के कार्यों में सभी से यथासंभव सहयोग का आहवान किया। इस अवसर पर प्रमुख रुप से पूर्व प्रांतपाल सीए विनोद जैन, मारवाड़ी युवक मंडल के अध्यक्ष महेश गोयल, लॉयन्स क्लब गोंदिया रॉयल के अध्यक्ष लॉ. अभिषेक शर्मा, सीए सुशील सिंघानिया, सहयोग हॉस्पिटल के सेंटर हेड डॉ. सौरभ वर्धानी, विक्की सहारे, जीडीसीडीए के अध्यक्ष उत्पल शर्मा भी मंचासीन रहे।

संस्थाओं ने आगे बढ़कर बनाया रक्तदान को सफल..

गौरतलब है कि लॉयन्स क्लब गोंदिया रॉयल, सहयोग हॉस्पिटल, एवं गोंदिया डिस्ट्रीक्ट केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन (जीडीसीडीए) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित भव्य रक्तदान शिविर को सफल बनाने में प्रमुख रुप से शहर की विभिन्न अग्रणी समाजसेवी संस्थाएं जिसमें गोंदिया विधानसभा ग्रुप, नव्या नेचर केयर फाउंडेशन, गोंदिया डिस्ट्रिक्ट ब्रांच ऑफ आईसीएआई, श्री हनुमान मंदिर सेवा समिति, श्री मारवाड़ी युवक मंडल, श्री कृष्ण गौरक्षण सभा, श्री पंजाबी शिक्षण संस्था, श्री राजस्थानी महिला मंडल, सोच सेवा संस्थान तथा लोहाना युवक मंडल ने बढ़चढ़कर सहयोग कर रक्तदान को सफल बनाया। सभी के सहयोग के लिये रक्तदान शिविर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर रितेश अग्रवाल, सुमित गुप्ता, प्रद्युमन बजाज, पीयूष बैस, हरलीन होरा एवं लायंस क्लब गोंदिया रॉयल के अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, जीडीसीडीए के अध्यक्ष उत्पल शर्मा तथा सहयोग हॉस्पिटल के सेंटर हेड डॉ. सौरभ वर्धानी ने आभार व्यक्त किया।

40 महिलाओं संहित कुल 217 लोगों ने किया रक्तदान..

गौरतलब है कि 01 जुलाई को आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 217 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया, जिसमें 40 महिलाओं ने भी रक्तदान किया, जो कि महिलाओं के रक्तदान का भी सबसे बड़ा रिकार्ड बना। इसी प्रकार सबसे कम उम्र की रक्तदाता 21 वर्ष की कुमारी नुपुर नितिन जैन ने भी रक्तदान कर रक्तदान के लिये युवतियों और महिलाओं से भी रक्तदान के लिये आगे आने का आहवान किया। इस रक्तदान शिविर में पति एवं पत्नी ने भी एक साथ मिलकर रक्तदान किया, तो वहीं कुछ परिवार के अन्य सदस्यों ने भी मिलकर रक्तदान किया, जिससे रक्तदान के प्रति लोगों की जागरुकता भी नजर आई।

डॉक्टर्स एवं सीए का किया गया सत्कार..

गौरतलब है कि प्रतिवर्ष लॉयन्स क्लब गोंदिया रॉयल द्वारा डॉक्टर्स एवं सीए का सत्कार किया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष इस रक्तदान शिविर में सभी संस्थाओं ने मिलकर डॉक्टर्स एवं सीए का सम्मान किया, जिसमें डॉ. पोषणलाल बिसेन, डॉ. सुमित पिसे, डॉ. चंद्रशेखर जायसवाल, डॉ. मनिंदर जांभुलकर और डॉ. शीतल धर्मखेल एवं चार्टर्ड एकाऊंटेंट्स में सीए विनोद कुमार जैन, सीए धीरज एम. अग्रवाल, सीए सुशील अग्रवाल, सीए हेमंत आर. खंडेलवाल, सीए गणेश रोडा, सीए आदित्य एस अग्रवाल का सत्कार किया गया।

//जाहीरनामा //

प्रकरण क्र. 113 एम.आर.सी. 81/2025-26 मौजा-गोंदिया

प्रस्तुत जाहीरनाम्या व्दारे सर्व जनतेला सुचित करण्यात येते की, अर्जदार श्रीमती. रजनी मनोज किरणापुरे, रा. आंबाटोली फुलचुर ता. जि. गोंदिया यांनी त्यांचे/त्यांची सासरे गिताराम काशीराम किरणापुरे यांची मृत्यु मोजा फुलचुर ता.जि. गोंदिया येथे दि. 03/09/2025 झालेला आहे व सदर मृत्युची नोंद निबंधक, जन्म-मृत्यु नोंदणी कार्यालय, फुलचुर येथे झालेली नाही. त्यामुळे सदरहू मृत्युची नोंद निबंधक, जन्म- मृत्यु नोंदणी कार्यालय, फुलचुर येथे घेण्याकरीता आदेश मिळणेबाबत मृत्यु नोंदणी अधिनियम, 1969 चे कलम 13(3) अंतर्गत या कार्यालयात अर्ज सादर केला आहे। सबब अर्जदार श्रीमती. रजनी मनोज किरणापुरे, रा.आंबाटोली फुलचुर ता.जि. गोंदिया यांनी त्यांचे/त्यांची सासरे गिताराम काशीराम किरणापुरे यांची मृत्यु नोंद निबंधक, जन्म- मृत्यु नोंदणी कार्यालय, फुलचुर येथे करण्याचे संबंधात कोणाचेही दावे/ हरकती किंवा हितसंबंध असल्यास त्यांनी आपले दावे/ हरकती 15 दिवसाच्या आत लेखी स्वरुपात या कार्यालयास सादर करावे, त्यानंतर प्राप्त होणाऱ्या आक्षेप/ हरकतींचा विचार केला जाणार नाही, याची कृपया नोंद घ्यावी। प्रकरण क्र. 113 एम.आर.सी. 81/2025-26 मौजा-गोंदिया

(श्रीकांत कांबळे) अपर तहसिलदार, गोंदिया

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com